■ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ईसी मतदाता सूची से हटाए वोटरों के नाम करें प्रकाशित - 12

■ वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल बोले- भारत अमेरिका व्यापार समझौते के करीब- 12

■ ट्रंप का रुख बदला, अब बोले- ईरान में प्रदर्शनकारियों की हत्याएं रुकीं - 13

■ लक्ष्य सेन इंडिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में श्रीकांत व प्रणय बाहर- 14

आज का मौसम
17.0° अधिकतम तापमान
6.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.05
सूर्यास्त 05.39

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 10:22 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 16 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 53, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

प्रयागराज : मकर संक्रांति पर संगम में आस्था की डुबकी लगाते श्रद्धालु। ● एजेंसी

गोरखनाथ से संगम तक आस्था का सैलाब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● प्रदेश में उल्लास से मनाया गया मकर संक्रांति–खिचड़ी महापर्व
● सीएम योगी ने बाबा गोरखनाथ को अर्पित की खिचड़ी

अमृत विचार : सामाजिक समरसता और सनातन आस्था का महापर्व मकर संक्रांति–खिचड़ी उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। गोरखनाथ से लेकर संगम तक आस्था का महासैलाब उमड़ पड़ा।

गोरखपुर में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्म मुहूर्त में गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर महायोगी गुरु गोरखनाथ को विधिविधान से खिचड़ी अर्पित की और लोकमंगल, सुख-समृद्धि की कामना की। उधर, प्रयागराज संगम में एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने हर-हर गंगे के जयघोष के साथ आस्था की डुबकी लगाई। काशी, अयोध्या, मथुरा समेत पूरे यूपी में महास्नान हुआ।

कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के बावजूद प्रयागराज के संगम तट पर आस्था का महाकुंभ देखने को मिला। 'हर-हर गंगे' के जयघोष के साथ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में पुण्य स्नान किया। प्रशासन के अनुसार संक्रांति के दिन संगम क्षेत्र में शाम पांच बजे तक एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया, जबकि कुल संख्या 1.5 से 2 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। सुरक्षा के लिए एटीएस कमांडो, पुलिस बल और एआई कैमरों की कड़ी निगरानी रही। कल्पवासियों की साधना और हठयोगियों के तप ने माघ मेले को अलौकिक स्वरूप दिया।

काशी, अयोध्या, मथुरा, चित्रकूट और नैमिषारण्य में उमड़े लाखों श्रद्धालु

वाराणसी में गंगा घाटों पर, अयोध्या में सरयू तट पर, मथुरा में यमुना घाटों पर, वृंदावन में यमुना किनारे, चित्रकूट में मंदाकिनी तट पर और नैमिषारण्य में गोमती नदी के किनारे श्रद्धालुओं ने पुण्य स्नान किया। इसके अलावा बस्ती, बलिया, गाजीपुर, फर्रुखाबाद और कानपुर जैसे जिलों में भी गंगा, सरयू, गोमती और यमुना तटों पर आस्था का जनसैलाब देखने को मिला।

माघ मेले में चर्चा में रहे सतुआ बाबा

माघ मेले में जगतगुरु संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा भी सुर्खियों में रहे। बुलडोजर पर सवारी करते हुए उनका मेला भ्रमण चर्चा का विषय बना। उन्होंने श्रद्धालुओं से 18 जनवरी को मौनी अमावस्या के महास्नान में बड़ी संख्या में पहुंचने का आह्वान किया।

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली : लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े दो शार्पशूटर पकड़े गए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े बाइक सवार दो शार्पशूटरों को पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि दोनों व्यक्तियों पर राष्ट्रीय राजधानी में हाल ही में हुई गोलीबारी की दो घटनाओं में शामिल होने का आरोप है। आरोपियों ने सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात दो अलग–अलग जगहों पर गोलीबारी की थी। पकड़े गए आरोपियों में से एक व्यक्ति नाबालिग है और दूसरे की पहचान दीपक के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि उत्तरी दिल्ली में एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद दोनों को पकड़ा गया।

जम्मू कश्मीर पुलिस ने पुंछ में आतंकी सरगना की संपत्ति कुर्क की

मेंढर/पुंछ। जम्मू कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को पुंछ जिले में, पाकिस्तान में मौजूद एक आतंकी सरगना की अचल संपत्ति कुर्क कर दी। मंडी पुलिस थाने में दर्ज एक मामले के संबंध में अदालत के निर्देशों के बाद यह कार्रवाई की गई। कुर्क की गई संपत्ति मंडी तहसील में स्थित 10 कनाल और 14 मरला (लगभग 58,261.5 वर्ग फुट) जमीन है, जिसका अनुमानित मूल्य 22.05 लाख रुपये है। यह जमीन चैंबर कनारी निवासी अब्दुल अजीज की है। वह वर्तमान में पाकिस्तान में आतंकी सरगना के रूप में सक्रिय है।

ईडी अधिकारियों पर दर्ज प्राथमिकी पर सुप्रीम रोक, ममता को नोटिस

शीर्ष कोर्ट बोली- एजेंसी के काम में रुकावट न डालें, अन्य शीर्ष अधिकारियों से भी मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने ईडी के इस आरोप को गुरुवार को बेहद गंभीर बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उसकी जांच में बाधा पैदा की। कोर्ट ने इस बात की समीक्षा करने पर सहमति जताई कि क्या किसी राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियां किसी गंभीर अपराध के मामले में केंद्रीय एजेंसी की जांच में हस्तक्षेप कर सकती हैं। कोर्ट ने बंगाल में उन ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर रोक लगा दी है जिन्होंने आठ जनवरी को आई-पैक कार्यालय और इसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर छापा मारा था।

उसने राज्य पुलिस को छापेमारी की कार्रवाई की सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने मुख्यमंत्री बनर्जी, पश्चिम बंगाल सरकार, डीजीपी राजीव कुमार और शीर्ष पुलिस अधिकारियों को ईडी की उन याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है, जिनमें आई-पैक परिसर में छापेमारी में बाधा डालने के आरोप में उनके खिलाफ सीबीआई की जांच का अनुरोध किया गया है। पीठ ने कहा, हमें लगता है कि देश में कानून के शासन का पालन सुनिश्चित करने और प्रत्येक अंग को स्वतंत्र रूप से कार्य करने की अनुमति देने के लिए इस मुद्दे की समीक्षा करना आवश्यक है ताकि अपराधियों को किसी विशेष राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियों की छत्रछाया में संरक्षण न मिल सके। उसने कहा, इसमें बड़े सवाल शामिल हैं और उठाए गए हैं, जिन्हें अगर अनसुलझा छोड़ दिया जाए तो स्थिति और बिगड़ जाएगी तथा अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग संगठनों के शासन को देखते हुए किसी न किसी राज्य में अराजकता की स्थिति बनी रहेगी। कहा कि किसी राजनीतिक दल के चुनावी काम में हस्तक्षेप करने की शक्ति किसी केंद्रीय एजेंसी के पास नहीं है लेकिन साथ ही यदि केंद्रीय एजेंसियां किसी गंभीर अपराध की जांच के लिए सद्भावना से काम कर रही हैं, तो सवाल उठता है कि क्या दलगत गतिविधि की आड़ में एजेंसियों को अपने कर्तव्य निभाने से रोका जा सकता है। मामले की अगली सुनवाई के लिए तीन फरवरी की तारीख तय की गई है।

आई-पैक छापेमारी मामला

हाईकोर्ट में भीड़ के उमड़ने पर शीर्ष कोर्ट ने जताई चिंता, कहा- जैसे कि यह जंतर-मंतर हो

नई दिल्ली। कलकत्ता हाईकोर्ट में नौ जनवरी को अनियंत्रित भीड़ के कारण हुई अव्यवस्था और हंगामे पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को चिंता जताई। ईडी द्वारा आई–पैक के कार्यालय में की गई तलाशी और जब्ती से संबंधित मामलों की निर्धारित सुनवाई हंगामे के कारण स्थगित करनी पड़ी थी। ईडी की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि तृणमूल कांग्रेस के कानूनी प्रकोष्ठ ने व्हाट्सएप संदेश प्रसारित किए थे, जिसमें लोगों से अदालत में इकट्ठा होने के लिए कहा गया था। मेहता ने कहा, कृपया इस मामले में जो हुआ उसे देखें। हमने उच्च न्यायालय का रुख किया। यही होता है जब भीड़तंत्र लोकतंत्र की जगह ले लेता है। उच्च न्यायालय में यही चीज हुई। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में वकील और अन्य लोग अदालत कक्ष में घुस आए और हंगामा किया।

ममता बोलीं-आई-पैक परिसर में सीएम के तौर पर नहीं, बल्कि तृणमूल अध्यक्ष के तौर पर गई थी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शीर्ष कोर्ट से कहा कि वह तृणमूल कांग्रेस के चुनावी कार्य का जिम्मा संभाल रहे प्रतीक जैन के कार्यालय में कुछ अनधिकृत व्यक्तियों के घुसने की सूचना मिलने के बाद आई–पैक परिसर गईं थीं। बनर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ से कहा कि उनकी मुवक्किल आई–पैक के परिसर में मुख्यमंत्री की हैसियत से नहीं, बल्कि तृणमूल की अध्यक्ष के रूप में गई थीं। आई–पैक पश्चिम बंगाल में चुनावों का काम देखता है। पार्टी ने 2021 में आई–पैक के साथ एक औपचारिक अनुबंध किया था। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि ईडी को इसके बारे में पता है। आई–पैक के पास डेटा की एक श्रृंखला रखी है।

भारत में लोकतंत्र सफल है क्योंकि शासन के केंद्र में जनता है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

● कहा- भारत ने विविधता को अपने लोकतंत्र की ताकत बनाया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत ने विविधता को अपने लोकतंत्र की ताकत बनाया है और दुनिया को दिखाया है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और प्रक्रियाएं उसके विकास को स्थिरता, गति तथा स्तर (स्केल) प्रदान करते हैं। राष्ट्रमंडल देशों की संसद के अध्यक्षों व पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए यह भी कहा कि भारत में लोकतंत्र सफल है क्योंकि शासन के केंद्र में देश की जनता है।

भारतीय लोकतंत्र एक बड़े पेड़ की तरह है जिसकी जड़ें गहरी हैं। मोदी ने कहा, भारत में, लोकतंत्र का मतलब है अंतिम पायदान तक सेवाओं की पहुंच। उन्होंने कहा कि जन कल्याण की भावना के साथ उठाए गए सरकार के कल्याणकारी कदम बिना भेदभाव के सभी लोगों तक पहुंचते हैं। उन्होंने कहा, इस भावना की वजह से 25 करोड़ लोग पिछले कुछ साल में गरीबी से बाहर आए हैं। भारत में लोकतंत्र सफल है। प्रधानमंत्री ने कहा, जब भारत को आजादी मिली, तो कई लोगों को संदेह था कि देश की इतनी अधिक विविधता के बीच लोकतंत्र टिक पाएगा या नहीं। हालांकि, यही विविधता भारतीय लोकतंत्र की शक्ति बन गई। प्रधानमंत्री ने कहा, यह भी संशय था कि लोकतंत्र ने जड़ें जमा भी लीं, तो भी भारत को आगे बढ़ने में मुश्किल होगी।

भारत दूसरा सबसे बड़ा इस्पात निर्माता

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा इस्पात निर्माता भी है और तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट अप इकोसिस्टम है। मोदी ने कहा कि देश में तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार, चौथा सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क, तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क है। यह सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा धान उत्पादक देश भी है।

ईरान में फंसे भारतीयों को निकालेगी केंद्र सरकार, बनाई आपात योजना

नई दिल्ली। ईरान में नाजुक हालात के मद्देनजर सरकार ने वहां से भारतीयों को निकालने की तैयारी तेज कर दी है। वहीं अमेरिका ने देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर तेहरान की कार्रवाई के जवाब में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया है।

भारत ने बुधवार को ईरान में रह रहे अपने सभी नागरिकों से उपलब्ध साधनों से देश छोड़ने और वहां की यात्रा न करने का आग्रह किया। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार नागरिक और सैन्य परिवहन विमानों का उपयोग कर भारतीयों को वापस लाने के विकल्प पर भी विचार कर रही है। एक अनुमान के अनुसार, विद्यार्थियों सहित लगभग 10,000 भारतीय वर्तमान में ईरान में रह रहे हैं। बुधवार को तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने सभी भारतीय नागरिकों से उपलब्ध परिवहन साधनों के जरिये ईरान छोड़ने का आग्रह किया।

कंटेनर से टकराया एआई का विमान, इंजन क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली, एजेंसी

● पार्किंग के लिए ले जाते समय कोहरे के कारण हुआ हादसा, यात्री-क्रू सुरक्षित

दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार को सुबह घने कोहरे के बीच, कार्गो कंटेनर से टकराकर एअर इंडिया का ए350 विमान का दाहिना इंजन क्षतिग्रस्त हो गया। एयरलाइन ने कहा कि विमान को विस्तृत जांच के लिए उड़ान सेवा से अस्थायी रूप से हटा दिया गया है और ए350 विमान की उड़ान वाले कुछ मार्गों पर संभवतः व्यवधान आ सकता है।

एयरलाइन ने कहा, दिल्ली से न्यूयॉर्क (जेएफके) जाने वाली उड़ान एआई101 को ईरान के हवाई क्षेत्र के अप्रत्याशित रूप से बंद होने के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद, दिल्ली लौटना पड़ा, जिससे उसका निर्धारित मार्ग प्रभावित हुआ। दिल्ली में उतरने पर, घने कोहरे के बीच, विमान को टर्मिनल तक ले जाने के दौरान यह एक वस्तु से टकरा गया, जिसके परिणामस्वरूप उसके दाहिने इंजन को नुकसान पहुंचा। विमान को निर्धारित पार्किंग स्थल पर सुरक्षित रूप से खड़ा कर दिया गया, जिससे विमान में सवार सभी यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।

मायावती की प्रेस कॉन्फ्रेंस में शॉर्ट सर्किट से अफरा-तफरी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की गुरुवार को प्रेसवार्ता समाप्त होने के ठीक पहले अचानक शॉर्ट सर्किट से हो गई। हॉल में धुआं फैल गया, जिससे कुछ क्षणों के लिए मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया।

हालांकि मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत स्थिति संभाल ली। अग्नि सुरक्षा उपकरणों का तत्काल उपयोग किया गया, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका टल गई। सुरक्षाकर्मियों ने घेरा बनाकर मायावती को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट को तकनीकी खराबी से जुड़ा बताया जा रहा है। घटना के बाद कुछ देर के लिए कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई।

एग्जिट पोल में बीजेपी–शिंदे सेना का बीएमसी पर कब्जा

मुंबई, एजेंसी

● उद्धव और राज ठाकरे रहेंगे विपक्ष में, शाम साढ़े पांच बजे तक 50 प्रतिशत हुआ मतदान

महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में गुरुवार को वोटिंग खत्म हो गई है। मतदान के बाद आए बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के 3 एग्जिट पोल में भाजपा गठबंधन को बहुमत मिलने का अनुमान है। भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 130 से 150 सीटें मिल सकती हैं।

बहुमत के लिए 114 की जरूरत है। वहीं, कांग्रेस गठबंधन को 60 सीटें मिलने का अनुमान है। अन्य के खाते में 5 से 7 सीटें आ सकती हैं। नतीजे शुक्रवार को आएंगे। स्टेट इलेक्शमन कमिश्नर दिनेश वाघमारे ने कहा कि सभी नगर निगम में शाम 5:30 वोटिंग खत्म हुई। करीब 50% मतदान का अनुमान है हालांकि अंतिम आंकड़े बाद में जारी होंगे।

उंगली की स्याही मिटाने का वीडियो वायरल होने पर बवाल, जांच शुरू

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने कहा कि बीएमसी चुनाव में मतदान के दौरान उंगलियों पर लगाई गई स्याही लोगों द्वारा मिटाए जाने के वायरल वीडियो की जांच चल रही है और झूठा विमर्श फैलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर आम मतदाताओं, नेताओं के ऐसे कई वीडियो सामने आये, जिनमें वे मतदान के बाद अपनी उंगलियों पर लगी पक्की स्याही को एसीटोन से मिटाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वाघमारे ने कहा कि स्याही को सूखने में समय लगता है और इसे मिटाना नहीं चाहिए।

पहल

योगी सरकार ने किसानों को बीमा सुरक्षा के दायरे में लाने के दिए निर्देश, 2025–26 में बीमा, प्रशिक्षण व आईटी पर होगा खर्च

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 96.92 करोड़ स्वीकृत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा देने और फसल नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से योगी सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। शासन ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 96.92 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इस राशि से योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को मजबूती मिलेगी और अधिक से अधिक किसानों को बीमा सुरक्षा के दायरे में लाया जा सकेगा।

वर्तमान रबी सीजन (2025-26) में किसानों के बीच इस योजना के प्रति भारी उत्साह है। प्रदेश के नौ लाख से अधिक हेक्टेयर क्षेत्र को इस बीमा के दायरे में लाया जा चुका है। योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि रबी फसलों के लिए किसानों को कुल प्रीमियम का मात्र 1.5 प्रतिशत हिस्सा देना होता है, जबकि शेष बड़ी धनराशि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर वहन करती है। कृषि विभाग की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार धनराशि का सबसे बड़ा हिस्सा 93.88 करोड़ रुपये सब्सिडी मद के लिए निर्धारित किया गया है। इससे किसानों के बीमा प्रीमियम का भार कम होगा और बीमा कवरेज का दायरा बढ़ेगा। सरकार का मानना है कि प्रीमियम सब्सिडी मिलने से अधिक किसान योजना से जुड़ेंगे और प्राकृतिक आपदाओं के समय उन्हें समय पर राहत मिल सकेगी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के सुचारु संचालन के लिए प्रशासनिक और तकनीकी मदों में भी खर्च का प्रावधान किया गया है। इसके तहत यात्रा व्यय के लिए 32 लाख, कार्यालय व्यय 40 लाख, फॉर्म व सामग्री की छपाई पर 40 लाख, फर्नीचर एवं उपकरणों पर 32 लाख, वाहनों के अनुरक्षण एवं पेट्रोल पर 40 लाख, प्रशिक्षण व्यय पर आठ लाख और कंप्यूटर हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर समेत उनके अनुरक्षण पर 40-40 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। इससे जिला और राज्य स्तर पर योजना के क्रियान्वयन, निगरानी और प्रशिक्षण व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

8.5 साल में 5679 करोड़ की क्षतिपूर्ति

आंकड़ों पर गौर करें तो वर्ष 2016–17 से लेकर 2024–25 तक प्रदेश के 73.79 लाख किसानों को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाया गया है। इन वर्षों में कुल 5679.26 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी गई। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के अनुसार, चालू वर्ष 2025–26 के खरीफ सीजन में भी अब तक 2.70 लाख किसानों को 215.40 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। 31 दिसंबर आवेदन की अंतिम तिथि तय थी।

कड़े वित्तीय अनुशासन के निर्देश

शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल निर्धारित मदों में ही किया जाएगा। राशि का आहरण आवश्यकता के अनुसार चरणबद्ध होगा, एकमुश्त निकासी की अनुमति नहीं होगी। किसी भी स्थिति में अनधिकृत या अतिरिक्त व्यय नहीं किया जाएगा। योजना के अंतर्गत व्यय की शुद्धता और जवाबदेही कृषि निदेशक, उत्तर प्रदेश की होगी।

न्यूज ब्रीफ

साढ़ू के साथ मारपीट दी तहरीर

खुटार, अमृत विचार : कस्बा में मोहल्ला नारायणपुर निवासी नन्हे ने थाना पर तहरीर देकर बताया कि गुरुवार को बंडा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी साढ़ू आया था। शाम करीब 4 बजे वह गाली गलौज करने लगा। मना करने पर उसके साथ मारपीट की। जिससे वह घायल हो गया। थाना प्रभारी श्यामवीर सिंह ने बताया कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

छप्पर में लगी आग बुझाने में व्यक्ति झुलसा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के गांव गुवारी निवासी रामकीरत ने बताया कि मंगलवार की रात आठ बजे खाना खाकर परिवार के साथ सो गए थे। रात में 11 बजे छप्परदार घर में आग लग गई। उसकी आंख खुली तो देखा कि छप्पर में आग लगी है। उन्होंने आग बुझाने का प्रयास किया तो दोनों हाथ झुलस गए। दो भैंस भी झुलस गयी।

परामर्श केंद्र पर गले मिले दंपती

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पुलिस लाइन में परामर्श केंद्र पर 12 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई तथा एक दंपती को सकुशल विदा किया गया। थाना कटरा क्षेत्र में एक दंपती का विवाह लगभग सात वर्ष पूर्व हुआ था। घरेलू विवाद चल रहा था। महिला दो साल से मायके में रह रही थी। दोनों पक्षों को परामर्श केंद्र पर बुलाया गया। वार्ता करायी गयी और दोनों पक्ष एक साथ रहने को तैयार हो गए। इस अवसर पर प्रभारी महिला उप निरीक्षक मधु यादव, सिपाही चन्द्रकांत, बबीता देवी आरक्षी साकेत आदि मौजूद रहे।

बाघ ने गोवंश का किया शिकार, शव दफनाया

खुटार, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला पूर्वीगढ़ी निवासी पिंटू शुक्ला ने बताया कि खुटार-गोला रोड पर ईंट भट्ठा के पास उनका खेत है। उसी मोहल्ले के वीरू, देवेंद्र आदि लोग गन्ना छीलने गए थे। जहां खेत में गन्ना टूटा हुआ था और गोवंश का अधखाया शव पड़ा मिला। सभी लोग वापस चले गए और खेतों पर मौजूद मोहल्ले के ही मनु अग्निहोत्री, सौरव शर्मा व ईंट भट्ठा स्वामी गुरपाल सिंह को जानकारी दी। सूचना पर रेंजर मनोज श्रीवास्तव टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने पगमार्क ट्रेस कर गोवंश के शव का पोस्टमार्टम कराकर जेसीबी से गड्ढा खोदकर दफना दिया। वन विभाग की टीम ने कांबिंग कर किसानों को जागरूक किया। उधर, खुटार में कई जगहों पर बाघ व तेंदुआ की चहलकदमी रहने से लोग दहशत में है। बावजूद इसके वन अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे है।

समायोजन के विरोध में शिक्षक संगठन एकजुट

संगठनों ने की संयुक्त शिक्षक समिति का गठन कर 19 से आंदोलन की घोषणा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

संयुक्त बैठक के दौरान विरोध प्रदर्शन करते शिक्षक। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जनपद के परिषदीय विद्यालयों में 271 शिक्षक-शिक्षिकाओं के किए गए अनियमित समायोजन को लेकर जिले के सभी प्रमुख शिक्षक संगठनों में भारी आक्रोश व्याप्त है। इसी क्रम में सभी संगठनों ने एकजुटता का परिचय देते हुए संयुक्त शिक्षक समिति का गठन कर 19 जनवरी से आंदोलन की घोषणा कर दी है। बैठक का आयोजन रोटी गोदाम रोटी गोदाम स्थित परिषदीय विद्यालय परिसर में किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष मुनीश मिश्र ने कहा कि यह समायोजन पूरी तरह शिक्षक उत्पीड़न की नीयत से किया गया है, जिसमें न वरिष्ठता का पालन किया गया और न ही महिला एवं गंभीर बीमार शिक्षकों की परिस्थितियों को देखा गया। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा ने कहा कि इस अनियमित समायोजन के कारण दर्जनों विद्यालय बंद या एकल अध्यापक वाले हो गए हैं, जबकि कुछ शिक्षकों को बिना आधार के संरक्षण दिया गया है। यूनाइटेड शिक्षक यूनियन के जिला महामंत्री हरिशंकर ने कहा कि समायोजन से पूर्व न तो वरिष्ठता सूची जारी की गई और न ही रिक्त पदों की जानकारी सार्वजनिक की गई। बेसिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राजकमल आर्य ने आरोप लगाया कि पुरुष शिक्षकों को नजदीकी विद्यालय तथा महिला शिक्षिकाओं को 60–70 किलोमीटर दूर समायोजित किया गया, जो स्पष्ट रूप से भेदभावपूर्ण है। बैठक में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला कोषाध्यक्ष रविन्द्र पाल प्रजापति, जिला मीडिया प्रभारी राजकुमार तिवारी, जिला उपाध्यक्ष सरताज अली, कौमी उर्दू शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष नफीस खां, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला महामंत्री अंकुर त्रिपाठी पुवायां अध्यक्ष अश्वनी अवस्थी, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के भावलखेड़ा मंत्री उपेंद्र गुप्ता, महानगर अध्यक्ष इमरान सईद, कांट ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह सहित अवनीश कुमार सिंह, उमेश चन्द्र सक्सेना, सचिन अवस्थी, विजयकांत शर्मा, प्रदीप सिंह, राकेश रोशन, आनंद बिहारी वाजपेई, शैलेन्द्र, जुल्फेकार अली, सत्येन्द्र पाल सिंह, राघवेन्द्र सिंह, संजय त्रिपाठी, शेर सिंह, वीरेश कुमार, मनीष, हरीश, ओमप्रकाश वर्मा, लक्ष्मीकांत, आदर्श श्रीवास्तव सहित दर्जनों पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में मौजूद रहे संगठन

आज की बैठक में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ, यूनाइटेड शिक्षक यूनियन यूटा, बीटीसी शिक्षक संघ और क़ौमी उर्दू शिक्षक संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी संगठनों के पदाधिकारियों ने कहा कि वे लोग अब आरापार की लड़ाई के लिए संगठित हो चुके हैं। आंदोलन का रूख भी अपनाया जाएगा। बताया कि इस तरह की मनमानी नहीं चलने दी जाएगी।

तय की आंदोलन की रणनीति

रोटी गोदाम स्थित परिषदीय विद्यालय परिसर में आयोजित संयुक्त बैठक में शिक्षक संगठनों ने आरोप लगाया कि समायोजन प्रक्रिया में शासनादेश एवं विभागीय आदेशों की घोर अवहेलना की गई है। महिलाओं, सेवानिवृत्ति में मात्र तीन माह शेष रहने वाले शिक्षकों, दिव्यांग एवं गंभीर बीमारियों से ग्रस्त शिक्षकों को 60–70 किलोमीटर दूर समायोजित कर उत्पीड़न किया गया है। संयुक्त शिक्षक संघर्ष समिति ने निर्णय लिया कि 19 जनवरी को पूर्वान्ह 11 बजे से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। 20 जनवरी को प्रातः 11 बजे से खिरनी बाग रामलीला मैदान में जनपद के समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं जोरदार विरोध प्रदर्शन करेंगे। आवश्यक होने पर आगामी आंदोलन की रूपरेखा भी घोषित की जाएगी।

कोर्ट ने स्टे की तारीख बढ़ाकर 28 जनवरी की

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- दुकानदार को तिरपाल, काउंटर पीछे करने निर्देश
- रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण का मामला

अमृत विचार : मालगोदाम रोड पर रेलवे की जमीन से अतिक्रमण हटाए जाने के मामले में एक दुकानदार हाईकोर्ट से स्टे लेकर आया था, अब स्टे की तारीख बढ़कर 28 जनवरी हो गयी है।

रेल प्रशासन मंडल के अधिकारियों के निर्देश पर मालगोदाम रोड पर द्वितीय प्रवेश द्वार के सामने सड़क को चौड़ीकरण करने के उद्देश्य से कार्रवाई करते हुए रेलवे की जमीन पर से कई दुकानों के छज्जे आदि जेसीबी से ढहा दिए थे। इसके अलावा दो खोखों को भी गिरा दिया था। इस दौरान मोहल्ला सुभाष नगर का कुशल नामक युवक हाई कोर्ट से स्टे लेकर आ गया था। उसकी दुकान बच गयी थी। हाईकोर्ट ने भूमि की स्थिति स्पष्ट करने के लिए निर्देश देते हुए 14 जनवरी को रिपोर्ट मांगी थी। नगर निगम और रेल प्रशासन ने अपनी रिपोर्ट बनाकर कोर्ट को प्रेषित कर दी थी। कोर्ट ने स्टे की तारीख बढ़ाकर 28 जनवरी कर दी है। इधर एक दुकानदार ने अपना काउंटर और तिरपाल रेलवे की जमीन पर बढ़ा दिया था। कुछ लोगों ने निर्माण निरीक्षक से शिकायत की, एक दुकानदार रेलवे की जमीन फिर कब्जा कर लिया। रेलवे अधिकारियों ने दुकानदार को काउंटर और तिरपाल पीछे हटाने के निर्देश दिए है। रेल प्रशासन शीघ्र सड़क के किनारे बने चबूतरे को तोड़ देगा। अधिकारियों ने कहा कि जरूरत पड़ी रेलवे अपनी जमीन पर दीवार बना सकती है। निर्माण निरीक्षक ने बताया कि स्टे की तिथि बढ़कर 28 जनवरी हो गयी है।

वेदी पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने सुनी रामकथा

खुटार, अमृत विचार : गांव तुलापुर में श्री नर्मदेश्वर महादेव शिव मंदिर पर पांच दिवसीय चल रही रामकथा में तमाम श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी और यज्ञाचार्य ने वेदी पूजन कराया गया। ऋषि शुक्ला ने बताया कि गुरुवार को शिव मंदिर पर आचार्य मनमोहन मिश्रा, आचार्य श्रीश शुक्ला ने यजमान नीरज शुक्ला के द्वारा वेदी पूजन, कलश पूजन व रुद्राभिषेक कराया गया। इस मौके पर ललित शुक्ला, शिवम शुक्ला, टिंकू शुक्ला, हिमल शुक्ला, सचित शुक्ला, जीत शुक्ला आदि मौजूद रहे।

संकल्प के बीज से फूटा शैक्षिक उन्नयन का अंकुर : स्वामी चिन्मयानंद

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

राज्यपाल की मंजूरी मिलने पर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित करते प्राचार्य प्रो आरके आजाद। ● अमृत विचार

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी। ● अमृत विचार

- स्वामी शुकदेवानंद राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना के अध्यादेश को राज्यपाल की मंजूरी मिलते पर शिक्षा संकुल में खुशी व गर्व का माहौल

अमृत विचार: 14 जनवरी को स्वामी शुकदेवानंद राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना के अध्यादेश को राज्यपाल की मंजूरी मिलते ही पूरे शिक्षा संकुल में अपार खुशी एवं गर्व का माहौल बना हुआ है। संकुल की सभी शिक्षण संस्थाओं के शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने स्वामी चिन्मयानंद को इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

एसएस कालेज सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुमुक्षु शिक्षा संकुल के मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने स्वामी शुकदेवानंद राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना के अध्यादेश को राज्यपाल की मंजूरी मिलने पर आत्मिक संतोष जताते हुए कहा कि वर्ष 1989 में जब उन्होंने शाहजहांपुर में शिक्षा को लेकर अपने संकल्प को एक यात्रा का रूप दिया था, तब संसाधन नितांत सीमित थे और परिस्थितियां भी अनुकूल नहीं थीं। किंतु सतत आगे बढ़ने का साहस एवं जनमानस की अपेक्षाएं उन्हें बाधाओं को दरकिनार करते हुए आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती रहीं और संकल्प का जो बीज उन्होंने बोया था, आज वह सफलतापूर्वक अंकुरित हो चुका है। स्वामी शुकदेवानंद राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना के अध्यादेश को राज्यपाल की मंजूरी मिलने पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वामी चिन्मयानंद ने भावुकतापूर्ण एवं आशीषमय उद्बोधन से सभी को अभिसिंचित किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संकुल को विश्वविद्यालय के रूप में उच्चीकृत करने का प्रस्ताव रखा गया था, तब से लेकर अब तक की यात्रा अनेक अनुकूल एवं प्रतिकूल परिस्थितियों से होकर गुजरी है। किंतु यह स्वामी शुकदेवानंद जी की साधना का प्रतिफल है कि परमार्थ के इस संकल्प को प्रत्येक कदम पर साहस एवं ऊर्जा प्राप्त होती गई और साधनों की सीमित उपलब्धता के बावजूद भी आज महाविद्यालय विश्वविद्यालय के रूप में परिणत हो चुका है। इस नवीन यात्रा के साथ उन्होंने संकुल के प्रत्येक शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी से शाहजहांपुर को भविष्य में विश्वपटल पर स्थापित करने का आह्वान किया। प्रबंध समिति के सचिव प्रो अवनीश मिश्र ने कहा कि भगवान भास्कर महाराज के उत्तरायण में आते ही संस्था का भी उच्चीकरण हो जाना निश्चित रूप से शाहजहांपुर के शैक्षिक भविष्य के लिए एक शुभ संकेत है। प्राचार्य प्रो आरके आजाद ने स्वागत भाषण दिया। प्रो आरके आजाद ने स्वामी चिन्मयानंद को पुष्पगुच्छ एवं डॉ विकास खुराना, डॉ श्रीकांत मिश्र एवं डॉ आदर्श पांडेय ने सरोपा ओढ़ाकर सम्मानित किया। उपप्राचार्य प्रो अनुराग अग्रवाल के संचालन में हुए कार्यक्रम में प्रो जयशंकर ओझा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रो आदित्य कुमार सिंह, प्रो प्रभात शुक्ला, प्रो मीना शर्मा, प्रो आलोक मिश्र, डॉ आलोक कुमार सिंह, डॉ कमलेश गौतम, डॉ शिशिर शुक्ला, डॉ पवन गुप्ता, डॉ अनिल कुमार, डॉ संदीप अवस्थी, डॉ मृदुल शुक्ला सहित संस्थाओं के शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

लखनऊ पुलिस ने ईशापुर गांव में दी दबिश

निगोही, अमृत विचार: लखनऊ में एक सराफा की दुकान में लाखों रुपये की चोरी के मामले में ईशापुर गांव में दबिश दी। पुलिस ने एक व्यक्ति को उठाकर थाना पर पुलिस पूछताछ कर रही है। निगोही पुलिस के अनुसार लखनऊ के मलिहाबाद थाना क्षेत्र में एक सराफा की दुकान में विगत दिनों चोरी हुई थी। लखनऊ की पुलिस ने ईशापुर गांव में दबिश दी। पुलिस ने गांव के रामपाल को पकड़कर थाना पर ले आयी। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि चोरी का जेवर निगोही कस्बा में एक सराफा की दुकान पर बेचा था। पुलिस सराफा व्यापारी को थाना पर लायी। सराफा व्यापारी ने कहा कि उसने चोरी का कोई जेवर नहीं खरीदा है। इस दौरान तमाम व्यापारी एकत्रित हो गए। लखनऊ पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

37वीं पुण्यतिथि पर वितरित किए कंबल

- स्वजनों की ओर से कम्बल वितरण किया जाना सराहनीय

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

असहाय जनों को कंबल वितरण करते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना। ● अमृत विचार

अमृत विचार : समाजसेवी हरिकिशन त्यागी की 37वी पुण्यतिथि पर हरि कौशल त्यागी जनकल्याण समिति एवं भारतीय युवा चेतना मंच की ओर से रौजा के हरिकौशल त्यागी पब्लिक स्कूल में जरूरतमन्दों को 380 कंबल एवं 450 स्वेटर का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कंबल वितरण करते हुए कहा कि समाज में सभी सामान नहीं होते हैं। कुछ लोग शारीरिक, आर्थिक, मानसिक रूप अधिक सक्षम हैं। कुछ अधिक कमजोर होते हैं। सक्षम एवं सामर्थ्यवान लोगों को जरूरतमंद लोगों की सहायता अवश्य करनी चाहिए। हरिकिशन त्यागी की पुण्यतिथि पर उनके स्वजनों की ओर से कम्बल वितरण किया जाना सराहनीय है। कार्यक्रम संयोजक नरेंद्र त्यागी ने कहा कि अपने पिता की पुण्यतिथि पर प्रत्येक वर्ष कम्बल वितरण करते हैं। कार्यक्रम में आए लोगों को चाय एवं बिस्कुट वितरण किया गया। श्री खन्ना का आयोजकों ने फूलमाला पहनाकर व स्मृतिचिन्ह देकर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदीप मिश्रा, योगेंद्र किशन त्यागी, कुलदीप त्यागी, अर्जुन त्यागी, रामशंकर, सुनील तिवारी, प्रणव त्यागी, चिन्मय त्यागी, रविन्द्र त्यागी, मयंक मिश्रा, अरविंद राजपाल, दीपक सक्सेना, अरविंद शर्मा आदि उपस्थित रहे।

राज्यसभा सांसद ने स्टेशन पर देखा निर्माण कार्य

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- डबल डेकर ट्रेन के ठहराव के लिए रेल मंत्री से मिलेंगे, निर्माण कार्य गुणवत्ता से कराएं

अमृत विचार: राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार ने अमृत भारत योजना के तहत हो रहे कार्यों का रेलवे स्टेशन पर निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य को गुणवत्ता से कराए जाने के निर्देश दिए।

राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार सुबह पौने दस बजे रेलवे स्टेशन पर पहुंचे। उन्होंने प्लेटफार्म एक को ऊंचा करने के कार्य और सर्कुलेटिंग एरिया में हो रहे कार्य को देखा। उन्होंने कहा कि स्वचालित सीढ़ियां और फुट ओवरब्रिज का निर्माण का शीघ्र कराया जाए। उन्होंने स्टेशन पर सफाई व्यवस्था को देखा और निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था और बेहतर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यात्रियों को सुविधाएं अधिक से अधिक मिलनी चाहिए। महिला प्रतीक्षालय का मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा कराया जाए। प्लेटफार्म पर निर्माणधीन शौचालय का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराया जाए। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए डबल डेकर और काठगोदाम-हावड़ा एक्सप्रेस के स्टॉपेज के लिए रेल मंत्री से मुलाकात करेंगे।

उनका प्रयास रहेगा कि स्टेशन पर यात्रियों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं मिले। उन्होंने वीआईपी कक्ष में अधिकारियों से बातचीत की। इस अवसर सीएमआई एसके ठाकुर, स्टेशन अधीक्षक पीएस तोमर, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक त्रिलोक चंद्र आदि अधिकारी मौजूद रहे।

चिन्मयानंद ने किया पुस्तक वाङ्मय का विमोचन

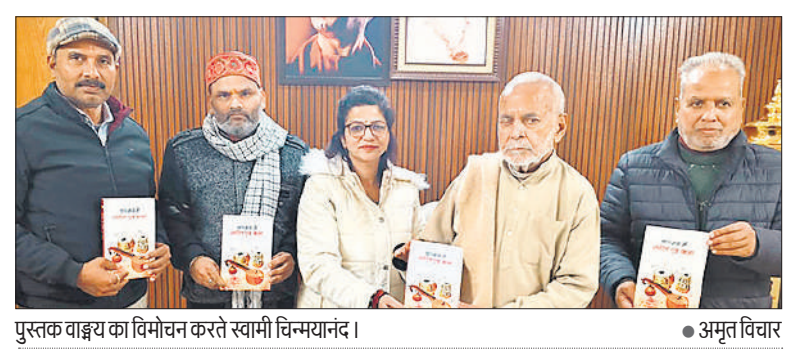

पुस्तक वाङ्मय का विमोचन करते स्वामी चिन्मयानंद। ● अमृत विचार

- डा.कविता भटनागर और डा. श्रीकांत मिश्र ने किया संपादन मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : डा. कविता भटनागर एवं डा. श्रीकांत मिश्र द्वारा संपादित भारतीय संगीत पर आधारित पुस्तक "वाङ्मय" का विमोचन मुमुक्षु शिक्षा संकुल के मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने किया।

इस अवसर पर स्वामी चिन्मयानंद ने कहा कि भारतीय संगीत केवल स्वर और ताल का संयोजन नहीं, बल्कि आत्मा की अनुभूति और ब्रह्म से संवाद का माध्यम है। वाङ्मय जैसी कृतियां इस आध्यात्मिक-सांस्कृतिक धरोहर को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का सेतु बनती हैं। एसएस कालेज के सचिव डा. अवनीश मिश्रा ने कृति को भारतीय संगीत साहित्य में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए इसे शोधार्थियों, साधकों और रसिकों के लिए समान रूप से उपयोगी बताया। संपादक डा.कविता भटनागर ने कहा कि साहित्य, कला एवं संगीत से रहित समाज की परिकल्पना नहीं की जा सकती। डा. श्रीकांत मिश्र ने बताया कि इस पुस्तक से विद्यार्थी, शिक्षक तथा साहित्य, कला तथा संगीत के रसिक लाभान्वित होंगे। विमोचन कार्यक्रम में डा. आलोक कुमार सिंह, सुयश सिन्हा, ममता सिंह सहित तमाम शिक्षक मौजूद रहे।

जरूरतमंद और गरीब असहायों में कंबल वितरण

जरूरतमंद और गरीब असहायों में कंबल वितरण करते समाजसेवी। ● अमृत विचार

संवाददाता, मीरानपुर कटरा

अमृत विचार : बढ़ती ठंड को देखते हुए जरूरतमंद और गरीब असहाय लोगों की मदद के उद्देश्य से नेकी की दीवार अभियान के अंतर्गत कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्थानीय नागरिकों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। आयोजकों ने बताया कि नेकी की दीवार का उद्देश्य समाज के सक्षम वर्ग को जरूरतमंदों से जोड़ना है, ताकि कोई भी व्यक्ति ठंड, भूख या अभाव के कारण परेशान न हो। इस मौके पर संयोजक प्रकाश गंगवार, मोहित गुप्ता, दानिश जीशान खां, ओम गुप्ता, गौरव सागर, राजीव गंगवार, अभिषेक आनंद उर्फ राजा, सर्वेश कश्यप, मुनेश शर्मा, संतोष गंगवार आदि मौजूद रहे।

सांसद खेल स्पर्धा शुरू, जीत के लिए खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

फीता काटकर उद्घाटन करते सांसद अरुण सागर, साथ में डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह।

विजेता छात्रा को पुरस्कार देते अतिथि। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिला खेल कार्यालय एवं जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति शाहजहांपुर के संयुक्त तत्वावधान में डा. सुदामा प्रसाद विद्यास्थली में सांसद खेल स्पर्धा का आयोजन किया गया। पहले दिन मुख्य अतिथि सांसद अरुण कुमार सागर, भाजपा महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह, जिला विकास अधिकारी ऋषिपाल सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी सुरेंद्र पाल बामनिया, संजय गुप्ता आदि ने सामूहिक रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर एवं फीता काटकर व गुब्बारे उड़ाकर तथा खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर विधिवत्त प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

इस दौरान सांसद ने सभी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। सांसद ने कहा कि सांसद खेल स्पर्धा का मकसद है, सभी सांसदों द्वारा अपने संसदीय क्षेत्रों में युवाओं को खेलकूद के लिए प्रोत्साहित करने, प्रतिभाओं को निखारने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर का खेल आयोजन है, जिसमें पारंपरिक और आधुनिक खेलों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी शामिल किया जाता है, जिसका उद्देश्य अनुशासन, टीम वर्क और समग्र व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना है। सांसद ने लोगो से अपील की है कि इसमें 18 वर्ष से कम, 18-40 वर्ष और 40 वर्ष से अधिक आयु के महिला और पुरुष प्रतिभागी भाग ले सकते हैं।

दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतियोगी। ● अमृत विचार

उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खिलाड़ियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इन योजनाओं को शुरू किया है। इस अवसर पर पंकज सक्सेना, अजय पाल वर्मा, मुजाहिद अली, शकील अहमद, निशांत चौधरी ,इरफान खान, अनूप कुमार मिश्रा, सौरभ सक्सेना, सुशील भारती, निर्भय सिंह, सुनील कुमार, राहुल तोमर, दीपक वर्मा, राजकिशोर, अशोक कुमार, अरुण कुमार, सत्येंद्र सिंह, शुभम सिंह, राहुल उपाध्याय, अनुराग, इंद्रजीत लोधी, मोहित सिन्हा आदि मौजूद रहे। युवा कल्याण विभाग से महिला युवक मंगल दल का विशेष सहयोग रहा।

इन प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

आज की प्रतियोगिताओं में सौ मीटर दौड़ 200 मीटर दौड़, 800 मीटर दौड़, डिस्कस थ्रो, भाला फेंक, लांग जम्प, वेट लिफ्टिंग आदि थीं। इनमें 150 छात्र छात्राओं ने दमखम दिखाया। विजेताओं को अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान कर उत्साह वर्धन किया। 1500 मीटर दौड़ में आयुष दीक्षित प्रथम, 400 मीटर दौड़ में रविप्रताप सिंह प्रथम, 100 मीटर दौड़ में गुरूपाल सिंह प्रथम, 200 मीटर दौड़ में आयुष प्रथम, 100 मीटर दौड़ में आशीष प्रथम, जूनियर जूडो बालिका में मान्या सिंह व विभु सिंह प्रथम रहे।

न्यूज ब्रीफ

बाइक की टक्कर से दो घायल

कलान, अमृत विचार : स्टेट हाईवे मुरादाबाद फर्रुखाबाद पर थाना क्षेत्र के ग्राम सेठा निवासी जयपाल गौतम बुधवार रात 7 बजे ई-रिक्शा के इंतजार में कोल्ड स्टोर के पास फुटपाथ पर खड़ा था। उसी समय उसावा की तरफ से आ रहे थाना क्षेत्र के ग्राम वजीरगंज निवासी सर्वेश यादव की बाइक जयपाल गौतम से टकरा गई। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल एंबुलेंस के माध्यम से पीएचसी पर लाया गया। जहां दोनों का इलाज किया गया।

दो मकानों से नकदी समेत जेवर चोरी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : अल्हागंज थाना क्षेत्र के गांव ब्रहागौटिया निवासी वीर बहादुर और राम लखन ने बताया कि 06 जनवरी की रात में चोरों ने उनके मकान का ताला तोड़ दिया। चोर अवनीश के घर से दो गैस सिलेंडर, एक एलसीडी, एक जोड़ी पायल, सोने की झुमकी, एक फ्रिज, बर्तन आदि सामान चुराकर ले गए। रामलखन के घर से चोर सोने के कुंडल, चेन, मंगलसूत्र, दो जोड़ी पायल, एलसीडी आदि सामान ले गए है। दोनों ने थाना पर तहरीर दे दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घर के बाहर से ई-रिक्शा चोरी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : चौक कोतवाली के मोहल्ला जियाखेल निवासी महेंद्र गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि उसने तीन माह पहले ई-रिक्शा खरीदा था। उसने 15 दिन पूर्व ई-रिक्शा घर के बाहर रात में खड़ा कर दिया था। वह अगले दिन उठा तो ई-रिक्शा गायब था। वह ई-रिक्शा की तलाश करता रहा और नहीं मिला। पुलिस ने ई-रिक्शा चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

किशोरी की गुमशुदगी दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के गांव गुवारी निवासी वेदपाल ने थाना पर गुमशुदगी दर्ज करायी है कि उसकी 13 वर्षीय बहन चमेली 13 जनवरी की रात एक बजे से लापता है। उसको रिश्तेदारी में तलाश किया और पता नहीं चला। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करके सभी थानों को सूचना कर दी है।

पाक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार के कार्यवाहक प्रभारी विनोद कुमार यादव ने बताया कि अभियुक्त मोहम्मद शाहजेब निवासी शांतिपुरम कॉलोनी थाना सदर बाजार 27 दिसंबर को एक किशोरी को अगवा करके ले गया था। किशोरी को जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने किशोरी को बरामद कर लिया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चालान कर दिया।

कटरा में हो रहा अवैध खनन कारोबार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कटरा थाना क्षेत्र में अवैध खनन हो रहा है। स्थानीय लोगों ने कई बार पुलिस से शिकायत की, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। लोगों ने बताया कि सिउरा से प्रतिदिन दर्जनों ट्राली मिट्टी खनन करके ले जायी जाती है। कई बार लोगों ने अधिकारियों को भी बताया, लेकिन ध्यान नहीं दिया गया। इससे लोगों में रोष व्याप्त है।

घायल अवस्था में मिले युवक की मौत, हत्या की आशंका

युवक के सिर और सीने में चोट के निशान, ईदगाह के पास घायल हालात में मिला था सचिव मिश्रा

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार : ईदगाह के पास बुधवार रात नौ बजे खेत में एक युवक घायल अवस्था में पड़ा था। सूचना पर परिजन घायल युवक को शाहजहांपुर इलाज कराने जा रहे थे। रास्ते में उसकी मौत हो गई। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई और पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

मृतक सचिव मिश्रा।

गांव सिल्हुआ निवासी राकेश मिश्रा ने पुलिस को बताया कि 14 जनवरी की शाम करीब पांच बजे उसका बेटा सचिव मिश्रा (34) बाइक लेकर खुटार गया था। रात लगभग 10 बजे गांव में ही रह रहे उनके दामाद मुदित के पास गांव के ही रहने ही संजय वाजपेयी का फोन आया कि सचिव मिश्रा खून से लथपथ बंडा रोड से सिल्हुआ जाने वाले मार्ग पर ईदगाह के पास पड़ा है। दामाद की सूचना पर उनकी बेटी राधा, बहू नैंसी देवी, गांव के सुबोध अपनी गाड़ी से मौके पर पहुंचे और खून से लथपथ सचिव मिश्रा को खुटार के निजी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने हालत गंभीर देख बाहर ले जाने की सलाह दी। रात लगभग बारह बजे इलाज को शाहजहांपुर ले जाते समय घायल सचिव मिश्रा ने दम तोड़ दिया। उधर, परिजनों ने बताया कि सचिव मिश्रा के शरीर पर कई जगह गंभीर चोटें लगी है। सिर में गहरी चोट है और सीने पर भी किसी चीज से हमला किया गया है। जिसका निशान है। इससे सचिव मिश्रा की हत्या की आशंका जताई जा रही है। जबकि घटनास्थल से करीब एक किमी दूर सिल्हुआ जाने वाले रोड पर चूड़ीवाली बगिया व पुलिया के पास गांव रुजहा कलां निवासी बालक राम के खेत में बाइक मिली है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सचिव मिश्रा की पत्नी नैंसी देवी, पिता राकेश मिश्रा, माता मीना देवी, भाई अर्पित मिश्रा, बहन राधा व अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना की जानकारी करते थानाध्यक्ष श्यामवीर सिंह। ● अमृत विचार

रोते विलखते सचिव मिश्रा के परिजन। ● अमृत विचार

झाड़ियों में मिली बाइक, एक किमी दूर आखिर कैसे पहुंचा घायल सचिव

सचिव मिश्रा की मौत को लेकर तमाम सवाल लोगों के मन में खटक रहे है। लोगों ने कहा कि झाड़ियों में बालक राम के खेत के पास उसकी बाइक मिली है और एक किमी दूर बंडा रोड किनारे कुछ दूर खेत में सचिव मिश्रा घायल अवस्था में पड़ा मिला। इस बात को लेकर लोगों के मन में सवाल उठ रहा है। आखिर विवाद कहा हुआ और किस बात पर हुआ, किससे हुआ, वजह क्या हुई जो यह तक विवाद पहुंच गया। ऐसे कई सवाल लोगों को संशय में डाल रहे है।

मोबाइल से खुल सकता है हत्या का राज

सचिव मिश्रा के पास मोबाइल फोन बरामद हुआ है। इससे पुलिस हत्यारोपी तक पहुंच सकती है। मोबाइल फोन में किसे कॉल की और कितने समय बात की। यह सब रिकॉर्ड में आ गया होगा। साथ ही कितनी बार किसे फोन लगाया और बुलाया। यह हकीकत पुलिस की छानबीन में उजागर हो सकेगी। हालांकि, पुलिस हर तथ्यों पर बखूबी से जांच कर रही है।

घर में भाई की शादी की चल रही थी तैयारी

मृतक के घर में छोटे भाई अर्पित मिश्रा की शादी की तैयारियां चल रही थी। बुधवार को ही मृतक के परिजन अर्पित मिश्रा की शादी के लिए लड़की देखने गए थे। शादी की तारीख तय होना बाकी थी। घर में सभी खुशियां मना रहे थे। अचानक इस हादसे ने खुशियां मातम में बदल दी।

तीन घंटे में तीन तहरीर बदली, शाम को पोस्टमार्टम भेजा गया शव

खुटार। घटना की सूचना पर थाना प्रभारी श्यामवीर सिंह गांव पहुंचे और परिजनों से जानकारी जुटाई। घटनास्थल का मौका मुआयना किया। परिजनों के अनुसार, पुलिस इस घटना को सड़क हादसे से जोड़ रही थी। इस बात पर गुत्थी उलझी रही। बाद में दिन में ग्यारह बजे परिजन थाने पहुंचे तो तहरीर दी। पुलिस ने हत्या की बात को हटा लेने को कहती रही। फिर तहरीर बदलवाई गई। बाद में दूसरी तहरीर बदलवाई। फिर कुछ शब्दों को हटाने को लेकर बात आ गई। यह दौर चलता रहा। ऐसे में तीन घंटे गुजर गए। करीब ढाई बजे परिजन घर लौट सके। बाद में शाम को पंचनामा भरकर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेजा।

छह माह की बेटी के सिर से उठा पिता का साया

सचिव मिश्रा की एक छह माह की बेटी मन्नत है। शादी को कुछ ही साल हुए थे। वह मजदूरी करता था। इससे परिवार का खर्च चलता था। पिता राकेश मिश्रा खेती करते है। भाई अर्पित हरिद्वार में एक कंपनी में काम करता है। बुधवार रात को सचिव मिश्रा की मौत हो गई। इससे बेटी के सिर से पिता का साया और पत्नी का सुहाग उजड़ गया। माता-पिता का बेटा, भाई का भाई छोड़कर चला गया।

भाई बोला, सचिव ने विवाद की दी थी जानकारी, बाद में नहीं लगा था फोन

अर्पित मिश्रा से फोन पर संपर्क किया गया। उसने बताया कि भाई सचिव ने बुधवार शाम 6:34 बजे फोन किया और विवाद हो गया है। ऐसी बात कह रहे थे। अर्पित ने परिजनों को भेजने की बात कही थी। तभी अर्पित का सचिव के बीच संपर्क टूट गया। करीब ढाई घंटे बाद उसे हादसे की सूचना मिल गई। अर्पित के मुताबिक, खुटार निवासी एक युवक ने उसके भाई के साथ विवाद कर हत्या की है। उसका नाम भी पुलिस को बताया गया और कार्रवाई की मांग की गई है।

> पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।
>
> **-श्यामवीर सिंह**, थानाध्यक्ष खुटार

महिला सिपाहियों को सरेआम बुरी नीयत से दबोचा

- आरोपी युवक हिरासत में, मुकदमा दर्ज
- मौके पर लोगों ने शोहदे को जमकर धुना

तिलहर, अमृत विचार : महिला सशक्तिकरण को लेकर जागरूक करने वाली महिला सिपाहियों से सरे बाजार एक युवक ने छेड़छाड़ कर बुरी नीयत से पकड़ लिया, जिससे बाजार में हड़कंप मच गया। महिला सिपाहियों ने युवक को पकड़कर उसकी जमकर धुनाई कर दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को हिरासत में ले लिया।

बुधवार की शाम लगभग 6:30 बजे दोनों महिला सिपाही बाजार से पैदल जा रही थी। रास्ते में बिरियागंज मुख्य बाजार में एक युवक आया। युवक ने महिला सिपाहियों से छेड़छाड़ करते हुए उन्हें बुरी नीयत से पकड़ लिया। इससे बाजार में हड़कंप मच गया और महिला सिपाहियों ने युवक को पकड़कर उसकी जमकर धुनाई लगा दी। महिला सिपाहियों ने इसकी जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया। देर रात सीओ ज्योति यादव ने कोतवाली पहुंचकर महिला सिपाहियों से घटना की जानकारी ली। उधर, कोतवाल जुगल किशोर पाल ने बताया कि मामले में महिला सिपाहियों की ओर से मुकदमा पंजीकृत कराया जाएगा।

विदेश भेजने के नाम पर लाखों की ठगी

संवाददाता, तिलहर

- रुपये लेने के बाद आरोपी ने कहा एजेंट भाग गया
- युवक ने पुलिस को तहरीर देकर की कार्रवाई की मांग

अमृत विचार : विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवक से डेढ़ लाख रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। नगर के मोहल्ला निजामगंज निवासी शोएब ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उसके एक रिश्तेदार ने उसे विश्वास में लेकर विदेश भेजने का लालच दिया। आरोपी ने दावा किया कि उसकी दिल्ली में अच्छी पहचान है और वह उसे रूस भेजकर अच्छी नौकरी लगवा देगा। इसी भरोसे में लेकर वीजा व अन्य कागजी कार्यवाही के नाम पर दो बार में डेढ़ लाख रुपये ले लिए। पीड़ित के अनुसार, आरोपी रिश्तेदार ने दो बार मेडिकल चेकअप भी कराया और बीती 23 नवंबर 2025 को व्हाट्सएप के माध्यम से रूस की राजधानी मास्को जाने का एयर टिकट भी भेजा।आरोपी पीड़ित को अपने साथ दिल्ली ले गया जहां उसे यह कहकर गुमराह किया गया कि जिस एजेंट के माध्यम से काम कराया जा रहा था वह फरार हो गया है। इसके बाद रिश्तेदार युवक ने पीड़ित को दिल्ली से तिलहर वापस ले आया।

जब पीड़ित ने अपने रुपए वापस मांगे तो आरोपी टालमटोल करता रहा और बाद में साफ तौर पर रुपये लौटाने से इंकार कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी रिश्तेदार उसे लगातार फोन कर धमकी दे रहा है। कोतवाल जुगल किशोर पाल बताया कि घटना मेरे संज्ञान में नहीं है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

ट्राली से टकरा कर कार क्षतिग्रस्त

पुवायां, अमृत विचार: गुरुवार सुबह घने कोहरे के चलते एक सड़क हादसे में ग्राम प्रधान की कार ट्राली से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के गांव बालेमऊ के ग्राम प्रधान हरवंश अपने परिवार के साथ लखनऊ जा रहे थे। इसी दौरान मोहम्मदी रोड पर गांव मुकीमपुर के पास अचानक एक ट्रैक्टर सड़क पर आ गया। कोहरे के कारण ट्रैक्टर दिखाई नहीं दिया और प्रधान की कार उसकी ट्राली से टकरा गई, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

आरोपियों से पूछताछ के बाद भी खुलासा नहीं

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- अभिषेक हत्याकांड के खुलासे के लिए दो टीमें लगी

अमृत विचार: रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के मोहल्ला फत्तेपुर रेती निवासी सुमन ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 19 दिसंबर को रौजा क्षेत्र में एक खोखे में जली अवस्था में एक शव बरामद हुआ था।

शव के पास मिले कड़े को देखकर उन्होंने शव को पुत्र अभिषेक का बताया था।15 फरवरी 21 को आरसी मिशन पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की थी। इसके बाद शव की पहचान के लिए सुमन और उनके पति रामौतार यादव की डीएनए जांच के लिए सैंपल लिए गए। रिपोर्ट में शव अभिषेक यादव के होने की पुष्टि हुई थी। रामचंद्र मिशन पुलिस ने 13 जनवरी को नईम और राजू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। मृतक की मां सुमन का आरोप था कि उसके बेटे को मोहल्ले के शानू के भाई के साथ रोजा क्षेत्र में एक ढाबा पर खाना खाने के लिए गया था। जहां उसके बेटे का बोलेरो चालक नईम और राजू से विवाद हो गया था। उसका आरोप है कि उसके बेटे की हत्या करके खोखे में डालने के बाद जला दिया था। पुलिस ने नामजद आरोपियों और संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस तीन दिन बाद भी हत्या की वजह नहीं जान सकी है। घटना के खुलासे के लिए दो टीमें लगी हुई है। इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि आरोपियों और संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जा रही है और घटना का शीघ्र खुलासा होगा। सीओ सिटी पंकज पंत ने बताया कि रोजा क्षेत्र में खोखे में एक अधजला शव मिला था। डीएनए की रिपोर्ट और अधजले कपड़े से अभिषेक यादव के शव की शिनाख्त की गयी थी। दो लोगों के खिलाफ हत्या आदि की धारा में मुकदमा दर्ज कराया गया है। खुलासे के लिए दो टीमें गठित की गयी है।

मकान पर कब्जा दिलाये जाने की लगाई गई गुहार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- न्यायालय के आदेश का पालन नहीं कराने का आरोप

अमृत विचार: थाना रामचंद्र मिशन क्षेत्र के मोहल्ला चमकनी गाड़ीपुरा निवासी खुशीराम वैश्य ने बताया कि उनका एक मकान मोहल्ले में और है। इसे कब्जा मुक्त कराने के लिए एडीएम न्यायिक की कोर्ट में वाद दायर किया था। जिस पर 26 अप्रैल को कब्जा मुक्त कराए जाने का आदेश जारी हुआ था। आरोप है कि इसका अनुपालन नहीं कराया गया।

इसके बाद पुनः 29 जुलाई को आदेश जारी किया गया। इस पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। फिर खुशीराम ने न्यायालय की शरण ली। 13 नवंबर 25 को न्यायालय से भी आदेश जारी किए गए। इसके बाद प्रशासन ने 13 जनवरी को नायब तहसीलदार निवेदिता ठाकुर के नेतृत्व पुलिस और राजस्व की टीम गठित की। टीम ने कब्जा मुक्त कराकर विपक्षियों का सामान वापस बाहर निकलवा दिया। फिर कुछ ही देर बाद पुनः चाभी विपक्षियों को सौंप दी। उन्होंने मुख्यमंत्री से मामले की जांच कराकर कब्जा दिलाये जाने की मांग की है।

दुर्घटनाओं में चालक समेत दो की मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- कांट क्षेत्र में हुए दोनों सड़क हादसे,एक घायल

अमृत विचार: कांट क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं में ट्रैक्टर-ट्राली चालक समेत दो लोगों की मौत हो गयी और एक घायल हो गया। ददरौल मोड़ पर ट्रक और बाइक में टक्कर हो गयी और बाइक पर सवार दो लोग घायल हो गए। घायलों में एक युवक की अस्पताल में मौत हो गयी। जलालाबाद-कांट रोड पर ट्रैक्टर-ट्राली डिवाइडर से टकराकर पलट गयी, जिससे चालक की मौत हो गयी।

कांट थाना क्षेत्र के गांव अकर्रा रसूलपुर निवासी 30 वर्षीय सुमेंद्र और गांव की ही 19 वर्षीय गौरव जमौर में स्थित पेपर मिल में काम करते है। गुरुवार की सुबह दोनों लोग काम करने के बाद बाइक से अपने गांव जा रहे थे। ददरौल मोड़ के निकट ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों लोग घायल हो गए। सूचना पर कांट पुलिस और परिवार वाले मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को मेडिकल कॉलेज भेज दिया। जहां सुमेंद्र की इलाज के दौरान मौत हो गयी। गौरव का उपचार चल रहा है। इधर सदर बाजार थाना क्षेत्र के गांव चिनौर निवासी 55 वर्षीय सियानंद बुधवार की रात दस बजे जलालाबाद से ट्रैक्टर-ट्राली लेकर शहर की ओर आ रहा था। कांट-जलालाबाद रोड पर जमुनिया गांव के सामने ट्रैक्टर-ट्राली डिवाइडर से टकराकर पलट गया, जिससे चालक सियानंद घायल हो गया।

घायल चालक को मेडिकल कालेज लाया गया। जहां इलाज के दौरान चालक की देर रात मौत हो गयी। मौत की खबर से दोनों के परिवार में रोना पीटना मच गया। प्रभारी निरीक्षक राकेश मौर्य ने बताया कि दोनों घटनाओं की तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुत्र वधू समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट

शाहजहांपुर, अमृत विचार: सदर बाजार थाना के मोहल्ला महमंद हद्दफ निवासी बशीर अहमद ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसके पुत्र वली अहमद का निकाह चार साल पहले चांदनी निवासी चौक आला खां के साथ हुआ था।

उसकी पुत्र वधू अपने मायके जाने के लिए बराबर दवाब बनाती रही। आरोप है कि उसकी पुत्र वधू का भाई जुआरी, शराबी, सटोरिया एवं झगड़ालू है। उसको जाने से मना कर दिया। चांदनी उसके बेटे को लेकर अलग रहने लगी। कुछ माह बाद चांदनी उसके बेटे के पास से भाग गयी। उसके बेटे को डराने और धमकाने लगी। उसके बेटे को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने लगी। उसका बेटा डिप्रेशन में आकर बीमार हो गया और हार्ट अटैक से मौत हो गयी। एक माह से उसके परिवार वालों को धमकी दे रही है। आरोप है कि बुधवार को दिन में 11 बजे चांदनी अपने रिश्तेदारों के साथ उसके दरवाजे पर आयी और गाली देने लगी। घर के अंदर रखा सामान फेंकने लगी। चांदनी और अन्य लोग जान से मारने की धमकी देकर चले गए। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पुत्र वधू समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

दो चोर दबोचे, पांच मोबाइल बरामद

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: रोजा क्षेत्र में झपट्टा मारकर मोबाइल छीनने के मामले में पुलिस ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से पांच मोबाइल और घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद कर ली है।

रोजा पुलिस ने अटसलिया अंडरपास के पास से दो मोबाइल चोरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी अजमल निवासी हयातपुरा चौक कोतवाली और फैजान निवासी बाबू जई चौक कोतवाली है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से चोरी के पांच मोबाइल और घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद कर ली है। टीम में प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार, उप निरीक्षक अभिषेक, शंभू दयाल भार्गव आदि थे। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

पुलिस हिरासत में पकड़े गए मोबाइल चोर। ● अमृत विचार

रिकवरी एजेंट से पूछताछ के बाद हिदायत देकर छोड़ा

शाहजहांपुर, अमृत विचार: नेशनल हाईवे पर फाइनेंस रिकवरी एजेंटों के जबरन वाहन छीने जाने के मामले में पुलिस ने फाइनेंस रिकवरी एजेंट को अजीजगंज पुलिस चौकी बुलाकर पूछताछ की।

जनपद बिजनौर के कस्बा व थाना नहटौर निवासी इरशाद अहमद ने उच्चाधिकारियों को दिए पत्र में बताया था कि 13 दिसंबर को उनकी गाड़ी माल उतारकर वापस जा रहे थे। गाड़ी को चालक आकिफ हसन चला रहा था। तभी नेशनल हाईवे पर फाइनेंस रिकवरी एजेंटों ने गाड़ी को रोक लिया और चालक से अभद्रता करते हुए गाड़ी छीन ली। चौक कोतवाली इलाके के मौजमपुर स्थित यार्ड में ले जाकर खड़ी कर दी। इरशाद के मुताबिक उनकी केवल एक ही किश्त टूटी थी। जबकि तीन किस्तों के टूटने के बाद ही गाड़ी जब्त किए जाने का नियम है। हालांकि बाद में इरशाद ने जैसे तैसे गाड़ी छुड़ा ली थी। मामले की जांच कर रहे अजीजगंज चौकी प्रभारी सुशील कुमार ने आरोपी फाइनेंस रिकवरी एजेंट को चौकी बुलाकर पूछताछ की। उन्होंने दिए गए नोटिस तलब किए। चौकी प्रभारी ने बताया कि फाइनेंस रिकवरी एजेंटों को सख्त हिदायत दी गई है कि किसी से जबरन गाड़ी न छीनी जाए।

सिपाही का पकड़ा गिरेबान, दी धमकी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- बाइक सवार से पूछताछ कर रहा था, आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट
- पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है

अमृत विचार: जरियनपुर तिराहे पर ड्यूटी पर तैनात सिपाही एक बाइक सवार को रोककर पूछताछ कर रहा था। ढाबा से एक युवक आया और सिपाही का गिरेबान पकड़कर जान से मारने की धमकी दी। आरोपी अपने साथी की बाइक पर बैठकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मिर्जापुर थाना मे तैनात सिपाही सौरभ यादव ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि 12 जनवरी की रात में जरियनपुर तिराहे पर ड्यूटी पर तैनात था। रात में एक बजे जरियनपुर तिराहे पर एक बाइक सवार को संदिग्ध मानकर रोका। सिपाही उसकी तलाशी लेकर पूछताछ कर रहा था।

तिराहे पर स्थित न्यू शिव ढाबा पर रहने वाला अजीत आया और सिपाही को गाली देने लगा। आरोपी ने सिपाही से कहा कि इनको रोककर चेक करने की हिम्मत कैसे हुई। आरोपी ने सिपाही से कहा कि जानते नहीं हो, खड़े-खड़े नौकरी से निकलवा सकता हूं और नौकरी करना सिखा दूंगा। सिपाही आरोपी का वीडियो बनाने लगा तो आरोपी सिपाही का मोबाइल छीनने का प्रयास किया। आरोपी शराब के नशे में था और वर्दी का गिरेबान पकड़कर खींचने लगा। बाइक पर बैठकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। आरोपी दूसरे युवक की बाइक पर बैठकर भाग गया। आरोपी ने सरकारी कार्य में बाधा डाली। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी अजीत के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

बाइक की टक्कर से वृद्धा की मौत

गजरौला, अमृत विचार : गजरौला थाना क्षेत्र ग्राम बकैनिया निवासी 65 वर्षीय रामकली पत्नी बाबूराम गुरुवार शाम करीब पांच बजे सड़क करे किनारे खड़ी थीं। इस बीच सुहास की तरफ से आ रहे बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। जिसमें महिला गंभीर रुप से घायल हो गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कुछदेर में भीड़ जमा हो गई। परिवार वाले भी आ गए। सूचना पुलिस को दी गई। बाइक छोड़कर उसका चालक भाग गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसओ ब्रजवीर सिंह ने बताया कि बाइक को कब्जे में ले लिया है। बाइक नंबर के आधार पर चालक का पता लगाया जा रहा है।

रंजिशन दो पक्षों में मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार : ग्राम भसूड़ा में पुरानी रंजिश में दो पक्षों में मारपीट हो गई। एक पक्ष से ग्राम भसूड़ा निवासी अनीस अहमद ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि 14 जनवरी को दोपहर 12 बजे पुरानी रंजिश के चलते गांव के जीशान, रुखसाद, अशफाक, अबरार, इकबाल, निसार, निसाम, इशाक, रज्जाक ने हमला कर दिया। बांके से वार कर नफीस और यासीन को घायल कर दिया। जिनका जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। उधर, दूसरे पक्ष से रुखसाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह बाइक से अगौला लेने जा रहा था। आरोपी अनीस, इशितयाक, नफीस मोहम्मद आसीन और एहसान ने हमला कर दिया। पुलिस क्रॉस रिपोर्ट दर्जकर जांच कर रही है।

आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया मकर संक्रांति का पर्व

जगह-जगह शिविर लगाकर किया गया खिचड़ी, तहेरी और पूड़ी-सब्जी का वितरण, लोगों ने जरूरतमंदों को वितरित किए कंबल और दिया दान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : गुरुवार को मकर संक्रांति का पर्व पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर शिविर लगाकर खिचड़ी, तहरी और पूड़ी-सब्जी का वितरण किया गया। मकर संक्रांति एक बड़ा पर्व है, मकर संक्रांति पर सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। इसलिए इस त्यौहार के नाम में मकर'' शब्द है। संक्रांति शब्द सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करने का प्रतीक है। इस दिन ब्राह्मणों और जरूरतमंद लोगों को दान दिया जाता है, जिससे उनका आशीर्वाद मिले और घर में सुख शांति और समृद्धि बनी रहे।

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना भावलखेड़ा के निवाजपुर पहुंचे, जहां उन्होंने एक भंडारे में राहगीरों को पूड़ी-सब्जी परोसी। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। पर्व के दौरान कई अन्य स्थानों पर भी वितरण शिविर लगाए गए। श्री बरम बाबा सेवा समिति ने बरम बाबा मंदिर में सुंदरकांड का पाठ आयोजित किया, जिसके बाद एक विशाल भंडारे में खिचड़ी वितरित की गई। पार्षद पति अरुण सिंह की ओर से निवाजपुर में आयोजित भंडारे में पूर्व चेयरमैन अजय कुमार गुप्ता, अनिल सिंह, ध्रुव सिंह, चंद्रोदय सिंह और प्रेम सिंह शामिल थे। रोजा अड्डे पर तेहरी वितरण कार्यक्रम में सुशील शुक्ला, नीरज पांडेय, अवधेश मिश्रा, विनीत शुक्ला आदि थे।

सिसैया में विशाल खिचड़ी भोज: सिसैया ग्राम पंचायत में मकर संक्रांति के अवसर पर विशाल खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। यह आयोजन जगदीश सिंह चौहान के विद्यालय प्रांगण में हुआ। इसमें शाहजहांपुर-पीलीभीत के एमएलसी डॉ. सुधीर गुप्ता और तिलहर विधायक सलोना कुशवाहा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर आरएसएस के जिला प्रचारक अभिनव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख अनुराग सिंह, रंजीत सिंह, सौरभ सोमवंशी, ब्रज क्षेत्रीय मंत्री अवनीश शर्मा, जिवेन्द्र गुप्ता, सत्येंद्र सक्सेना रहे।

पार्षद ने कराया खिचड़ी भोज का भंडारा : मकर संक्रांति पर वार्ड नंबर 30 जलालनगर बाहर चुंगी निगोही रोड पर पार्षद रीता राठौर ने खिचड़ी भोज व पूड़ी-सब्जी का भंडारा आयोजित किया। भंडारे में शैलेंद्र सक्सेना, जगदीश राठौर, हकीम पिंकू प्रजापति, ओमकार सक्सेना ने सहयोग किया।

खिचड़ी, तेहरी और पूड़ी-सब्जी का वितरण करते वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना।

छोटी सब्जी मंडी में खिचड़ी वितरण करते लायंस क्लब की महिला पदाधिकारी।

पार्षद रीता राठौर की ओर से खिचड़ी भोज में शामिल राहगीर। ● अमृत विचार

छोटी सब्जी मंडी में भंडारा का किया गया आयोजन

लायन क्लब शाहजहांपुर शक्ति की ओर से फूड फॉर हंगर के अंतर्गत मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में छोटी सब्जी मंडी के पास दोपहर 12 बजे से लेकर देर शाम तक भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में स्थानीय बाजार के दुकानदारों, राहगीरों व क्लब के सदस्यों ने प्रसाद ग्रहण कर एक दूसरे को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी। साथ ही क्लब ने सैकड़ों लोगों को सूखी खिचड़ी भी वितरित की। आयोजन में अध्यक्ष लायन ललिता यादव, सचिव लायन गुरमीत कौर, चार्टर अध्यक्ष लायन गुरजीत कौर, लायन शुभांगी गुप्ता, लायन विम्मी गुप्ता, लायन मनजीत कौर, लायन दुर्गा, इला यादव, सुमन गुप्ता आदि मौजूद रहे।

5 मिशन स्कूल के पास खिचड़ी का वितरण

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शाहजहांपुर महानगर इकाई ने स्वामी विवेकानंद जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) के उपलक्ष्य में मकर संक्रांति पर एसएफएस आयाम के तहत मिशन स्कूल के पास तहरी का वितरण किया गया। लोगों ने तहरी का आनंद लिया।कार्यक्रम में विभाग संगठन मंत्री राहुल गंगवार, महानगर मंत्री आयुष श्रीवास्तव, जिला संगठन मंत्री संदीप सागर, जिला एसएफडी संयोजक वैभव सक्सेना, भानु प्रताप योगेश दीक्षित ,अन्नू, अनुज आदि थे।

मकर संक्रांति पर खिचड़ी भोज समरसता कार्यक्रम संपन्न

समरसता कार्यक्रम में प्रतिभाग करते संस्था के पदाधिकारी व स्थानीय लोग।

संवाददाता, पुवायां

अमृत विचार : एकल प्रमाण–एकल अभियान के अंतर्गत मकर संक्रांति पर संभाग ब्रजमंडल के रोहिलखंड अंचल अंतर्गत जेवा, नाहिल, बड़ागांव व पैना में खिचड़ी भोज समरसता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अंचल समिति सचिव ओमेंद्र सिंह, अंचल प्राथमिक शिक्षा प्रभारी मधुसूदन दीक्षित, खंड नगर विश्वजीत तथा संच समिति अध्यक्ष रवि शुक्ला ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर अंचल अभियान प्रमुख राजकुमार, अंचल कार्यालय प्रमुख अमित कुमार, अंचल प्रशिक्षण प्रमुख अमरजीत, संच प्रशिक्षक जीतूराम, जैसदेव, कमलेश, सूरज, आदित्य प्रताप सिंह, मयंक प्रताप सिंह सहित संच समिति के सदस्य, आचार्य उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति पर वितरित किए कंबल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री मायावती के 70 वें जन्मदिन को सहयोग दिवस के रूप में मनाते हुए मकर संक्रांति पर ग्राम प्रधान महेश चंद्र ने ग्राम पंचायत शाहबाजनगर में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेन्द्र पाल सिंह यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बहादुर लाल आजाद, प्रधान महेश चंद्र गौतम, रोमी आनन्द, रामेश्वर दयाल, डॉ अमरजीत सिंह, ,विंदरपाल, राशिद अंसारी, राम बिलास गोस्वामी, भाई लाल वर्मा, राम सेवक वर्मा ने वृद्धजनों, असहायों व ज़रूरतमंदो को कम्बल वितरित किए।

झरेखापुर और देवकली हाल्ट फिर बनेंगे स्टेशन

संवाददाता, लखीमपुर खीरी)

अमृत विचार: सीतापुर-मैलानी रेलखंड पर स्थित झरेखापुर और देवकली हाल्ट को एक बार फिर पूर्ण स्टेशन का दर्जा दिए जाने की कवायद शुरू हो गई है। इसके लिए रेलवे द्वारा करीब 36 करोड़ रुपये की टेंडर प्रक्रिया शुरू किए जाने की जानकारी गुरुवार को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुई, जिससे जिलेवासियों और यात्रियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। यदि यह योजना धरातल पर उतरती है तो इस रेलखंड पर ट्रेनों की क्रासिंग की लंबे समय से चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा।झरेखापुर और देवकली दोनों स्थानों पर तीन-तीन रेलवे लाइनें विकसित की जाएंगी। इससे अप और डाउन ट्रेनों के साथ-साथ मालगाड़ियों की क्रासिंग भी संभव हो सकेगी। वर्तमान में इस खंड पर ट्रेनों की क्रासिंग के लिए यात्रियों को लखीमपुर या गोला तक इंतजार करना पड़ता है।

वरुण-अर्जुन मेडिकल कॉलेज की ओर से लगाया गया स्वास्थ्य शिविर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा की ओर से ददरौल क्षेत्र के ग्राम सैंजना में गुरुवार 15 जनवरी 2026 को निशुल्क स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ ददरौल क्षेत्र के विधायक अरविन्द कुमार सिंह ने फीता काटकर किया। उन्होंने स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण करते हुए इस तरह के और शिविर अपनी विधानसभा क्षेत्र के अन्य स्थानों पर भी लगाए जाने का आग्रह किया।

उपचिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह ने कहा कि भविष्य में भी इस तरह के निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाए जाते रहेंगे ताकि सभी वर्गों के लोगों को लाभ मिल सके और जनमानस की सेवा हो। उन्होंने कहा कि नर सेवा नारायण सेवा के भाव से अस्पताल लगातार लोगों की सेवा करता रहेगा। शिविर के आयोजन में रामू शर्मा, रमन शर्मा और निर्दोष शर्मा का विशेष सहयोग रहा। स्वास्थ्य मेले में कुल 749 मरीजों ने पंजीकरण कराया, जिनमें 25 मरीजों में मोतियाबिंद पाया गया। इन सभी मरीजों का ऑपरेशन वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा में निशुल्क किया जाएगा। शिविर में 136 मरीजों की ब्लड शुगर जांच और लगभग 207 मरीजों की ब्लड प्रेशर जांच निशुल्क की गई। 710 मरीजों को निशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। इसके साथ ही एमआरआई, सीटी स्कैन और अन्य जांचों पर छूट के कूपन भी वितरित किए गए। स्वास्थ्य टीम और पीआरओ की ओर से लोगों को नियमित जांच कराने के लिए जागरूक किया गया और परिवार स्वास्थ्य कार्ड की जानकारी दी गई। बताया गया कि यह कार्ड अस्पताल की ओर से 200 रुपए में बनाया जाता है और एक वर्ष के लिए मान्य होता है।

परिवार स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से ओपीडी का पर्चा निशुल्क बनेगा, दवाइयों और सभी जांचों पर 20 प्रतिशत अतिरिक्त छूट मिलेगी तथा भर्ती होने पर भर्ती फाइल भी निशुल्क बनेगी। कार्ड धारकों को सामान्य ऑपरेशन में 25 प्रतिशत और खून की आवश्यकता होने पर 10 प्रतिशत की छूट मिलेगी। पीआरओ ने बताया कि अस्पताल में मरीजों के लिए मुफ्त भर्ती, मुफ्त पलंग, मुफ्त नर्सिंग केयर और मुफ्त चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा हर प्रकार के ऑपरेशन, सस्ती दवाइयां, आईसीयू, वेंटिलेटर, डायलिसिस, एमआरआई, सीटी स्कैन और अल्ट्रासाउंड की सुविधा 24 घंटे सस्ते दरों पर उपलब्ध है। निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में सामान्य रोग विभाग, नेत्र रोग विभाग, हड्डी रोग विभाग और दंत रोग विभाग के विशेषज्ञों की टीम में डॉ. प्रतीक पाटिल, डॉ. शुभांगी, डॉ. अवंतिका, डॉ. रऊफ, मेडिकल कॉलेज के पीआरओ विपिन शर्मा और पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहा।

निशुल्क स्वास्थ्य मेले में विधायक अरविंद सिंह का स्वागत करते वरुण-अर्जुन मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर व अन्य। ● अमृत विचार

- वरुण-अर्जुन मेडिकल कॉलेज की ओर से ददरौल क्षेत्र में आयोजन
- 25 मोतियाबिंद मरीजों का निशुल्क ऑपरेशन होगा।
- ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर जांच और दवाइयों का वितरण

तीन महिलाओं समेत छह लोगों पर मारपीट का आरोप

- दोनों पक्षों ने पुलिस से की शिकायत, दो लोगों का शांतिभंग में चालान

खुटार, अमृत विचार: गांव चमराबोझी में दो पक्षों में विवाद हो गया है। गुरुवार को पुलिस ने दो लोगों का शांतिभंग में चालान कर दिया है। क्षेत्र के गांव चमराबोझी निवासी स्वर्गीय सर्वेश कुमार की पत्नी अनीता देवी ने पुलिस को बताया कि बुधवार की शाम सात बजे वह अपने घर के बाहर राजवती, पवना देवी के साथ आग ताप रहे थे। आरोप है कि गांव के पांच लोग आये और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपी दरवाजे को पीटने लगे और जान से मारने की धमकी दी। प्रधान के पुत्र को झूठे मुकदमे में फंसाने का प्रयास कर रहे है। विवाद के समय प्रधान, उनका भाई, पुत्र मौके पर नहीं था। पीड़ित अनिता देवी ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। उधर, उसी गांव के कमलेश कुमार ने बताया था कि बुधवार रात साढ़े सात बजे वह घर पर मौजूद था। तभी पुरानी रंजिश को लेकर एक व्यक्ति अपने साथी और तीन महिलाओं के साथ घर में आकर गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर पिटाई कर दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की थी। बाद में 108 एंबुलेंस से उसे खुटार सीएचसी पर लाया गया था। इस मामले में पुलिस से शिकायत की गई थी।

मकर संक्रांति पर ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित हुए भंडारे

जलालाबाद में राहगीरों को खिचड़ी खिलाते व्यापारी। ● अमृत विचार

जलालाबाद, अमृत विचार : मकर संक्रांति का पर्व नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान कई स्थानों पर भंडारे का आयोजन किया गया। व्यापारियों ने मुख्य चौराहे पर तहसील रोड पर एवं जलालाबाद पुलिस ने कोला मोड़ पुलिस चौकी पर खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। वहीं, राष्ट्रीय बजरंग दल के नगर मंत्री पंकज गुप्ता ने तिल-गुड़ की गजक का वितरण किया। इस अवसर पर अनिल कुमार राय गुप्ता दीपू गुप्ता एवं शनि गुप्ता, सचिन ओमर आदि मौजूद रहे।

तिलहर: मकर संक्रांति के अवसर पर नगर क्षेत्र में जगह-जगह नागरिकों ने खिचड़ी भोज, पूरी सब्जी, चाय आदि का वितरण किया। गुरुवार को मकर संक्रांति की धूम दिखाई दी।

ग्राम कुर्रिया कलां में 8 इंटरलॉक मार्गों का लोकार्पण करते विधायक अरविंद सिंह।

तहरी भोज, कंबल वितरण के साथ किया लोकार्पण

कुर्रिया कलां, अमृत विचार : गांव में ददरैल विधायक अरविंद कुमार सिंह ने मकर संक्रांति के पावन अवसर पर ब्लॉक प्रमुख श्रीदत्त शुक्ला के कुर्रिया कलां स्थित आवास पर आयोजित तहरी भोज कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर विधायक ने गरीब एवं कमजोर वर्ग के लोगों के बीच कंबलों का वितरित किए। कार्यक्रम के उपरांत विधायक अरविंद कुमार सिंह ने ब्लॉक प्रमुख कांट द्वारा ग्राम कुर्रिया कलां में कराए गए 8 इंटरलॉक मार्गों का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मनोज मिश्रा मानु, प्रधान सुधांशु मिश्रा मोनू, पूर्व प्रधान पुष्पेंद्र सिंह, अमरदीप शुक्ला ,हरजीत चौहान ,अमित दीक्षित, निर्मल मिश्रा, ओम प्रकाश मिश्रा, प्रेम निवास शुक्ला मौजूद रहे।

व्यापारी संवाद 17 को होगा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : राज्य कर विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में 17 जनवरी 2026 को व्यापारी संवाद कार्यक्रम बनाए जाने का निर्णय लिया गया है। शाहजहांपुर में व्यापारी संवाद कार्यक्रम 17 जनवरी को ऑर्डिनेंस क्लब हाल, ओसीएफ में अपराह्न 3:00 बजे आयोजित किया जाएगा। जिसमें व्यापारिक गतिविधियों के प्रोत्साहन, पंजीयन बेस एवं राजस्व वृद्धि तथा जीएसटी सुधारों के प्रति जागरूकता के लिए उद्यमियों, करदाताओं, अधिवक्ता, चार्टर्ड अकाउंटेंट व अन्य स्टेट होल्डर के साथ राज्य कर विभाग के अधिकारियों द्वारा संवाद व विचार विमर्श किया जाएगा। यह जानकारी राज्य कर विभाग के अधिकारी ने दी है।

मनरेगा बचाओ अभियान को लेकर महिला कांग्रेस की बैठक

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : पुवायां विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक खुटार में महिला कांग्रेस की ब्लॉक अध्यक्ष वर्षा रानी के आवास पर मनरेगा बचाओ अभियान को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अर्चना कटारिया ने कहा कि मनरेगा योजना ग्रामीण महिलाओं और मजदूरों के लिए जीवनरेखा है, लेकिन वर्तमान सरकार की नीतियों के चलते यह योजना कमजोर की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मजदूरों को समय से काम और मजदूरी नहीं मिल रही, जिससे ग्रामीण परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं को बचाने के लिए संगठित होकर संघर्ष करें। बैठक में मौजूद महिलाओं ने भी अपने-अपने गांवों में रोजगार न मिलने, मजदूरी भुगतान में देरी और कार्यों में कटौती जैसी समस्याएं रखीं।इस अवसर पर महिला कांग्रेस की कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहीं। बैठक के माध्यम से सरकार तक मनरेगा से जुड़ी समस्याओं को पहुंचाने और आंदोलन को तेज करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान महानगर अध्यक्ष सीमा गौतम, सायरा बानो, तबस्सुम, सायरा, नसरीन, सीमा, राधा, शगुफ्ता, रानी, मोनी रहीं।

संबोधित करतीं जिलाध्यक्ष अर्चना कटारिया।

भाजपा ने सर्वेश को बनाया एलडीबी पुवायां का प्रत्याशी

पुवायां,अमृत विचार: सहकार भारती शाहजहांपुर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष एवं सहकारिता क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय वरिष्ठ को ऑपरेटर सर्वेश कुमार त्रिवेदी को भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम्य विकास बैंक (भूमि विकास बैंक) पुवायां के डायरेक्टर पद के लिए प्रत्याशी घोषित किया है। उनके प्रत्याशी बनने की घोषणा से सहकारिता जगत और पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है। इस दौरान उन्होंने वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, मंत्री जेपीएस राठौर, डीपीएस राठौर, एमएलसी सुधीर गुप्ता, सांसद राज्यसभा मिथलेश कुमार, इफको वाइस चेयरमैन बलवीर सिंह, जिलाध्यक्ष केसी मिश्रा, सांसद अरुण सागर, वीरेंद्र यादव, विधायक चेतराम, चेयरमैन संजय गुप्ता समेत पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

फरीद अकादमी ने झंडा क्लब को 48 रन से हराया

फरीद अकादमी के कप्तान को ट्रॉफी देते आयोजक। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : जीएफ कॉलेज क्रिकेट मैदान में चल रहे सूरज कांति मेमोरियल क्रिकेट लीग में आज के मैच में फरीद क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 30 ओवरों में 6 विकेट खोकर 198 रन बनाए। दूसरी पारी में झंडा की टीम 150 रन बनाकर आउट हो गई। मैच के अंपायर मोहित तथा अप्पू रहे।

स्कोरिंग मयंक ने की। कॉमेंटेटर की भूमिका में पंकज तिवारी रहे। टूर्नामेंट आयोजक अभय सिंह गुर्जर, मयंक शर्मा, फरीद खान, अभिषेक अवस्थी, मनीष सचदेवा समेत कई लोग मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

अश्लील हरकत करते तीन युवकों को पकड़ा

इस्लामनगर, अमृत विचार : इस्लामनगर थाने की डायल 112 पुलिस को एक व्यक्ति ने मोहनपुर के पास तीन युवकों को एक महिला के साथ कथित तौर पर अश्लील हरकत करने की शिकायत की। पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों युवकों को पकड़ लिया। महिला की सुरक्षा के मद्देनजर उसके परिजनों को सूचना दी और तीनों युवकों को थाना इस्लामनगर ले जाया गया। जहां चेतावनी देने के बाद उन्हें छोड़ दिया। तीनों युवक शराब के नशे में धुत बताए जा रहे हैं। लोगों ने इस तरह की घटना करने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जानलेवा हमले के दो आरोपी गिरफ्तार

बदायूं, अमृत विचार : जरीफनगर थाना पुलिस ने जानलेवा हमला करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक चाकू और एक छुरी बरामद हुई। दोनों को जेल भेजा गया है। कस्बा दहगवां निवासी मोहसिन और समीर पुत्र मोहम्मद नबी पर जानलेवा हमला समेत विभिन्न आरोप में मामला दर्ज है। गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दोनों के दहगवां से बागवाला जाने वाले मार्ग स्थित कृषि फार्म हाउस तिराहे से पकड़ लिया। उनके पास से बरामद हुई बुलेट को सीज किया गया है।

पूर्व राशन डीलर पर घपले का आरोप

बदायूं, अमृत विचार : जनपद विकास खंड अंबियापुर अंतर्गत ग्राम सतेती में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पूर्व सरकारी राशन डीलर द्वारा कार्यकाल के दौरान गरीब लाभार्थियों को जानबूझकर कम राशन दिए जाने का आरोप लगाते हुए शिकायत डीएम से की गई है। ग्राम सतेती निवासी अजीत सिंह ने जिलाधिकारी से शिकायत कर जांच की मांग की है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पूर्व राशन डीलर उमेश शर्मा एवं उनके पुत्र नवनीत शर्मा द्वारा किए गए कृत से ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। साथ ही प्रत्येक राशन कार्ड पर औसतन 5 से 6 किलोग्राम तक कम राशन दिया जाता रहा।

राजमार्ग पर खंती में गिरी कार, चार घायल

म्याऊं, अमृत विचार : मुरादाबाद-फर्रुखाबाद राजमार्ग स्थित कस्बा सखानू के पास एक कार अनियंत्रित होकर खंती में जा घुसी। जिससे कार सवार चार लोग घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर डायल 112 पुलिस पहुंची। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

कड़ाके की ठंड में जनजीवन अस्तव्यस्त, घरों में दुबके लोग

दिन भर अलाव के सामने बैठे रहे लोग, सुबह से छाया घना कोहरा, दृश्यता रही कम

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: मकर संक्रांति के पर्व पर सर्द मौसम से राहत नहीं मिली। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर मैदानी क्षेत्रों में साफ दिखाई दे रहा है। हाड़ कंपा देने वाली ठंड ने शहरवासियों को घरों में कैद कर दिया है। सुबह से ही सर्दी का कहर शुरू हो जाता है। सुबह से ही ठिठुरा देने वाली शीतलहर चलनी शुरू हो जाती है, जिसका क्रम रात तक में जारी रहता है। गुरुवार को सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा। दृश्यता शून्य रही। 50 मीटर तक दिखाई दे रहा था। रोड पर वाहनों के पहिए ठहर गए। 11 बजे के बाद कोहरे का असर कम हुआ। एक बजे के बाद धूप निकलनी। लेकिन बेअसर रही। शाम को फिर से गलन बढ़ गई। जिसके चलते जल्द ही रोड पर सन्नाटे वाली स्थित बन गई।

मौसम का मिजाज सख्त होने के चलते दिन में अधिकतम तापमान 21 और न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शीतलहर के चलते दिन और रात के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। सुबह और देर शाम कड़ाके की ठंड ने लोगों की दिनचर्या प्रभावित कर दी है। ठंडी हवाओं और कम धूप के कारण ठंड का असर और तेज हो गया है। कृषि विभाग के अधिकारियों की मानें तो पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों पर पड़ रहा हे। गुरुवार को मौसम का मिजाज और सख्त दिखाई दिया। शीतलहर के बीच सुबह से घना कोहरा छाया रहा। कोहरा इतना घना था कि 50 मीटर तक दिखाई नहीं दे रहा था। वातावरण में घना कोहरा छाए रहने की वजह से लोगों की दिनचर्या प्रभावित रही। सड़कों पर भी नौ बजे तक सन्नाटे की स्थिति बनी रही। करीब 11 बजे कोहरा हटने के बाद स्थिति सामान्य हुई। दोपहर बाद धूप खिली। लेकिन उसमें अन्य दिनों की तेजी नहीं थी। जिसके चलते लोग अलाव के सहारे बैठे रहे। शाम को सूरज ढलने के बाद गलन का प्रकोप और अधिक बढ़ गया। गलन अधिक होने से सड़कों पर आवाजाही कम हो गई। बाजार भी समय से पहले ही बंद हो गया।

अलाव पर हाथ सेंकता दुकानदार, हवा से बचने को सिर से गमछा बांधे जाते लोग।

बुजुर्गों और बच्चों पर ठंड का असर

ठंड बढ़ने के कारण बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष परेशानी हो रही है। सुबह के समय कोहरा और ठंडी हवाएं सड़कों पर वाहनों की रफ्तार को भी प्रभावित कर रही हैं। कृषि विभाग के अधिकारी कहते हैं कि फिलहाल शीतलहर से राहत मिलने की संभावना कम है। आने वाले दिनों में भी ठंड का असर बना रह सकता है और 18 जनवरी के बाद मौसम बदलेगा। बारिश होने की संभावना है।

भूसा लेने जा रहे युवक की ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से मौत

उसहैत, अमृत विचार : भूसा लेने जा रहे युवक की ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से मौत हो गई। जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसा गुरुवार सुबह उसहैत थाना क्षेत्र के गांव न्यौली के पास हुआ। कोतवाली उझानी क्षेत्र के कस्बा के मोहल्ला गद्दी टोला निवासी कासिम अली (24) पुत्र बाबू अली, उनके मोहल्ले के ही मेसर अली, वैसर, जगा और समुद्दीन भूसा लेने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली से भूसा लेने गांव न्यौली जा रहे थे। गांव के पास पहुंचते ही एक गाय अचानक सामने आ गई।

गाय को बचाने के चक्कर में ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसके नीचे दबकर कासिम अली की मौके पर ही मौत हो गई जबकि मेसर अली गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए और घायल को भर्ती कराया। मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा है।

नकल माफियाओं पर अंकुश लगाने की तैयारी पूरी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- परीक्षा के दौरान त्रिस्तरीय होगी निगरानी
- जिले सहित क्षेत्रीय और मुख्यालय पर बना कंट्रोल रूम
- केंद्रों पर लगे सीसीटीवी की डीआईओएस से मांगी जानकारी

अमृत विचार: यूपी बोर्ड हाईस्कूल इंटरमीडिएट की परीक्षा को लेकर तैयारी चल रहीहै। नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे और वॉइस रिकॉर्डर लगाने के साथ वाईफाई से लैस किए जा रहे हैं। परीक्षा की निगरानी के लिए जहां सचल गठित किए जाएंगे वहीं, कंट्रोल रुम से भी निगरानी की जाएगी। पिछली बार की तरह इस बार भी परीक्षा केंद्रों की तीन स्तर पर निगरानी की जाएगी।

जिले में कंट्रोल रुम बनाने के साथ ही माध्यमिक शिक्षा परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय से भी परीक्षा केंद्रों की निगरानी होगी। जिससे केंद्रों पर किसी तरह की मनमानी को रोका जा सके। आगामी 18 फरवरी को हाई स्कूल इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा होनी हैं। जिले में संचालित 308 स्कूलों में से 98 कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इनमें अशासकीय सहायता प्राप्त, वित्त विहीन और राजकीय विद्यालय शामिल हैं। वहीं हाईस्कूल इंटरमीडिएट के 67945 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा के दौरान पर माध्यमिक शिक्षा परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय से भी निगरानी की जाएगी। माध्यमिक शिक्षा परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। क्षेत्रीय अपर सचिव ने डीआईओएस से केंद्रों पर लगे सीसीटीवी की जानकारी मांगी है। ताकि सभी केंद्रों से जुड़कर वेब कास्ट से निगरानी की जा सके।

> माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा नकल रोकने के तीन स्तर पर निगरानी होगी। इससे नकल माफिया कॉपियों को नहीं बदल नहीं पाएंगे। जिले के साथ-साथ क्षेत्रीय कार्यालय से ऑनलाइन निगरानी होगी। वहां भी कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। केंद्रों पर लगे सीसीटीवी की जानकारी मांगी है। जल्द ही भेजी जाएगी।
>
> **लालजी यादव**, जिला विद्यालय निरीक्षक

21 जनवरी को होगा बार एसोसिएशन का चुनाव

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- जिला बार एसोसिएशन के 20 पदों के लिए 33 प्रत्याशियों ने दाखिल किया है नामांकन पत्र

अमृत विचार : जिला बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव के लिए नामांकन कराने वाले किसी भी प्रत्याशी ने अंतिम दिन तक नाम वापस नहीं लिया। चुनाव के लिए 20 पदों पर 33 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। अध्यक्ष पद पर तीन और महामंत्री पद पर तीन प्रत्याशी मैदान में हैं। 21 जनवरी को मतदान कराया जाएगा।

अध्यक्ष पद के लिए दिनेश चंद्र, देव पाल सिंह, देवेंद्र कुमार, गेंदन लाल बघेल और वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए अनिल कुमार जौहरी, दिनेश कुमार, और कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए मरगूब अहमद खान के अलावा संयुक्त सचिव प्रशासन पद के लिए नीलम रानी, विनोद बाबू सक्सेना, जसवीर सिंह, अमित कुमार सोलंकी, याकूब अली खान, भानु प्रताप सिंह ने नामांकन कराया है। संयुक्त सचिव प्रकाशन पद के लिए अनिल कुमार यादव, आशू मियां और संयुक्त सचिव पुस्तकालय पद के लिए मुकेश कुमार वैश्य, नीलू मिश्रा, मनोज कुमार और कोषाध्यक्ष पद के लिए अवधेश कुमार, कौशल मिश्रा ने नामांकन पत्र भरा है। कनिष्ठ कार्यकारिणी छह पदों के लिए सुमन कश्यप, नीरज सक्सेना, आनंद सिंह, किरण रानी, राष्ट्र गौरव, पवन कुमार गौतम, फरमान अली, सतीश पाल, कुमारेश कुलश्रेष्ठ और वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए आदित्य कुमार सिंह, सुरेंद्र पाल शर्मा प्रत्याशी हैं।

दिल्ली के लिए जल्द मिलेगी ट्रेन की सुविधा

कार्यालय संवाददाता बदायूं

- रेल मंत्रालय ने दिया सर्वे का निर्देश, मिलेगा लाभ
- ट्रेनों का बदलेगा समय, नई समय सारिणी होगी जारी

अमृत विचार : जनपद वासियों की बहुप्रतीक्षित मांग जल्द पूरी होने वाली है। यदि सब कुछ ठीक ठाक रहा तो बदायूं से दिल्ली को ट्रेन की सवारी करने को मिलेगी।

लोगों की मांग थी कि बदायूं होते हुए दिल्ली को ट्रेन चलाई जाए जिससे दिल्ली जाने वाले लोगों को कम पैसे यात्रा करने को मिलेगी। मांग करीब एक दशक से की जा रही है। केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने एक बार फिर से इसकी पहल की है। उन्होंने बदायूं होते हुए दिल्ली को ट्रेन चलाने की मांग की है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि अभी तीन दिन पहले फिर से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बात की थी। जिस पर रेल मंत्री ने भरोसा दिया था कि जल्द ही इसके लिए रेल लाइन का सर्वे कराया जाएगा।

जिले में व्यापार को लगेंगे पंख

बदायूं के साथ ही लखीमपुर को भी दिल्ली जाने वाली ट्रेन की सुविधा देने पर विचार किया जा रहा है। रेलवे ने दोनो जनपदों को नए सिरे से ट्रेन संचालन के लिए समय सारणी फिर से तैयार करने की बात कही है। लखीमपुर और बदायूं को दिल्ली को जाने वाली ट्रेन की सुविधा जल्द मिलने की खुशी में लोगों ने रेल मंत्रालय के इस फैसले का स्वागत किया है। दिल्ली को ट्रेन शुरू होते ही जिले का व्यापार दो से तीन गुना बढ़ने की उम्मीद है।

राजकीय मेडिकल कालेज में जल्द शुरू होगी डायलिसिस यूनिट

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- कालेज प्रशासन ने कंपनी से की बात, जल्द होगा सर्वे
- जिला अस्पताल के बाद अब जिले में लगेगा दूसरा यूनिट

अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कालेज में हर साल नई सुविधाओं का शुभारंभ हो रहा है। नए साल में डायलिसिस यूनिट लगाने की तैयारी की जा रही है। डायलिसिस यूनिट लगाने वाली कंपनी को पत्र लिखा गया है।

जनपद में पिछले दो साल से जिला अस्पताल में डायलिसिस यूनिट मरीजों को निशुल्क सुविधा मुहैया करा रहा है।। जिला अस्पताल में पहले 10 बेड का डायलिसिस यूनिट कार्य कर रहा है। राजकीय मेडिकल कालेज में अब नए साल में डायलिसिस यूनिट लगाने की तैयारी की जा रही है। राजकीय मेडिकल कालेज प्रशासन ने यूनिट लगाने को सीएमओ से भी बात की है। हरी झंडी मिलने के बाद अब यूनिट लगाने वाली कंपनी को पत्र लिखा गया है। कंपनी जल्द ही मेडिकल कालेज पहुंच कर स्थान का चयन करेगी। राजकीय मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. अरुण कुमार ने बताया कि अब डायलिसिस यूनिट लगाने की तैयारी की जा रही है। यूनिट लगाने वाली कंपनी डीसीडीसी से बात की गयी है। कंपनी को पत्र लिखा गया है जिससे अब कंपनी के लोग यहां पहुंच कर जगह चयनित करेंगे। मैनेजर मनोज कुमार ने कहा कि वह राजकीय मेडिकल कालेज में यूनिट लगाएंगे लेकिन यूनिट चलाने को अलग से स्टाफ चाहिए। इससे लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि बाहर जाने जरूरत नहीं होगी।

मरीज को देना होगा न्यूनतम चार्ज

राजकीय मेडिकल कालेज में डायलिसिस यूनिट से निशुल्क सेवाएं नहीं दी जाएंगी। वहां पर न्यूनतम चार्ज मरीज को देना होगा। यह चार्ज स्वयं मरीज ही वहन करेगा। राजकीय मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर यदि मरीज को डायलिसिस कराने को लिखते है तो यह सेवा वहीं पर उपलब्ध होगी। मरीज को दूसरे जनपद में नहीं जाना होगा। कालेज प्रशासन मरीज से पैसे लेकर कंपनी को भुगतान करेगा। जबकि जिला अस्पताल में कंपनी को सरकार भुगतान करती है।

आठवें दिन भी जारी रहा धरना

धरने पर बैठे भाकियू नेता व अन्य लोग। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : विधवा की जमीन पर कब्जा करने के विरोध में भाकियू चढ़ूनी ने मकर संक्रांति पर भी धरना जारी रहा। विधवा ने कहा कि उसे जब तक न्याय नहीं मिलेगा तब तक वह धरने से नहीं हटेगी। उझानी के गांव जनुईया निवासी विधवा प्रेमवती की जमीन पर गांव के ही दबंगों ने कब्जा कर लिया है। जिससे परेशान होकर विधवा आठ दिन से मालवीय आवास गृह पर धरने पर बैठी है। धरने को भाकियू चढ़ूनी ने समर्थन दिया है। भाकियू जिला अध्यक्ष सतीश साहू ने कहा कि आज पूरा समाज मकर संक्रांति का पर्व मना रहा है जबकि विधवा धरने पर बैठी है। जिला प्रशासन महिला की परेशानी नहीं देख रहा है। जिलाध्यक्ष सतीश साहू ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा प्रशासन अगर सक्रियता दिखाए तो एक दिन में इसका निस्तारण हो सकता है।

प्रशासन इसी तरह लापरवाही बरतता रहा तो धरना आगे भी जारी रहेगा। इस मौके पर जिला महासचिव बीईशु दास, ज़िला प्रभारी कृष्ण अवतार शाक्य, पूर्व जिला उपाध्यक्ष आरिफ़ रज़ा, नगर उपाध्यक्ष नूरुद्दीन अंसारी, भगवान दास, प्रेमवती, रामेश्वर, कल्लू, आराम सिंह, राम सिंह, आदि लोग धरने पर मौजूद रहे।

प्रभात फेरी निकालने को लेकर विवाद, दो पक्ष आमने-सामने

संवाददाता, इस्लामनगर

अमृत विचार : इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव ब्यौर कासिमाबाद में पिछले कई दिनों से निकाली जा रही प्रभात फेरी का रूट बदलने को लेकर बुधवार व गुरुवार को विवाद की स्थिति बन गई। पुलिस प्रशासन और गांव के लोगों के बीच इस बात को लेकर मतभेद सामने आया कि प्रभात फेरी पूर्व से निर्धारित रूट से निकाली जा रही है या किसी नए रास्ते से। पुलिस प्रशासन का कहना है कि प्रभात फेरी निकाल रहे लोग पूर्व से नियत रूट को छोड़कर किसी अन्य रूट से प्रभात फेरी निकालने का प्रयास कर रहे थे। वहीं प्रभात फेरी में शामिल ग्रामीणों का कहना है कि वह पहले से ही जिस रूट से प्रभात फेरी निकालते आ रहे हैं, उसी रूट से निकाल रहे हैं।

हंगामे के बाद थाने में वार्ता करते दोनों पक्ष। ● अमृत विचार

गांव पहुंचकर लोगों को समझाते इंस्पेक्टर नरेश कुमार। ● अमृत विचार

बुधवार को पुलिस प्रशासन ने गांव पहुंचकर लोगों को नियत रूट से प्रभात फेरी निकालने को लेकर समझाया था। गुरुवार सुबह जब गांव के लोग प्रभात फेरी निकाल रहे थे, तभी पुलिस को सूचना मिली कि प्रभात फेरी दूसरे रूट से निकाली जा रही है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रभात फेरी को रोक दिया। इस दौरान काफी देर तक हंगामा होता रहा।

- कुछ ग्रामीणों का आरोप, नए रूट से निकाली जा रही है प्रभात फेरी

कुछ हिंदू संगठन भी प्रभात फेरी निकाल रहे लोगों के समर्थन में गांव पहुंच गए। जिससे स्थिति और गरमा गई। इसके बाद प्रभात फेरी में शामिल करीब 30 से 40 लोग और हिंदू संगठनों के पदाधिकारी इस्लामनगर थाने पहुंच गए। सीओ बिल्सी भी थाने पहुंचे और उन्होंने सभी पक्षों को समझाते हुए कहा कि जिस रूट से पूर्व में प्रभात फेरी निकाली जाती रही है, उसी रूट से प्रभात फेरी निकाली जाए।

नए रूट के लिए अनुमति लेना जरूरी है। बिसौली नायब तहसीलदार गिरिजा शंकर यादव थाने पहुंचे और ग्रामीणों को समझाया। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि जिस रूट से पहले प्रभात फेरी निकाली जाती थी, उस सड़क पर खराबी के कारण कीचड़ जमा हो गया था। जिससे अस्थायी रूप से दूसरे रूट से प्रभात फेरी निकाली जा रही थी। अब ग्राम पंचायत द्वारा सड़क ठीक करा दी गई है। इसलिए दोबारा उसी रूट से प्रभात फेरी निकाल रहे हैं। जिसका कुछ ग्रामीण विरोध कर रहे हैं। निर्णय लिया गया कि गांव में दोनों पक्ष के पांच-पांच लोग आपस में बात रूट तय करेंगे।

हिस्ट्रीशीटर तौफीक प्रधान का बेटा दो साथियों संग गिरफ्तार

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र जगतपुर पानी की टंकी के पास रहने वाले मोहम्मद कासिम के ऊपर तौफीक प्रधान के बेटे आफताब ने अपने साथियों सब्बू व सोहिल निवासी एजाज नगर गौटिया, अचल सैनी निवासी कैंट के साथ मिलकर चाकू से हमला कर दिया था। गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की गई। पुलिस ने कासिम की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने गुरुवार को मुख्य आरोपी आफताब समेत सोहिल व अचल सैनी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक तौफीक प्रधान के बेटे ने इलाके में दबंग लड़कों के साथ मिलकर गिरोह बना रखा है। सलाम नहीं करने को लेकर कासिम से रंजिश थी। खुन्नस निकालने के लिए उस पर चाकू से हमला करके घायल कर दिया था।

चार घंटे बंद रही बिजली आपूर्ति

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- करीब दो लाख लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा

अमृत विचार : बिजली ट्रिपिंग को रोकने और नियमित बिजली देने को विभाग ने गुरुवार को चार बिजली घरों पर अनुरक्षण कार्य कराया। जिससे चार घंटे तक बिजली गुल रही। करीब दो लाख लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। विभाग ने शाम चार बजे सप्लाई की जिसके बाद उपभोक्ताओं ने राहत की सांस ली।

बिजली विभाग ने आज शहर के पनबड़िया बिजली घर, ढाक वाली जियारत स्थित बिजली घर, बिनावर और करौलिया के बिजली घरों पर लाइन व मशीन मरम्मत का कार्य किया गया। जिसके लिए दोपहर 12 से सभी बिजली घरों से दी जाने वाली सप्लाई बंद कर दी। चार घटे तक की गयी मरम्मत के बाद शाम चार बजे सप्लाई शुरू की गयी। सप्लाई बंद होने से करीब आधे शहर के उपभोक्ता परेशान रहे।

ढाक वाली जियारत स्थित बिजली घर से सप्लाई बंद रहने से शहर के मंडी समिति, न्यू आदर्श नगर, सिविल लाइन, आवास विकास, मधुवन कॉलोनी,मझिया रोड, कृष्णापुरी, पुलिस लाइन, जिला अस्पताल, कलेक्ट्रेट चित्रांश नगर, सिमरिया गांव, रसूलपुर, सूरजपुर, उपरैला, सहित बीस गांवों की सप्लाई बंद रही। जबकि करौलिया के करीब तीस गांवों में लोग चार घंटो तक परेशान रहे। शाम को बिजली शुरू की गयी तब कहीं जाकर लोगों ने राहत की सांस ।

बिनावर के बिजली घर पर मरम्मत कार्य होने से करीब 108 गांवों में अंधेरा रहा। बिनावर बिजली घर से सप्लाई बंद करने के बाद करीब पांच घंटे तक काम किया गया। बिनावर बिजली घर को आने वाली लाइन के दो जगह तार बदले गए। जबकि तीन नए खंभे लगाए गए। इस क्षेत्र में एक बिजली घर पर सौ से अधिक गांवों का लोड होने से ट्रिपिंग की समस्या बनी रहती है। शाम को सप्लाई शुरू होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। बिनावर कस्बे में करीब दो हजार से अधिक कनेक्शन हैं इसलिए कस्बे में हर समय लाइनों में फाल्ट होता रहता है इसलिए कस्बे में कई जगहों पर लाइने डाली गई हैं।

> गुरुवार को एक साल चारो बिजली घरों पर अनुरक्षण कार्य किया गया जो शाम तीन बजे तक जारी रहा। अनुरक्षण कार्य की सूचना पहले ही दी जा चुकी है। शाम काम पूरा करने के बाद सप्लाई शुरू कर दीगयी। अब सभी बिजली घरों से बिजली दी जा रही है।
>
> **-संजीव कुमार**- अधिशासी अभियंता प्रथम

फंदे पर लटका मिला युवक का शव, हत्या का आरोप

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : दातागंज कोतवाली क्षेत्र के गांव में युवक का शव नीम के पेड़ पर फंदे से लटका मिला। परिजनों ने प्रेम-प्रसंग के चलते एक युवती के परिजनों पर हत्या करने का आरोप लगाया।

मृतक पुरुषोतम।

पुलिस ने मौका मुआयना कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटना दातागंज कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला बसेला की है। गुरुवार सुबह गांव निवासी पुरुषोत्तम (22) पुत्र पान सिंह का शव गांव के पास पेड़ पर लटका मिला। ग्रामीणों की सूचना पर परिजन चीत्कार करते पहुंचे। ग्रामीणों ने पुलिस को अवगत कराया। पुलिस गांव पहुंची। युवक के परिजनों ने बताया कि युवक का गांव की युवती के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। बुधवार शाम लगभग सात बजे युवक के पास फोन आया था। जिसके बाद वह खाना खाकर घर से चला गया। देर शाम तक न आने पर युवक के मोबाइल पर फोन किया। घंटी जाती रही लेकिन फोन नहीं उठा। फिर मोबाइल फोन बंद हो गया था। गुरुवार सुबह फिर से मोबाइल ऑन हो गया था। परिजनों के अनुसार युवती कई बार युवक के घर पर आ चुकी है। गांव में पंचायत बुलाकर मामला सुलझाया गया था। जिसके बाद से युवक अपने फूफा मदनलाल के घर रह रहा था। आरोप है कि युवती के परिजनों ने गला दबाकर हत्या करके शव लटकाया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

कस्बे में चोर बाजार का विरोध शुरू

इस्लामनगर, अमृत विचार: कस्बे में शनिवार को गैरकानूनी तरीके से लग रहे कथित चोर बाजार को लेकर व्यापारियों में भारी रोष व्याप्त है। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने बाजार को बंद कराने की मांग डीएम से की है। उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष सत्यपाल गुप्ता का कहना है कि कस्बे में पूर्व से साप्ताहिक शनिवार बाजार लगते चले आ रहे हैं। लेकिन कुछ माफिया तत्वों द्वारा नियमों को ताक पर रखकर शनिवार के दिन अवैध रूप से चोर बाजार लगवाया जा रहा है, जो न केवल अनैतिक बल्कि पूरी तरह गैरकानूनी है। सत्यपाल गुप्ता ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि शनिवार को लगने वाले इस अवैध चोर बाजार के कारण स्थानीय व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हो रहा है । कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो व्यापारियों को मजबूरन धरना-प्रदर्शन एवं बाजार बंद जैसे कठोर कदम उठाने पड़ेंगे।

सप्तम पुण्यतिथि

इस जहाँ में कभी न मिट सकेगी अमिट छाप आपकी।
भीगी पलकों में सदा बसी रहेगी याद आपकी।।

आपका स्वर्गवास 16.01.2019 को हो गया था, तब से परिवार के सभी लोग आपकी स्मृति हृदय से बनाये हुए हैं। आज 7 वर्ष उपरान्त भी आप सबकी स्मृति में हैं। आज परिवार के सभी लोग आपको याद कर रहे हैं तथा परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि आप जहाँ भी हों सुखी हों।

शोकाकुल परिवार

अनिल सक्सेना (पति), अरूण कुमार-मधु (देवर-देवरानी), मृदुल शंकर, पारूल, राहुल, शंकर-रोली (पुत्र-पुत्रवधू) रूचि-सौरभ (पुत्री-दामाद), अंकित-मनीषा (भतीजा-वधू) अनुरिता - अभिषेक (भतीजी-दामाद), श्रेय सात्विक, स्वीटी, गार्गी, अर्शी, आयुष (नाती-नातिन) मो. 7983141405

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ.आर.एस.सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)
स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ
30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त
ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic
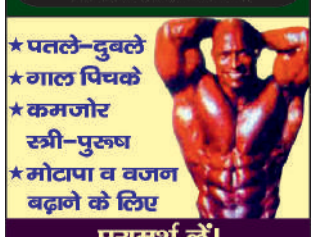
★ पतले-दुबले
★ गाल पिचके
★ कमजोर स्त्री-पुरुष
★ मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए
परामर्श लें।
चिकित्सा जानकारी
भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।
किसी भी प्रकार का नशा जैसे
शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।
स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं
● स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
● हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
● इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
● वीर्य में शुक्राणु का कम होना
● ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
● यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
● मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना
वैवाहिक जीवन को सफल बनायें
अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें

Sexually Transmitted Bacterial Disease
सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें
गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें
डॉ. साहब
आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते
मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक
दिनांक :-
11 जनवरी 2026, रविवार
25 जनवरी 2026, रविवार
निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली
9837069463
7599211076

महाराजा हरिश्चंद्र की शोभायात्रा का हुआ जोरदार स्वागत

रस्तोगी समाज की ओर से शहर में आयोजित की गई शोभायात्रा, समापन पर राजमहल गार्डन में पदाधिकारियों को सौंपे दायित्व

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सत्यवादी महाराजा हरिश्चंद्र जयंती के अवसर पर शहर में शोभायात्रा का आयोजन किया। जगह-जगह पुष्प वर्षा करके शोभायात्रा का स्वागत किया गया। अखाड़ा में कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के समापन पर संगठन के नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई।

रस्तोगी समाज की आयोजित इस शोभायात्रा का आरंभ रस्तोगी धर्मशाला से दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। शोभायात्रा पुराना बाजार, सुभाष चौक, गांधी ग्राउंड बड़ा बाजार, काली सड़क होते हुए पथिक चौक पहुंची। बदायूं ज्वैलर्स एसोसिएशन और भारत विकास परिषद की ओर से शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा की गई। फिर शोभायात्रा का राजमहल गार्डन पर शोभायात्रा का समापन किया गया। शोभायात्रा बिना किसी भेदभाव, समाज की एकजुटता और शक्ति का संदेश देते हुए आगे बढ़ती रही। आयोजक रस्तोगी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रस्तोगी, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष महेश रस्तोगी, युवा मंत्री श्वेत रस्तोगी, जिलाध्यक्ष नीरज रस्तोगी, महामंत्री अनिल रस्तोगी, सुशांत रस्तोगी, पीयूष रस्तोगी, सचिन, स्वेतश, गोपाल, स्वप्निल रस्तोगी, आयुष, तुषार और अनूप के अलावा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष रोजी रस्तोगी, दीप्ति, दीपांक रस्तोगी, युवा अध्यक्ष नेहा रस्तोगी, पूजा, किमी रस्तोगी का सहयोग रहा। राजमहल गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यकारिणी के पदों की घोषणा की। पीयूष रस्तोगी को राष्ट्रीय युवा टीम का मीडिया प्रभारी और सुशांत रस्तोगी को राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनोनीत किया है। शोभायात्रा में लोगों के अनुशासन की सराहना की गई।

शहर में निकली शोभायात्रा में करतब करते दिखाते कलाकार। ● अमृत विचार

शोभायात्रा में शामिल कार पर बनी झांकी। ● अमृत विचार

शोभायात्रा में शामिल झांकी में रामदरबार। ● अमृत विचार

पंचायत सहायकों के प्रदेश संगठन मंत्री बने सतेंद्र

बदायूं, अमृत विचार : दातागंज क्षेत्र के गांव सिमरिया निवासी पंचायत सहायक सतेंद्र पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन के प्रदेश संगठन मंत्री मनोनीत किए गए हैं। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष बृजेश कुमार मिश्रा ने उन्हें मनोनयन पत्र भेजा। उनसे संगठन की नियमावली के अनुरूप निष्ठा, पारदर्शिता, अनुशासन के साथ कार्य करने और पंचायत सहायकों के हितों की रक्षा के लिए प्रयास करने को कहा गया है। प्रदेश संगठन मंत्री के रूप में उनका काम संगठन को मजबूत करना, सभी जिलों और ब्लॉकों तक पंचायत सहायकों की आवाज पहुंचाना और कर्मचारियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। उनकी लिखी कविता कविताएं जिंदा रहेंगी, पंचायत सहायक : गांव का अफसर, जेब का फकीर की पाठकों ने सराहना की थी। क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हें कलम रत्न सम्मान और उपन्यास भूषण श्री से नवाजा जा चुका है।

सतेंद्र कुमार

अल्लैहपुर समसपुर में शिव मंदिर के लिए कराया गया भूमि पूजन

संवाददाता, इस्लामनगर

अमृत विचार : इस्लामनगर क्षेत्र के गांव अल्लैहपुर समसपुर स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में भगवान परशुराम के मंदिर निर्माण को लेकर भूमि पूजन कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में हरिओम पाराशरी, हितेंद्र शंखधर, विशाल शर्मा व केके उपाध्याय ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का आरंभ किया

आयोजन में राहुल भारद्वाज की ओर से विधि-विधान से पूजन संपन्न कराया गया। जिसके बाद मंदिर स्थल पर सभी ब्राह्मणों ने सामूहिक रूप से भव्य भूमि पूजन किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान भगवान परशुराम के जयकारों से प्राचीन शिव मंदिर परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर वागीश मिश्रा ने की। भुवनेश शर्मा, भानु निगमेश्वर मिश्रा, गौरव पाठक, अंकित पाठक, हर्षित मिश्रा, शिवम पाठक, सतीश पाठक, अमन पाठक, विशाल मिश्रा, अमन उपाध्याय, सुमित शर्मा, कटिया, सचिन शर्मा, विजय पाठक, डॉ. पंकज शंखधार आदि उपस्थित रहे।

● गांव में कराया जाएगा भगवान परशुराम मंदिर का निर्माण

अल्लैहपुर समसपुर में भूमि पूजन के दौरान मौजूद अतिथि। ● अमृत विचार

एसडीएम व सीओ ने अस्पताल पर मारा छापा

संवाददाता, कादरचौक

अमृत विचार : कस्बे में अवैध रूप से चल रहे आरोग्य अस्पताल की शिकायत की गयी थी। उक्त शिकायत के बाद डीएम के आदेश पर एसडीएम और सीओ ने गुरुवार को अस्पताल पहुंच कर छापामार कार्यवाही की, अवैध रूप से चल रही ओटी को सील कर दिया। साथ ही स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया है कि जांच कर कार्यवाही की जाए। आज की कार्यवाही से कस्बे के अन्य निजी अस्पताल संचालकों में हड़कंप मच गया।

पिछले दिनो श्री भगवा सेना और युवा मंच संगठन ने जिलाधिकारी को तीन विशेष बिंदुओं पर ज्ञापन सौंपा था। जिसमें आरोग्यम हॉस्पिटल में अवैध रूप से सर्जरी करने, फर्जी डिग्री के आधार पर अस्पताल संचालक करने, सहित अन्य तमाम शिकायतें की गयीं थीं। उक्त शिकायतों को लेकर डीएम से कार्यवाही की मांग की गयी थी। उक्त शिकायत की जांच कराने को डीएम अवनीश कुमार ने एसडीएम सदर मोहित कुमार को जांच सौंपी थी। जिसके बाद आज एसडीएम सदर, व क्षेत्राधिकारी उझानी देवेंद्र कुमार, थानाध्यक्ष कादर चौक विक्रम सिंह ने कादरचौक के कैथल रोड पर बने आरोग्यम हॉस्पिटल पर छापा मारा। अधिकारियों ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से पूछताछ करने के बाद अस्पताल के ऑपरेशन रूम और लेबर रूम को सील कर दिया। ओटी सील करने के बाद एसडीएम मोहित कुमार ने कस्बे में अन्य अस्पतालों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग को कार्यवाही करने के निर्देश दिए साथ ही सील किए गए ओटी मालिक के खिलाफ कार्यवाही करने और अस्पताल के कागज उपलब्ध कराने को निर्देशित किया है। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल संचालक को नोटिस देते हुए सात दिन में जवाब मांगा है।

एसडीएम सदर ने बताया कि जिलाधिकारी को अस्पताल को लेकर शिकायती पत्र मिला था जिसको लेकर उन्होंने एक जांच कमेटी बनाई थी जिसमें एसडीएम सदर, क्षेत्राधिकारी उझानी और डिप्टी सीएमओ शामिल किए गए थे। उक्त कमेटी ने आज छापा मार कर अस्पताल की ओटी सील की है। छापे के दौरान जो अनियमित मिली उसके आधार पर कार्रवाई की जा रही है आगे की जांच की जा रही है जांच होने के बाद इसकी रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंपी जाएगी।

● अवैध रूप से चल रहे अस्पताल की ओटी को किया सील

अस्पताल के बाहर खड़े एसडीएम व सीओ ● अमृत विचार

चार दिन बाद पहुंचा बिसौली चीनी मिल पर गन्ना

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : गन्ना संकट से जूझ रही बिसौली की चीनी मिल चार दिन बाद शुरू हो गयी। मिल चालू होने के बाद ही मिल प्रबंधन ने राहत की सांस ली है।

बिसौली की चीनी मिल पर इस साल गन्ना कम पहुंच रहा है। मिल का अधिकांश गन्ना क्षेत्र कम हो गया है। मिल द्वारा समय से भुगतान न करने पर जिला गन्ना कार्यालय ने नौ क्रय केंद्र काट कर दूसरी चीनी मिल को आवंटित कर दिए, जिससे मिल के पास गन्ना कम हो गया। बिसौली चीनी मिल पर चार दिन से गन्ने की कमी थी। मिल गेट पर 11 हजार क्विटल गन्ना था जो पर्याप्त नहीं था। तीन दिन तक मिल में गन्ना पेराई बंद रहने के बाद गुरुवार को मिल चालू की गयी। मिल गेट पर आज करीब पचास हजार क्विंटल गन्ना पहुंच गया जिसके बाद मिल प्रबंधन ने राहत की सांस ली हे। बिसौली चीनी मिल जनपद का 60 प्रतिशत गन्ना खरीदा है। मिल को प्रतिदिन 70 हजार क्विंटल गन्ना चाहिए। लेकिन गन्ना किसानों की बेरुखी के चलते मिल पर गन्ना नहीं पहुंच रहा है। गन्ना किसानों को पिछले साल का गन्ना मूल्य भुगतान अभी तक पूरा नहीं मिला है जिससे गन्ना किसानों ने दूसरी चीनी मिलों को गन्ना बेचना शुरू कर दिया है।

● गन्ना किसानों को दिया जल्द भुगतान का भरोसा
● तीन दिन में पूरा होगा पिछले साल का भुगतान

आज से खुलेंगे परिषदीय स्कूल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: शीतकालीन अवकाश के 16 दिन बाद परिषदीय स्कूल शुक्रवार से खुल जाएंगे। इन स्कूलों में शैक्षिक कैलेंडर के अनुसार 31 दिसंबर से 14 जनवरी तक अवकाश रहता है। 15 जनवरी को मकर संक्रांति का सार्वजनिक अवकाश होने के बाद 16 जनवरी से स्कूल खोले जाएंगे। अधिक ठंड बढ़ने पर इन स्कूलों में जिलाधिकारी द्वारा स्थानीय स्तर पर ही अवकाश घोषित किया जा सकेगा। साथ ही बेसिक शिक्षा अधिकारी भी मौसम को देखते हुए इन स्कूलों में अवकाश घोषित कर सकते हैं।

शैक्षिक कैलेंडर के अनुसार परिषदीय स्कूलों में 31 दिसंबर के बाद शीतकालीन अवकाश हो गया था। 16 दिन का अवकाश होने के बाद शुक्रवार से स्कूल खुल रहे हैं। स्कूलों में छुट्टियां समाप्त होने के बाद शिक्षकों के द्वारा साफ सफाई कराई गई। वहीं बच्चों ने भी अपने स्तर से तैयारी कर ली है। वह भी अपने स्तर से स्कूल आने को पूरी तरह से तैयार दिख रहे हैं। जो बच्चे अपने माता पिता के साथ घूमने के लिए चले गए थे। वह भी वापस लौट चुके हैं। अभिभावक भी बच्चों को स्कूल भेजने के लिए तत्पर दिखाई दे रहे हैं। परिषदीय स्कूल सुबह 9:30 पर खुलेंगे। 3 बजे छुट्टी होगी। 24 जनवरी से विद्यालयों में सत्रीय परीक्षाएं शुरू हो जाएगी।

● शीतकालीन छुट्टियों की वजह से बंद चल रहे थे स्कूल
● शासन की ओर से भी सभी बोर्ड के स्कूल खोलने के दिए आदेश

माध्यमिक स्कूलों में चल रही प्री-बोर्ड परीक्षा

माध्यमिक विद्यालय बदले हुए समय पर चल संचालित हैं। इन विद्यालयों का समय सुबह दस बजे से तीन बजे तक का है। इन स्कूलों में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की प्री बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं, कुछ स्कूलों में समाप्त हो चुकी हैं। तो कुछ में 19 जनवरी को समाप्त हो जाएगी। प्री बोर्ड परीक्षाओं के बाद प्रयोगात्मक परीक्षाएं शुरू होगीं। प्रयोगात्मक परीक्षाएं 24 जनवरी से होगी। जिसकी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है।

परिषदीय स्कूलों में घोषित शीतकालीन अवकाश समाप्त हो चुका है। स्कूल अपने निर्धारित समय पर खुलेंगे। 24 जनवरी से सत्रीय परीक्षाएं होंगी। जिसके आदेश जारी कर दिए गए हैं। – वीरेंद्र कुमार सिंह, बीएसए

यातायात नियमों का पालन करने को किया जागरूक

जागरूकता रैली के दौरान मौजूद छात्राएं। ● अमृत विचार

बदायूं, अमृत विचार : सड़क सुरक्षा जागरूकता माह के अंतर्गत राजकीय महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने रैली निकाली। प्राचार्य डॉ. वंदना के संरक्षण में छात्राओं ने राहगीरों को यातायात नियमों का पालन करने को जागरूक किया।

रैली के संयोजक सड़क सुरक्षा प्रभारी डॉ. बृजेश कुमार ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करना और उन्हें दुर्घटनाओं से बचाव के लिए प्रेरित करना था। छात्राओं ने लोगों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया और सुरक्षित यात्रा के लिए प्रेरित किया। डॉ. अर्चना पांडे, डॉ. सतीश कुमार, डॉ. भावना सिंह, एनएसएस प्रभारी डॉ. ऋषभ भारद्वाज और रेंजर्स प्रभारी डॉ. सरिता गौतम आदि की मौजूदगी में छात्राओं ने नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई।

गरीब विरोधी हैं मनरेगा योजना में बदलाव

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : कांग्रेस के पदाधिकारियों ने अपने मनरेगा बचाओ संग्राम और एसआईआर को लेकर विकास क्षेत्र वजीरगंज के गांव भमोरी, सालारपुर के बरातेगदार, उझानी के गांव नरऊ में चौपाल का आयोजन किया। ग्रामीणों, मजदूरों को केंद्र सरकार के मनरेगा कानून में किए जा रहे बदलाव के बारे में बताते हुए विरोध किया।

जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष व मनरेगा बचाओ की प्रभारी सुनीता सिंह ने मनरेगा को उसकी मूल भावना के साथ पूरी तरह बहाल करने की मांग की। कहा कि एसआईआर में अगर किसी का वोट बनने से रह गया है तो अभी भी वह 6 फरवरी तक अपना वोट बनवा सकता है। उन्होंने कहा कि मनरेगा कानून में किए गए बदलाव गरीब विरोधी हैं। काम की गारंटी खत्म की जा रही है, मजदूरी में देरी हो रही है और ग्राम पंचायतों को दरकिनार कर दिया गया है। घोषणा की कि कांग्रेस गांव, गरीब और मजदूर के अधिकारों की रक्षा के लिए मनरेगा बचाओ संग्राम को और तेज करेगी। प्रदेश कांग्रेस एसआईआर कॉर्डिनेटर ओमकार सिंह ने विचार व्यक्त किए। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य जितेंद्र कश्यप ने कहा कि कांग्रेस की लाई गई मनरेगा योजना ऐसी योजना थी जिससे कि हर गरीब परिवार का जीवन यापन की सुलभता थी लेकिन अब इस कानून में बदलाव किया जा रहा है उसमें निश्चित रूप से गरीब मजदूर का हक छीनने की योजना है। इगलास हुसैन, शशांक राठौर, विपिन मिश्रा, चंद्रपाल कश्यप, सोनपाल वर्मा, अली मोहम्मद, असगर, वली मोहम्मद, सुनील शाक्य, महेंद्र शाक्य, राजीव, बाबा कश्यप, राम बहादुर, धर्मपाल नेत्रपाल सिंह, शाहनवाज खान, राघवेंद्र सिंह, कमल प्रताप सिंह, नरेंद्र सिंह समेत पार्टी के कई लोग मौजूद रहे।

● कांग्रस की ओर से जिले के तीन गांवों में आयोजित की गईं चौपाल

लोगों से बात करतीं मनरेगा बचाओ अभियान की जिला प्रभारी सुनीता सिंह। ● अमृत विचार

एक माह बाद भी आशा कर्मियों की हड़ताल जारी, नहीं सुन रही सरकार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : कलेक्ट्रेट पर हड़ताल पर बैठी आशा कर्मियों को एक महीना पूरा हो गया। लेकिन शासन और जिला प्रशासन की नींद नहींटूट रही है। आशा कर्मियों ने चोतावनी दी है कि हड़ताल को कमजोर करने का शासन का मंसूबा कामयाब नहीं होगा।

आशा कर्मी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एक माहीने से माहवीय आवास गृह पर हड़ताल पर बैठी हैं। शासन को पत्र भेज कर समसयाओं से अवगत कराया जा चुका है। जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर मांग स्वीकार करने की गुहार की गयी है फिर भी शासन और जिला प्रशासन उनकी बात सुनने को तैयार नहीं है। जिलाध्यक्ष जौली वैश्य ने कहा कि शासन और जिला प्रशासन हड़ताल को कमजोर करने का सपना देख रहा है जो कभी पूरा नहीं होगा। अब आशा बहने अपनी समस्या को लेकर पूरी तरह मैदान में उतर चुकी हैं। हर परिस्थिति में संघर्ष करने को तैयार हैं। अब तक ठंड और भीषण शीत लहर में आशा बहनों ने हड़ताल जारी रखी है फिर भी सरकार चुप है। यह लोकतांत्रिक देश में पूरी तरह अन्याय है।

जिलाध्यक्ष जौली वैश्य ने कहा कि आंदोलन को तोड़ने का सरकार का भ्रम टूट जाएगा लेकिन हड़ताल नहीं टूटेगी। सरकार के विरुद्ध 17 जनवरी को काला दिवस मनाया जाएगा।आकंठ भ्रष्ट्राचार में डूबे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को बचाने में सरकार की सारी मशीनरी लगी हुई है। इसके लिए वह दमन की हर कोशिश कर रही हैं। जबकि आशा और संगिनी के पासपेट भरने का कोई साधन नहीं है। उनके परिजन भुखमरी के कगार पर हैं। इसे मौके पर नीरज, रेखा, रिंकी,सुमनलता, पूनम, नन्ही देवी, सीमा उर्मिला, रचना, रजनीश कुमारी आदि आशाएं शामिल रही।

दीपक गिरने से घर में लगी आग

बितरोई, अमृत विचार : थाना मुजरिया क्षेत्र की ग्राम पंचायत सगराय में गुरुवार सुबह 9 बजे मुकेश श्रीवास्तव पुत्र नरेश श्रीवास्तव का परिवार भागवत कथा सुनने गया था। इसी दौरान उनके घर में अचानक आग लग गई। घर में रखा गृहस्ती का सामान जलकर राख हो गया। घर से तेज धुंआ निकलते देखा तो ग्रामीणों ने मुकेश को सूचना दी। ग्रामीणों की मदद से आग पर जैसे-तैसे काबू पाया। बताया जा रहा है कि बच्चों ने दीपक जलाकर पूजा की अलमारी पर रख दिया था। जिसकी वजह से आग लग गई।

मकर संक्रांति पर लोगों ने किया दान पुण्य, गंगा में किया स्नान

जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई मकर संक्रांति, सुबह से ही मंदिरों में भक्तों का लगना शुरू हो गया था तांता, जगह-जगह बांटी गई खिचड़ी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचारः मकर संक्रांति त्योहार गुरुवार को जनपद भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पर्व पर श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान के बाद मंदिरों में पहुंच कर पूजा-अर्चना की। इसके बाद दान-पुण्य किया। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया था। देर शाम तक शहर के विभिन्न मंदिरों में लोगों ने भगवान का दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। इस दिन दान का विशेष महत्व माना जाता है। ऐसे में लोगों ने तिल, गुड़, चावल और अन्न आदि का दान किया। मकर संक्रांति पर्व के साथ ही अब शुभ काम भी शुरू हो जाएंगे।

गुरुवार को उत्तरायण पर्व मनाया। मान्यता है कि मकर संक्रांति के दिन स्नान करने और खिचड़ी व तिल का दान करने से सारे पाप कट जाते हैं। ऐसे में जगह-जगह भंडारे लगाए गए व गरीबों को गर्म कपड़े व कंबल दान दिए गए। ज्योतिषाचार्य पवन कुमार मिश्रा ने बताया कि इसी दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है और उत्तरायण हो जाता है। सूर्य के धनु से मकर राशि में जाने से खरमास भी समाप्त हो गया। अब मंगल कार्य भी शुरू होंगे। मकर संक्रांति के पर्व पर दान-पुण्य करने का विशेष महत्व है। खासकर तिल से बनी खाद्य सामग्री का। ऐसे में लोगों ने मूंगफली, तिल की गज्जक, लड्डू, रेवडी और खिचड़ी वितरित की। इधर श्रीराम सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मकर संक्राति के त्योहार पर खिचड़ी सहभोज कार्यक्रम कराया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य कालिका प्रसाद गंगवार ने कहा कि मकर संक्रांति सनातन धर्म का एक अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व सूर्य के धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करने पर मनाया जाता है। इस मौके पर सतीश कुमार गंगवार, राजकुमार सिंह सेंगर, कमलेश कुमार, दिनेश कुमार शर्मा, अनुज पटेल, अशोक कुमार आदि उपस्थित रहे। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर बदायूं बीज व्यापार सेवा समिति द्वारा लावेला चौक पर खिचड़ी भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण किए गए। इस मौके पर समिति के जिला अध्यक्ष विपिन कुमार अग्रवाल, विनीत शर्मा,मोहित गर्ग, अंजलि अग्रवाल , ऋषि अग्रवाल , मनोज कुमार, आदि उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति पर लोगों ने गंगा में किया स्नान : कछला , अमृत विचारः कडाके ठंड में मकर संक्रांति पर गुरुवार को कछला गंगा घाट आस्था से सराबोर दिखा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाकर पहले सूर्यदेव को अर्घ्य दिया, फिर पूजा-अर्चना की। संत-महात्माओं समेत पुरोहितों को दक्षिणा और खानपान की वस्तुएं भेंट की गईं। जनपद सहित अन्य स्थानों के लोग कड़ाके की ठंड के बाद भी गंगाघाट पर श्रद्धालु जुटे। श्रद्धालुओं ने विशेष स्नान पर्व पर आस्था की डुबकी लगाई। बम-बम भोले की गूंज के बीच सूर्यदेव को अर्घ्य दिया गया। घाट पर ही पूजा-अर्चना के दौरान उन्होंने पुरोहितों से मंत्रोच्चार कराया। कई श्रद्धालुओं ने हवन भी कराया। दोपहर बाद तक चले गंगा स्नान के दौरान श्रद्धालुओं ने आसपास के आश्रमों में भंडारा भी कराया। संत-महात्माओं समेत पुरोहितों को दक्षिणा भेंट की गई। अंगवस्त्र और खानपान की वस्तुएं भी उनके द्वारा भेंट की गईं।

खिचड़ी का वितरण करते बीज समिति के पदाधिकारी ● अमृत विचार

खिचड़ी का वितरण करते बीज समिति के पदाधिकारी ● अमृत विचार

श्रद्धा के साथ मनाया गया मकर संक्रांति का पर्व

बिल्सी, अमृत विचार : बृहस्पतिवार को मकर संक्रांति का पर्व लोगों ने श्रद्धा पूर्वक मनाया। घरों में पूजा अर्चना कर गरीबों को वस्तुओं का दान किया गया। सपा नगर अध्यक्ष कवींद्र सक्सेना के कैंप कार्यालय खिचड़ी भोज कराया गया। जहां सैकड़ों लोगों ने पहुंच कर खिचड़ी को खाया। इस मौके सपा नेता उदयवीर शाक्य, राकेश यादव आदि मौजूद रहे। इधर अंबियापुर चौराहे और ब्रह्मदेव स्थान पर भी लोगों ने खिचड़ी भोज कराया। जिसमें पूर्व चेयरमैन अनुज वाष्णेय, मृदुल शर्मा, राहुल शर्मा, आदि का विशेष सहयोग रहा। इसके अलावा नगर में बालाजी चौक पर बाबा एप्लाइसेंस, खेरी रोड पर बालाजी मंदिर, शिव शक्ति भवन मंदिर समेत अन्य स्थानों पर भी लोगों ने खिचड़ी का वितरण कर पुण्य कमाया।

कड़ाके की ठंड में हुआ खिचड़ी प्रसाद वितरण

इस्लामनगर, अमृत विचार : गुरुवार को कड़ाके की ठंड के बीच मकर संक्रांति पर्व पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। पर्व के अवसर पर कस्बा के विभिन्न स्थानों पर खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सुबह से ही प्रसाद ग्रहण करने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। खिचड़ी प्रसाद का वितरण कर रहे आयोजकों ने बताया कि मकर संक्रांति के दिन खिचड़ी दान का विशेष धार्मिक महत्व है। मान्यता है कि इस दिन किया गया दान पुण्य, सुख-समृद्धि और शांति प्रदान करता है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए पिछले कई वर्षों से मकर संक्रांति के अवसर पर खिचड़ी प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाता रहा है। कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। प्रसाद वितरण के दौरान आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश भी दिया गया। लोगों ने एक-दूसरे के सुखद भविष्य की कामना की।

कस्बे में खिचड़ी भोज कराकर लोगों ने अर्जित किया पुण्य लाभ

कुंवर गांव, अमृत विचार : मकर संक्रांति के पावन अवसर पर नगर में श्रद्धा और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला। नगर के सर्राफा बाजार में खिचड़ी व सब्जी पूरी महाप्रसाद वितरण किया गया। जिसमें क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजनकर्ताओं ने बताया कि भंडारे की सभी तैयारियां एक दिन पहले ही पूरी कर ली गई थीं। आयोजन का उद्देश्य केवल धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करना ही नहीं, बल्कि समाज में आपसी भाईचारा, सहयोग और सेवा की भावना को मजबूत करना भी है। कहा कि मकर संक्रांति जैसे पावन पर्व पर जरूरतमंदों और आमजन को एक साथ प्रसाद ग्रहण कराना पुण्य का कार्य है। इसके अलावा नगर के बिजली घर तथा मुख्य चौराहे के निकट मार्केट समेत कई जगहों पर भंडारे का आयोजन किया गया। जहां सैकड़ों की संख्या में नगर व क्षेत्र के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके चिरौंजी, जापान सिंह, प्रेमपाल, मंगली, मनीष आदि उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति पर रहा सेवा भाव, कराया खिचड़ी भोज

ओरछी, अमृत विचार : थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के कस्बा ओरछी और आसपास के क्षेत्र में गुरुवार को मकर संक्रांति का पर्व धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कस्बे के प्रमुख चौराहों और हाईवे किनारे जगह-जगह खिचड़ी भोज के शिविर लगाए गए, जहां हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। मुरादाबाद-फर्रुखाबाद एमएफ हाईवे पर स्थित ग्राम परमानंदपुर से लेकर चौराहे तक उत्सव जैसा माहौल रहा। स्थानीय व्यापारियों और युवाओं ने सहयोग से राहगीरों को रोक-रोकर खिचड़ी का वितरण किया। भीषण ठंड के बीच राहगीरों ने भी बड़े चाव से प्रसाद ग्रहण किया। कुछ स्थानों पर खिचड़ी के साथ-साथ लड्डू का प्रसाद भी बांटा गया । इस सेवा कार्य में देवेश नाथ, अन्नी, संतोष, पंचू गोपाल सहित अन्य समाजसेवी ने सहयोग किया।

मकर संक्रांति पर उमड़ा श्रद्धा का जनसैलाब

करियामई अमृत विचार : संक्रांति के पावन पर्व के उपलक्ष में गुरुवार को ग्रामीण अंचलों में भारी उत्साह देखा गया। विभिन्न स्थानों पर खिचड़ी भोज और दान-पुण्य के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ उठाया। क्षेत्र में सुबह से ही खिचड़ी वितरण का कार्य शुरू हो गया था। लोगों ने मकर संक्रांति पर खिचड़ी दानकर सदियों पुरानी परंपरा है। करियामई, उघैती, खितौरा, खंडुआ आदि गांव के ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों ने अन्न, वस्त्र और अन्य वस्तुओं का दान कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। खिचड़ी भोज स्थलों पर सुबह से ही लोगों की भारी भीड़ जुटी रही। खिचड़ी भोज करने वालों में वंश गुप्ता, हर्षित गुप्ता, राजपाल गुप्ता, पंकज गुप्ता, बसंत गिरी, प्रदीप कुमार सिंह, पुरुषोत्तम टाटा सहित आदि लोग मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री आबिद रजा और चेयरमैन फात्मा रजा ने बांटी खिचड़ी और कंबल

बदायूं, अमृत विचार : मकर संक्रांति के अवसर पर नगर पालिका में सामाजिक समरसता और सेवाभाव देखने को मिला। पूर्व मंत्री आबिद रजा और नगर पालिका चेयरमैन फात्मा रजा ने लोगों को खिचड़ी और कंबल वितरित किए। सभी लोगों ने एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण करके आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। पूर्व मंत्री आबिद रजा ने कहा कि मकर संक्रांति जैसे पर्व पर खिचड़ी भोज और जरूरतमंदों को कंबल वितरण करना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। खिचड़ी भोज के माध्यम से समाज में व्याप्त ऊंच-नीच और छुआछूत जैसी कुरीतियों को समाप्त करने का संदेश दिया जाता है। कहा कि जब समाज के सभी वर्ग एकजुट होंगे तभी देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा। चेयरमैन ने कहा क कड़ाके की ठंड में गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने समाजसेवियों और सक्षम नागरिकों से आगे आकर सेवा कार्यों में सहयोग करने का आह्वान किया। समरसता भोज में बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता रही। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को एकता के सूत्र में बांधने का कार्य करते हैं। कंबल पाकर लोगों ने पूर्व मंत्री और चेयरमैन का आभार जताया। सभासद अनवर खां, ग्रीश शुक्ला, रवि कुमार, नवैद, प्रेमलता सिंह, मनोज कश्यप, श्याम बाबू साहू, मनोज चन्देल, श्याम पाल, ममता, कमाल उद्दीन, जया साहू, भूरे, अधिवक्ता सीएल गौतम, सलमान, कार्यालय अधीक्षक सूर्य प्रकाश सक्सेना, कर निर्धारण अधिकारी चन्द्र भूषण सिंह, राजेंद्र सिंह, लवी सिंह, केशव गंगवार, परवेज, लिपिक सचिन सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

हनुमान चालीस का किया गया पाठ

बदायूं, अमृत विचार : मकर संक्रांति के अवसर जिला उपाध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद महेशा सिंह के आवास पर हनुमान चालीसा का आयोजन किया गया। हनुमान चालीसा में विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता एवं मातृशक्ति उपस्थित रही । इस आयोजन पर जिला मंत्री, विनय प्रताप सिंह, नीरज कोचर, राजेश बाबू, देवकीनंदन शर्मा, अचल सक्सेना सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मकर संक्रांति उत्सव पर हुआ खिचड़ी भोज

म्याऊं, अमृत विचार : मकर संक्रांति पर उसहैत रोड स्थित भोले कृष्णा इंटरप्राइजेज पर खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। भोज सुबह से लेकर शाम तक खिचड़ी भोज अनवरत चलता रहा। लोगों ने पहुंचकर खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर गोविन्द पाठक, पंकज पाठक, बृजेश राठौर, राकेश पाल, अवधेश पाल, और रक्षपाल यादव का सहयोग रहा।

न्यूज ब्रीफ

सात साल की लापता बच्ची दो घंटे में बरामद

कुंवरगांव, अमृत विचार : कस्बा कुंवरगांव से लापता हुई सात साल की बच्ची को मिशन शक्ति की टीम ने सकुशल बरामद करके उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। परिजनों ने कुंवरगांव पुलिस की प्रशंसा की। कुंवरगांव के वार्ड तीन निवासी रेखा पत्नी धर्मपाल गुरुवार को अपनी सात साल की बेटी पवित्रा के साथ घर के पास अलाव ताप रही थीं। पवित्रा खेलते समय लापता हो गई। तलाश करने के बाद भी आसपास नहीं मिली। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। कुंवरगांव की मिशन शक्ति की टीम ने उसकी तलाश शुरू की। बच्चे को दो घंटों में बदायूं-आंवला मार्ग स्थित गांव देवी के पास मंदिर के पास से बरामद कर दिया। मिशन शक्ति की टीम में हेड कांस्टेबल मीना देवी, नीलम सक्सेना और दामिनी रहीं।

पति की दुकानों पर कब्जा करने का आरोप

उसहैत, अमृत विचार : उसहैत थाना क्षेत्र के गांव कटरा सहादतगंज निवासी अंजनी ने अपनी देवरानी, उसके बेटे पर कटरा के युवक के उकसाने पर उनके साथ मारपीट करने और मोबाइल छीनने का आरोप लगाया है। बताया कि उनके पति रामकृष्ण और उनके चार भाइयों की जमीन सड़क किनारे है। पति के हिस्से की जमीन और दो दुकानें हैं। देवरों ने चोरी से उनकी एक दुकान बेच दी। दूसरी दुकान पर पटान करके कब्जे का प्रयास कर रहे हैं।

कीचड़ और जलभराव से बदहाल कौआ नगला

कादरचौक, अमृत विचार : ब्लॉक के क्षेत्र में कौआ नगला से गढ़िया गंगवार को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग इन दिनों बदहाल स्थिति में पहुंच गया है। सड़क पर जगह-जगह कीचड़ और पानी भरा होने से आवागमन बेहद कठिन है। ग्रामीणों को रोजमर्रा के कार्यों, स्कूल जाने वाले बच्चों तथा मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क किनारे नालियां तो बनी हुई हैं, लेकिन उनकी नियमित साफ-सफाई न होने के कारण पानी सड़क पर फैल जाता है।

सफेद हाथी साबित हो रहा शौचालय

कुंवरगांव, अमृत विचार : गांव सालारपुर के प्रधान द्वारा लाखों रुपए की लागत से पटेल चौक पर चार वर्ष पहले सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया था ।ग्रामीणों कहना है कि काफी समय से केयरटेकर नहीं आ रही है। जिससे अब उस पर ताला लटका है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्वच्छ भारत मिशन को ठेंगा दिखाने का काम किया जा रहा है। सामुदायिक शौचालय में ताला लटके होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने अधिकारियों से शौचालय का ताला खुलवाने की मांग की है।

न्यूज डायरी

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती का मनाया जन्मदिन

उसहैत, अमृत विचार : कस्बे में बीएसपी कार्यालय पर पूर्व सीएम मायावती का 74वां जन्मदिन मनाया गया। गुरुवार को नगर कार्यालय पर बसपा कार्यकर्ताओं ने वहन कु. मायावती का 70 वां जन्मदिन धूमधाम से मनाते हुए दीर्घायु और स्वस्थ रहने की ईश्वर से कामना की। नगर अध्यक्ष ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष जितेंद्र कुमार गौतम, सतीश कुमार, प्रदीप भारती, रिंकू सिंह, ओमेंद्र कुमार, बच्चन सिंह, सोनू, प्रशांत, मुनीश आदि ने हर्षोल्लास के साथ जन्मदिन मनाया।

गांव लौटने पर खिलाड़ियों का किया जोरदार स्वागत

कादरचौक, अमृत विचार : ग्राम पंचायत लभारी में नेशनल कब्बडी जीत कर लौटे खिलाड़ियों का गुरूवार को ग्राम वासियों ने फूलमाला पहना कर स्वागत किया। खिलाड़ियों ने कहा कि यह गांव वालों के विश्वास की जीत है। पिछले दिनों लभारी के कुछ युवा नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने गए थे। प्रतियोगिता में जोरदार प्रदर्शन करने के बाद उन्होंने कई गोल्ड सफलता अर्जित कीं। यह खिलाड़ी आज अपने गांव लौटे तो ग्रामीणों ने उनका फूल माला से स्वागत किया। उनके उज्जवल भविष्य की कामना की, पुरस्कार पाकर सम्मानित विजेताओं के हौसले बुलंद थे। विजेताओं ने अपने माता-पिता के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर आदर्श कुमार . अमन कुमार, इन्दरपाल कश्यप, रजत शाक्य, विनोद कुमार, उमेश गुप्ता सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

मकरसंक्रांति पर रोटरी क्लब ने गरीबों में बांटे कंबल

बदायूं, अमृत विचार : गुरुवार को मकरसंक्रांति पर रोटरी क्लब ऑफ सेंट्रल की ओर से रजी चौक वर्मा प्रिंटिंग प्रेस के सामने कंबल वितरण का कार्यक्रम हुआ। जिसमें क्लब के पदाधिकारियोंने गरीबों में कंबल का वितरण किया। साथ ही चाय और समोसा भी बांटा। इस मौके पर अनिल गुप्ता, विपिन अग्रवाल, मुनेन्द्र कुमार सिंह, कुलदीप रस्तोगी, संजय रस्तोगी, अनिल गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

प्रधान पति ने दी जान से मारने की धमकी

ओरछी, अमृत विचार : पंचायत चुनाव पास आते ही ग्रामीण क्षेत्रों में गुटबंदी और वर्चस्व की जंग शुरू हो गई है। थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव सिसरका में चुनावी रंजिश को लेकर माहौल गरमाने लगा है। पूर्व प्रधान ने वर्तमान प्रधान पति पर शराब के नशे में घर के सामने आकर गाली-गलौज करने, जान से मारने की धमकी देने और अवैध असलहा गाड़ी में रखकर दहशत फैलाने का गंभीर आरोप लगाया है। पूर्व प्रधान नरेंद्र सिंह ने तहरीर देकर बताया कि बुधवार शाम गांव के प्रधान अपनी स्कॉर्पियो से उनके घर के दरवाजे पर आए। वह नशे में धुत थे। गाड़ी तीन संदिग्ध लोग बैठे थे। गाड़ी के डैशबोर्ड पर तमंचा रखा था। नरेंद्र सिंह को देखते ही उन्होंने प्रधानी का चुनाव न लड़ने की चेतावनी देते हुए गाली दी। विरोध करने पर सरेआम जान से मारने की धमकी दी। नरेंद्र के अनुसार प्रधान पति अपनी गाड़ी में सायरन बजाकर घूमता है। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके पास ऑडियो है जिसमें प्रधान के गाली-गलौज करने और सायरन बजने की आवाज सुनी जा सकती है।

गैंगस्टर में वांछित ईनामी महिला गिरफ्तार

पलिया कलां, अमृत विचार : एसओ पंकज त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त गैंगस्टर एक्ट मामले में 6 महीने से फरार चल रही थाना संपूर्णानगर के गांव हरि नगर त्रिकोलिया निवासी संदीप कौर को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। उस पर एसपी ने 25000 रुपये का ईनाम घोषित कर रखा था।

निजी अस्पताल में जच्चा बच्चा की मौत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- परिजनों ने किया हंगामा, अस्पताल स्टाफ पर लगाए आरोप

अमृत विचार : दहगवां क्षेत्र के कस्बा जरीफनगर में एक प्राइवेट अस्पताल पर गुरुवार को प्रसव के बाद जच्चा बच्चा की मौत हो गयी। मौत के बाद अस्पताल पर भारी हंगामा हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर लोगों को शांत किया।

कस्बे में माहेश्वरी अस्पताल पर गुरुवार दादरा निवासी गर्भवती महिला विमलेश को भर्ती कराया गया। कुछ देर बाद विमलेश को प्रसव पीड़ा हुई तो डाक्टरों ने किसी तरह प्रसव करा दिया। प्रसव के कुछ देर बाद नवजात की मौत हो गयी। जबकि प्रसूता विमलेश की हालत बिगड़ गयी। डाक्टरों ने प्रसूता को बचाने का प्रयास किया मगर सफलता नहीं मिली। जिसके बाद प्रसूता की मौत हो गयी। अस्पताल में जच्चा बच्चा की मौत की खबर मिलने पर पीड़ित के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया और लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल संचालक के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। हंगामा होने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गयी। पुलिस ने गुस्साए लोगों को शांत किया। पीड़ित परिवार का आरोप था कि उससे हजारों रुपए लेने के बाद भी महिला का प्रसव ठीक से नहीं कराया गया। जिससे जच्चा बच्चा की मौत हो गयी।

> दहगवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के एमओआईसी पीयूष सिंह ने बताया कि उन्हे इसकी जानकारी मिली है। शुक्रवार को वह टीम के साथ उक्त अस्पताल पर जाएंगे। पूरी पड़ताल करने के बाद अस्पताल संचालक से बात की जाएगी। अस्पताल रजिस्टर्ड है या नहीं। अस्पताल स्टाफ वहां से हट गयाहै। पुलिस ने मामला शांत करा दिया है। अब जांच के बाद ही आगे कुछ किया जाएगा।
> – **पीयूष सिंह**, एमओआईसी

बदमाशों ने युवक को घेरा किसी तरह बच गया

संवाददाता, बितरोई

- बदमाशों के रोकने के प्रयास पर बाइक छोड़कर दौड़ गया था युवक

अमृत विचार : थाना मुजरिया क्षेत्र में बदमाशों ने एक युवक को घेरने का प्रयास किया। युवक बाइक छोड़कर वापस दौड़ा और बच गया। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस ने जांच की। लेकिन बदमाशों के पता नहीं चल सका।

गांव चतुरी नगला निवासी केशव पुत्र सौदान गुरुवार शाम लगभग सात बजे बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। वह परमू और अपने गांव के बीच कच्चे रास्ते पर पहुंचे। घात लगाकर बैठे चार-पांच बदमाशों ने गाली-गलौज करते हुए उन्हें रोकने का प्रयास किया। केशव उनकी नीयत को समझ गए और अपनी बाइक वहीं छोड़कर वापस दौड़े। बदमाशों ने लगभग सौ मीटर तक उनका पीछा किया। भागते समय केशव ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब तक आरोपी भाग चुके थे। पुलिस के तलाश करने के बाद भी बदमाशों को पता नहीं चला है। ग्रामीणों ने पुलिस से इस कच्चे मार्ग पर गश्त बढ़ाने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक ज्योति सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी नहीं है। पता करके आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

बदायूं, अमृत विचार : बदायूं-बिजनौर हाईवे पर बुधवार रात ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। हादसा उझानी कोतवाली क्षेत्र में हाईवे स्थित बरामयखेड़ा के पास हुआ। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी कि एक ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी है। पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को जिला अस्पताल भेजा। मृतक की जेब से वार्ष्णेय ऑटोमोबाइल एजेंसी की पर्ची मिली है। जिस पर अनेक सिंह पुत्र रामपाल, बुधौली लिखा है। शव को मोर्चरी में रखवाया है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पूर्व में NAINSHI नाम था। जो मार्कशीट के अनुसार अब KM NANCY RANA हो गया है। मुझे आगे अब इसी परिवर्तित नए नाम से ही जाना पहचाना जाये। **KM NANCY RANA पुत्री VIRENDRA SINGH (वीरेंद्र सिंह) निवासी ग्राम व पोस्ट छेदिया पश्चिम, तहसील पलिया कलां, जिला खीरी।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र सुनील कुमार को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **चुन्नी लाल पुत्र हेमराज नि. ग्राम सुजनी थाना दियोरिया कलां तह. बीसलपुर जनपद पीलीभीत**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम Balavindar Singh s/o Guradeep Singh से बदलकर Balvinder Singh s/o Gurdeep Singh रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। **बलविन्दर सिंह पुत्र गुरदीप सिंह, निवासी- बाजार गंज, पोस्ट-डुडवा, तहसील - पूरनपुर, जिला- पीलीभीत (यूपी)**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

उत्तरायणी मेला: बिखरी पर्वतीय संस्कृति की खुशबू

मंच से कलाकारों ने अगले साल फिर मिलने का किया वादा, उत्साहित नजर आए दर्शक

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरुआत
- बाल साहित्यकार ललित शौर्य समेत कई हस्तियों को सम्मानित किया गया

अमृत विचारः उत्तरायणी मेले के आखिरी दिन सांस्कृतिक रंगों और जन उत्साह का संगम देखने को मिला। खचाखच भरे मेला परिसर में मंच पर एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों का दौर देर शाम तक जारी रहा। अंत में देवभूमि के दर्शन कराते हुए अगले वर्ष फिर आने का वादा कर उत्तरायणी मेले ने विदा ली। मेले के सफल आयोजन के उपलक्ष्य में बरेली क्लब मैदान पर पंडित रमेश जोशी के साथ अध्यक्ष अमित पंत, महामंत्री मनोज पांडेय, कोषाध्यक्ष कमलेश बिष्ट, रमेश शर्मा, पीसी पाठक, तारा जोशी, रामेश्वर पांडेय, डॉ. अनिल बिष्ट बोहरा ने हवन-पूजन किया।

उत्तरायणी जनकल्याण समिति की ओर से चल रहे रहे उत्तरायणी मेले के सुबह के सत्र की शुरुआत मुख्य अतिथि जेसी त्रिपाठी (आईडीएएस) ने की। आनंद रतूडी ने मंच संचालक एवं बाल साहित्यकार ललित शौर्य को सम्मानित किया। संध्याकालीन सत्र का शुभारंभ उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी एवं ब्रिगेडियर शशांक बहुगुणा ने किया। उनके साथ पूरन दानू, ललित शौर्य, मुकुल भट्ट, जगदीश सती, विनोद जोशी, चंदन नेगी सहित आदि उपस्थित रहे। अल्मोड़ा से आई गोकुल बिष्ट की टीम ने झोड़ा-छपेली लोकनृत्य प्रस्तुत किया।

थारू समाज की बंटी राणा की टीम ने शानदार प्रस्तुति देकर समा बांध दिया। सुप्रसिद्ध लोकगायिका माया उपाध्याय ने 'हाय ककरीझील मा' और 'क्रीम पाउडर घोसनी किला' जैसे गीतों से माहौल को खुशनुमा बना दिया। सुपरस्टार किशन महिपाल के मंच पर आते ही 'जिया कोरी-कोरी खांदी' गीत पर मैदान के भीतर और बाहर दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। जीवन राम की छोलिया टीम की प्रस्तुतियों ने पूरे ग्राउंड का तापमान बढ़ाए रखा।

देर रात तक मेला परिसर में भारी भीड़ उमड़ी रही। बद्री घी, तिवारी स्वीट्स, लोहाघाट ग्रोथ सेंटर और फूड प्लाजा पर स्टालों पर खूब चहल-पहल रही। अध्यक्ष अमित पंत ने सभी का आभार व्यक्त किया। वर्ष 2027 में पुनः मिलने का वादा किया। दिनेश, रामू, पूरन मेहरा, कैलाश उपाध्याय, प्रकाश पाठक, ब्रजेश मिश्रा, जीवन मेहरा आदि का विशेष योगदान दिया।

पर्वतीय औषधियों की हुई बिक्री

उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों की औषधियों और स्थानीय उत्पादों की बिक्री ने खरीदारों को आखिरी दिन भी खूब आकर्षित किया। उत्तराखंड का बांस का अचार, हल्दी, लहसुन, आम, मशरूम, मिक्स हरी मिर्च, कटहल, नींबू, आंवला, करौंदा और गलगल के अचार खरीदारों के बीच सबसे ज्यादा लोकप्रिय रहे। मडुवा का आटा, चिप्स, भुजिया, गहत की दाल और भट की नमकीन ने भी लोगों का ध्यान खींचा। विक्रेताओं ने बताया कि पहाड़ी औषधियों और अचार की बिक्री ने उन्हें अच्छा मुनाफा दिया।

पीटीओ ने बाइक समेत 35 वाहनों के किए चालान

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

बाइक सवार को समझाते पीटीओ डॉ. कौशलेंद्र सिंह।

अमृत विचारः सड़क सुरक्षा माह के तहत सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग ने गुरुवार को सड़क नो हेलमेट-नो फ्यूल अभियान चलाया, जिसके तहत बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 35 वाहनों के चालान काटे गए।

गुरुवार को पीटीओ डॉ. कौशलेंद्र के नेतृत्व में परिवहन विभाग की टीम ने जनपद के विभिन्न पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। इस दौरान बिना हेलमेट पेट्रोल लेने पहुंचे वाहन चालकों को नियमों के प्रति जागरूक किया गया और नियमों का उल्लंघन करने पर चालान की कार्रवाई की गई। साथ ही पेट्रोल पंप संचालकों को सख्त निर्देश दिए कि बिना हेलमेट किसी भी दोपहिया वाहन को पेट्रोल न दिया जाए। इसके अलावा ऐरा शुगर मिल परिसर में संचालित वाहनों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में बिना रिफ्लेक्टर चल रहे वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगवाए गए। पीटीओ डॉ. कौशलेंद्र ने कहा कोई भी वाहन बिना रिफ्लेक्टर के संचालित न हो, क्योंकि रिफ्लेक्टर दुर्घटनाओं को रोकने में अहम भूमिका निभाते हैं।

कनेक्शन काटने पर विद्युत कर्मियों से मारपीट

बरेली, अमृत विचार : सराय तल्फी सबस्टेशन के जेई साजन कुमार ने बताया कि इस समय बिजली बिल राहत योजना चलाई जा रही है। जिसमें बकाया बिल पर लगा ब्याज माफ किया जा रहा है। 30 नवंबर को रोंधी गांव में प्रधान के घर पर चौपाल लगाकर योजना की जानकारी दी गई थी। कमला देवी के कनेक्शन पर 84 हजार रुपये बकाया बिल था। 12 दिसंबर को उनका कनेक्शन काट दिया। 12 जनवरी को गांव में कैंप लगाकर बिल जमा कराया जा रहा था। टीजी टू नीरज साहू, अनिल कुमार, संविदा कर्मचारी धर्मपाल, अजय कुमार, रोहितास के साथ टीम कमला देवी के धक बकाया बिल वसूली को पहुंची। आरोप है कि टीम के साथ परिजनों ने मारपीट की। पुलिस ने हरवेंद्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

संभल और मुरादाबाद में आग में जलकर दो महिलाओं की मौत

कार्यालय संवाददाता, संभल/ मुरादाबाद

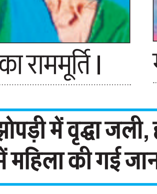

मृतका राममूर्ति।

मृतका हुमा उस्मानी।

- झोपड़ी में वृद्धा जली, हीटर से लगी आग में महिला की गई जान

अमृत विचारः संभल और मुरादाबाद में आग से दो महिलाओं की जिंदा जलकर मौत हो गई। संभल में संदिग्ध परिस्थितियों में झोपड़ी में आग लगने से वृद्धा की मौत हो गई। वहीं मुरादाबाद में हीटर से लगी आग में मशहूर शायर मंसूर उस्मानी की बेटी की जान चली गई।

धनारी थाना क्षेत्र के खलीलपुर गांव में राममूर्ति (70) पत्नी स्वर्गीय रामलाल अपने घेर में बनी झोपड़ी में अकेली सो रही थी। बृहस्पतिवार की शाम अचानक झोपड़ी से लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। वृद्धा को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और झुलसकर मौत हो गई। क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने मौका मुआयना किया। फॉरेंसिक टीम ने आग लगने के कारणों की जांच के लिए मौके से साक्ष्य एकत्र किए।

वहीं मुरादाबाद के बारादरी क्षेत्र की हम्माम वाली गली में घर के ऊपर वाले कमरे में बुधवार की रात मशहूर शायर मंसूर उस्मानी की बेटी 40 वर्षीय हुमा उस्मानी हीटर जलाकर सो रही थी। रात करीब तीन बजे हीटर में शॉर्ट सर्किट से कमरे में आग लग गई। कमरे में आग की लपटें उठीं तो परिजनों को पता चला। कमरा अंदर से बंद था। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी ज्ञान प्रकाश शर्मा दो फायर टैंकर लेकर पहुंचे और एक घंटे की कोशिश के बाद आग को बुझाया जा सक। तब तक हुमा उस्मानी की जलकर मौत हो गई। सीओ सिटी सुनीता दहिया और कोतवाली प्रभारी राजेश सिंह ने मौका मुआयना किया।

मढ़िया घाट में हुआ गो चेतना एवं गो प्रेरणा महोत्सव

संवाददाता, मैगलगंज

- मकर संक्रांति पर गो सेवा व संरक्षण का दिया संदेश

अमृत विचारः महौली-सीतापुर के मढ़िया घाट पर गो चेतना एवं गो प्रेरणा महोत्सव का आयोजन सुखधाम गो अनुदान सेवा समितृि महौली (सीतापुर) ने आयोजित किया।

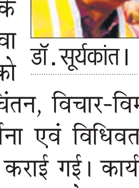

डॉ. सूर्यकांत।

महोत्सव के दौरान गो सेवा और गो रक्षा को लेकर गहन चिंतन, विचार-विमर्श, सामूहिक प्रार्थना एवं विधिवत गो आरती संपन्न कराई गई। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे जलपान से हुई। इसके बाद दोपहर 12 बजे गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ताओं ने गोमाता के महत्व, संरक्षण की आवश्यकता और सामाजिक सहभागिता पर अपने विचार रखे। अपराह्न 3 बजे से गो रस से परिपूर्ण भोजन प्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

इस अवसर पर सुखधाम गोमाता मौजूद रहीं, जिनके सान्निध्य में पूरा वातावरण भक्तिमय और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण रहा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्याम बिहारी गुप्ता अध्यक्ष गो सेवा आयोग, विष्णु दत्त मिश्रा अध्यक्ष, राज्य ललित कला अकादमी, अवधेश कुमार सिंह, डॉ. सूर्यकांत त्रिपाठी एचओडी, केजीएमयू., लखनऊ व राजेश शुक्ला जिला अध्यक्ष भाजपा सीतापुर मौजूद रहे। उधर, मैगलगंज से पूर्व प्रधान कमल बिहारी गुप्ता, रामकुमार गुप्ता, पवन गुप्ता सहित अनेक नागरिक संत-महात्मा और गो भक्त शामिल हुए। समापन पर आयोजकों ने गो सेवा को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

ईरान पर कब्जा करना चाह रहा अमेरिका : रजवी

बरेली, अमृत विचार : ईरान में हो रहे प्रदर्शन पर आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी ने गुरुवार को कहा कि ईरान की सूरत-ए-हाल बहुत बिगड़ चुकी है। वहां पर हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। इन हिंसक प्रदर्शनों के पीछे अमेरिका और इजरायल का हाथ है।अमेरिका काफी सालों से ईरान की आर्थिक स्थिति को कमजोर करने में लगा हुआ है, अमेरिका ने तरह-तरह की पाबंदिया लगा रखी हैं, जिससे ईरान कमजोर हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका ईरान पर कब्जा करना चाहता है।

मौलाना ने कहा कि अमेरिका ये भी चाहता है कि वहां मौलाना खामनाई की हुकूमत खत्म हो जाए। पूर्व शासक रजा शाह पहलवी के बेटे को सत्ता सौंप दी जाए, लेकिन ऐसा होना बहुत मुश्किल है। पूर्व शासक रजा शाह पहलवी के बेटे अमेरिका के पिट्ठू हैं और वहीं रहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के मुसलमानों की ख्वाहिश है और दुआ करते हैं कि पूरी दुनिया में सुकून, अमन और शांति हो। अमेरिका की दादागिरी और तानाशाही भी खत्म हो। धरना-प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक व्यवस्था में कुछ भी गलत नहीं है।

दुर्घनाएं रोकने के लिए निकाली जागरुकता रैली

- विंध्या टेलीलिंक्स ने लखीमपुर रोड कुनैठिया से रैली निकालकर किया जागरूक

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचारः जल जीवन मिशन परियोजना के अंतर्गत काम करने वाली संस्था विंध्या टेलीलिंक्स के अधिकारी और संस्था कर्मचारियों द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत रैली निकाली गई।

कोहरे में सड़क दुर्घटना में बढ़ोतरी को देखते हुए सरकार ने अहम कदम उठाए है। हर साल जनवरी माह में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत जागरुकता कार्यक्रम चलाया जाता है। इसी कड़ी में विंध्या टेलीलिंक्स के कर्मचारियों ने कुनैठिया कोल्ड स्टोर से हनुमान मंदिर तक एक किलोमीटर पैदल रैली निकालकर लोगों में जागरुकता फैलाई और यातायात नियमों का पालन करने वालों को परियोजना के तरफ से चॉकलेट देकर उन्हें प्रोत्साहित किया।

जल जीवन मिशन के अधिकारी अखिलेश ने बताया कि वर्तमान समय में सड़क सुरक्षा चिंता का विषय है। बीते कुछ सालों में सड़क दुर्घटना के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसको लेकर सरकार ने भी सक्रिय होते हुए कुछ अहम कदम उठाए हैं। हर साल 11 से 17 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है। यह सप्ताह लोगों में जागरुकता बढ़ाने और जिम्मेदार तरीके से वाहन चलाने को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों के बीच सड़क सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता देने और सड़क दुर्घटना के मामलों को कम करने का है।

प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आवंला बरेली।

नीलामी–सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस संस्थान मे विभिन्न प्रजातियो के 32 पेंडो/वृक्षो जहाँ है जिस स्थिति मे है जैसे है, की सार्वजनिक नीलामी संस्थान के प्रांगण मे दिनांक–22 जनवरी 2026 को अपरान्ह 1:30 बजे निर्धारित शर्तो के अधीन की जायेगी।

इच्छुक केता उक्त तिथि से 2 दिन पूर्व किसी भी कार्य दिवस मे संस्थान मे स्वयं के व्यय पर पधारकर पेंडो/वृक्षो को देख सकते है तथा शर्तो की जानकारी प्राप्त कर सकते है।

पेंडो/वृक्षो की नीलामी मे बोली लगाने से पूर्व (विडर) इच्छुक व्यक्ति को शासकीय बोली हेतु (न्यूनतम रूपये–5000.00) धरोहर/जमानत के रूप मे धनराशि संस्थान के कैशियर के पास नकद जमा कराना होगा। धनराशि जमा कराने के पश्चात ही इच्छुक व्यक्ति नीलामी प्रकिया मे भाग ले सकेगा।

नीलामी मे भाग लेने के लिए बोली इन्छुक व्यक्तियो को एक फोटोयुक्त आई0डी0 की छायाप्रति जोकि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्य हो एवं दो फोटो लाना आवश्यक है(जैसे आधार कार्ड व अन्य),जी0एस0टी0 पंजीकरण प्रमाण–पत्र की छायाप्रति एवं पैन कार्ड की छायाप्रति लाना आवश्यक हैं।

नीलामी हेतु अन्य नियम एवं शर्ते की जानकारी संस्थान के कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

दिनांक–

(शिव कुमार शर्मा)
प्रधानाचार्य/अध्यक्ष
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
आवंला बरेली।

UP – 243941 दिनांक: 14/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली निविदा

राष्ट्रपति भारत सरकार की ओर से मण्डल इंजीनियर/यांत्रिक कारखाना वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक यांत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिये आनलाईन (ई–टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। क्रम सं. 01, ई–निविदा सूचना सं० एवं निविदा कार्य का विवरण : DEN-MWS-2026-01- प्रापोज्ड न्यू हाईड्रेन्ट पॉइंट इन मैकेनिकल वर्क शॉप गोरखपुर। (एज पर ड्राइंग नं. G/LT-1117), अनुमानित लागत: रू० – 73,76,978.60, धरोहर राशि : रू० 1,47,500.00, निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय 14.02.2026, 11.00 बजे। इस ई–निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट संख्या www.ireps.gov.in पर देखें।

मुख्य कारखाना प्रबन्धक/यां०कार०/गोरखपुर
मुजाधि/यांत्रिक – 123

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना

सं. 15 वर्ष 2025–26

अधोलिखित कार्यो के लिये मुहरबन्द खुली निविदायें भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूरसंचार), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैं:– **कार्यो का विवरण:–** 1. इज्जतनगर मंडल के विभिन्न यार्ड की मॉनीटरिंग हेतु सी.सी.टी.वी. कैमरों का प्रावधान।, **अनुमानित लागत:–** ₹ 2,55,51,407.31, **बयाना राशि:–** ₹ 2,77,800, **कार्य समापन अवधि:–** 6 माह, ई–निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः– दिनाँक 06.02.2026 को 11:00 बजे, • पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दी गयी है। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहियें।

वरि.मंडल सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर
मुजाधि/सिग्नल–88 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालयः–प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एंव कृषि प्रक्षेत्र मंझरा, लखीमपुर–खीरी।

पत्र सं0– 963 /जई कटाई–मड़ाई/भूसा बनायी ठेका पत्रा0/मंझरा/2025–26/दिनांक–02.01.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय पशुधन एंव कृषि प्रक्षेत्र मंझरा लखीमपुर–खीरी जो कि लखीमपुर शरदानगर मार्ग पर 09 किमी0 की दूरी पर स्थित है, पर वर्ष 2025–26 में बोई गयी रबी जई बीज फसलों की कटाई–मड़ाई एवं यथा निर्दिष्ट स्थान पर आनाज पहुंचाने तथा गिराने के कार्य एवं रीपर मशीन द्वारा भूसा बनायी व सम्पूर्ण भूसा डेयरी गोदाम के अन्दर तक पहुँचाना/रखना प्रति ट्राली क्षमता 10.00 कुं0 के कार्य हेतु निविदाऐं बन्द लिफाफे में आमन्त्रित की जाती है। प्रत्येक वस्तु के लिए अलग–अलग टेण्डर खरीदने होंगे। निविदा प्रपत्र का मूल्य रू0–500.00 तथा जी0एस0टी0 नियमानुसार अलग से देय होगा, जो वापस नही होगा। अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय से निविदा प्रपत्र दिनांक–23.01.2026 से दिनांक–30.01.2026 को दिन के 12:00 बजे तक कार्यालय कार्य दिवस में क्रय किया जा सकता है। जो दिनांक–30.01.2026 को दिन के 1:00 बजे तक सील बन्द लिफाफे में अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय के निविदा बाक्स में जमा करना होगा। टेण्डर के साथ अलग–अलग निर्धारित जमानत धनराशि रू0–50000.00 (रू0 पचास हजार मात्र) नगद तथा एफ0डी0आर0 के रूप में जो प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एंव कृषि प्रक्षेत्र, मंझरा, लखीमपुर–खीरी के नाम देय हो, जमा कराना होगा। बिना अमानत धनराशि जमा किये टेण्डर स्वीकार नही होंगे। सर्व प्रथम दिनांक–30.01.2026 को ही दिन में 02:00 बजे मण्डलीय क्रय–विक्रय परिषद के समक्ष खुली बोली करायी जायेंगी, उसके उपरान्त निविदा (टेण्डर), उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष खोली जायेगी एंव खुली बोली/निविदा में प्राप्त धनराशि का मिलान किया जायेगा। जिसमें सबसे कम/उचित दर प्राप्त होगा, उसी निविदा दाता को कार्य का ठेका देने हेतु क्रय–विक्रय परिषद द्वारा संस्तुति पर विचार किया जायेगा। मण्डलीय क्रय विक्रय परिषद को यह अधिकार सुरक्षित होगा कि वह बिना कारण बताये किसी एक या सभी निविदाओं को निरस्त कर सकता है। खुली बोली/टेण्डर सम्बन्धी कोई जानकारी किसी भी कार्य दिवस में अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में आकर ज्ञात किया जा सकता है। नियम व शर्तें टेण्डर फार्म के साथ उपलब्ध करायी जायेंगी। खुली बोली में वही व्यक्ति भाग लेगा, जिसके द्वारा कार्यालय में टेण्डर फार्म क्रय कर अमानत की धनराशि नगद तथा एफ0डी0आर0 के रूप में जमा कर दी गयी होगी। सभी टेण्डर दाताओं की उपस्थिति टेण्डर खोलने के समय अनिवार्य होगी। टेण्डर दाताओं की बाद में कोई आपत्ति मान्य नही होगी। प्रत्येक फर्म से केवल एक ही व्यापारी अथवा उसके द्वारा नामित प्रतिनिधि नीलामी प्रक्रिया में प्रतिभाग करेगा। रू०–10.00 के स्टाम्प पेपर पर प्रतिनिधि नामित किये जाने का प्राधिकार पत्र नामित व्यक्ति के आधार कार्ड की प्रमाणित छायाप्रति सहित निविदा के समय कार्यालय में जमा करना होगा। सशर्त कोई निविदा मान्य नहीं होगी। किसी विषम परिस्थितियों में टेण्डर खोलने की तिथि व समय बिना किसी पूर्व सूचना के परिवर्तित किया जा सकता है। नोटः–विस्तृत जानकारी व अन्य शर्तें किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में आकर ज्ञात की जा सकती है।

क्रम सं0	वस्तु का नाम	अमानत राशि (रू0में)	क्षेत्रफल (हे0 में)
01	जई फसल की कटाई–मड़ाई गोदाम तक आनाज पहुंचाना	50000.00	105.00 हे0
02	रीपर से भूसा बनाई व सम्पूर्ण भूसा डेरी गोदाम के अन्दर तक पहुंचाना/रखना (प्रति ट्राली क्षमता 10 कुं0)	50000.00	105.00 हे0

(जितेन्द्र कुमार)
प्रक्षेत्र प्रबन्धक,
राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र,
मंझरा, लखीमपुर–खीरी।

UP – 243985 दिनांक: 14/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 270/141सी0(ई0टेण्डर)–3/25–26 दिनांकः 09.01.2026

अल्पकालीन ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन–लाइन ई–निविदा दिनांक 17.01.2026 से दिनांक 24.01.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 24.01.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी (मार्ग कार्य हेतु)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	एल0बी0 मार्ग से सिमरिया सम्पर्क मार्ग की विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 शाहजहाँपुर	46.90	4.35	2725.00	02 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)
2	उदयपुर कटैया मार्ग से अम्बेडकर पार्क तक मार्ग की विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)		46.10	4.31	2725.00	02 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(महेन्द्र कुमार पाल)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP – 243942 दिनांक: 14/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–प्रापण निविदा सं:
उप मु.इं.-निर्माण-एलजेएन-11-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं:–

क्रम सं.-1, खुली निविदा संख्याः उप मु.इं.-नि.-एलजेएन-11-2025, दिनांक 13-01-2026, कार्य का नामः सीतापुर-मैलानी खण्ड में झरेखापुर हाल्ट को 3 लाईन क्रॉसिंग स्टेशन में परिवर्तन तथा देवकली हाल्ट को 3 लाईन क्रॉसिंग स्टेशन में परिवर्तन के साथ लाईन सं.-3 पर गुड्स प्लेटफार्म का कार्य। अनुमानित निविदा मूल्यः ₹ 36,41,58,217.18, बयाना राशिः ₹ 19,70,800/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः -निल-, कार्य पूर्ण करने की अवधिः 12 (बारह) माह।

• क्रम सं.-1, ई-टेण्डर डालने की अन्तिम तिथि 06-02-2026 समय 15:00 बजे तक है तथा उसी दिन 15:30 बजे मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर के कार्यालय में खोली जायेगी। • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट *https://www.ireps.gov.in* अथवा वेबसाइट *www.ner.indianrailways.gov.in* पर भी देखा जा सकता है। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण-I,
मुजाधि/डब्लू-416 लखनऊ जं.

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, शाहजहॉपुर

पत्रांक : 20/ई0–टेण्डर/4ए दिनांक: 05.01.2026

ऑन–लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, शाहजहॉपुर के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई–निविदा दिनांक 22.01.2026 से दिनांक 30.01.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 30.01.2026 को ही अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्रम सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	निविदा की जमानत धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (टेण्डर फीस + स्टेशनरी चार्ज+जी0एस0टी0)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों का आवश्यक पंजीकरण
1	2	3	4	5	6	7
1	गुल्लाह सम्पर्क मार्ग के किमी0–1 में पड़ने वाले सेतु का सुरक्षात्मक कार्य।	20.85	2.09	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)
2	एम0एफ0 मार्ग से गंगौरा सम्पक मार्ग पर सेतु का सुरक्षात्मक कार्य।	16.15	1.62	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)
3	मदनापुर कलान गढ़िया छवि बदायूँ बार्डर मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग सं0–104सी) के किमी0–35 में सोत नदी पर पड़ने वाले सेतु के सुरक्षात्मक कार्य।	29.75	2.98	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)
4	एम0एफ0 मार्ग से लक्ष्मणपुर में सोत नदी पर पड़ने वाले आर0सी0सी0 सेतु एवं पहुँच मार्ग पर सुरक्षात्मक कार्य एवं स्टोन पिचिंग मरम्मत का कार्य।	30.00	3.00	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)
5	पुवायॉं निगोही तिलहर जैतीपुर दातागंज बदायूँ मार्ग (राज्य मार्ग सं0–126) बहगुल नदी पर पड़ने वाले पुल की मरम्मत का कार्य।	11.60	1.16	856.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)
6	डरी से बरूआ मार्ग के बीच सुकन्ना नदी पर आर0सी0सी0 पुलिया/लघु सेतु का सुरक्षात्मक कार्य।	23.30	2.33	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)
7	खजुरी गढ़ी रासो नगरिया से कुठला ब्रहमनगला होते हुये बम्हनी चौकी सम्पर्क मार्ग पर सेतु का सुरक्षात्मक कार्य।	18.25	1.83	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.inपर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP-243929 दिनांक 14.01.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0 शाहजहॉपुर

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना सं0: DCE-BL-03-04-2026

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु ई–निविदा आमन्त्रित करते है

क्र0सं0 1:– ई–निविदा सं0– DCE-BL-03-2026, कार्य का विवरणः पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल पर स्थित पुल सं0–172DN (5x18.3m), 8, 57, 59DN (3X12.20m), 9(3x12.20m) 1UP (3X12.2), 3UP (3X12.20m), 178UP, 82DN, 59UP (3X12.20), 120UP, 125DN, 172UP (5x72.20m), 68UP, 9DN, 17DN, 2, 1DN, 3DN, 39UP, 59UP, 66UP पर साईड पाथवे का प्रावधान। अनुमानित लागतः ₹ 4,80,22,118.21, बयाने की राशिः ₹ 3,90,100.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य – शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने के तिथि से कार्य की समापन अवधि – 18 (अट्ठारह) माह।

क्र0सं0 2:– ई–निविदा सं0– DCE-BL-04-2026, कार्य का विवरणः पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल पर स्थित पुल सं0–133UP, 149UP, 160UP, 172UP (6x12.2m), 173UP (5x12.2m), 38, 59UP (2X12.20), 61 UP, 171UP (2x18.30m), 97DN, 103DN, 133DN, 32, 56/71, 112DN 173 (5x12.20m), 171DN(2x18.30m), 5, 5UP, 5DN, 9 (1x24.40m), 11, 35/37, 38/41, 48 /59, 65, 16 पर साईड पाथवे का प्रावधान। अनुमानित लागतः ₹ 4,72,89,559.93, बयाने की राशिः ₹ 3,86,500.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य – शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने के तिथि से कार्य की समापन अवधि – 18 (अट्ठारह) माह।

ई–निविदा खुलने की तिथि दिनांक 06.02.2026 को 11.00 बजे। ई–निविदा की प्राप्ती की तिथि दिनांक 06.02.2026 को 10.59 बजे। ई–निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण बेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन
मुजाधि/डब्लू–417 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

सेक्शन–1

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल बरेली।

पताः– निकट डी0एम0 कम्पाउन्ड, स्टेशन रोड, बरेली।

–:: ई–प्रक्योरमेन्ट सूचना ::–

पत्रांकः–1133/ग्रा0अ0वि0/निविदा–पत्रा0 शाहजहॉपुर/ई–निविदा/2025–26/दिनांकः– 05.01.2026

1. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल–बरेली के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उत्तर प्रदेश में ए, बी एवं सी श्रेणी भवन में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती हैं। बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न बिल ऑफ क्वांटिटी की अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित हैं। जी0एस0टी0 का भुगतान सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार अलग से किया जायेगा। निविदादाता निम्न कार्यों के लिए निविदा डाल सकता है। निविदादाता से अपेक्षा की जाती है कि निविदा डालने से पूर्व निविदा प्रपत्र में अंकित एस0बी0डी0 के अन्तर्गत न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में शर्तो का भलिभाँति अध्यन कर लें।

2. कार्यों से सम्बन्धित विवरण निम्नवत् है :–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कुल अनुमानित लागत (लाख रू0 में) जी0एस0टी0 रहित	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र मूल्य + स्टेशनरी + जी0एस0टी0 (रू0 में)	कार्य को पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	शाहजहॉपुर	जनपद–शाहजहॉपुर की तहसील तिलहर में अग्निशमन केन्द्र के प्रशासनिक भवन (अनावासीय भवन) का नव-निर्माण कार्य।	299.11	5.99	2714.00	12 माह	श्रेणी–ए (भवन)
2	शाहजहॉपुर	कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, शाहजहॉपुर के प्रांगण में रिकार्ड रूम, सर्व शिक्षा अभियान कार्यालय तथा कैण्टीन भवन का निर्माण कार्य।	63.58	1.28	2354.00	06 माह	श्रेणी–ए, बी एवं सी (भवन)

3. वेबसाइट पर निविदा प्रकाशित होने की तिथि :– 17.01.2026
4. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि एवं समय :– 17.01.2026
5. प्रीबिड मीटिंग की तिथि एवं समय :– 28.01.2026 समय अपराह्न 12:00 बजे
   बैठक हेतु स्थल :– कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल बरेली।
6. बिड डाक्यूमेन्ट डाउनलोड प्रारम्भ करने की तिथि एवं समय :– 27.01.2026, प्रातः 10:00 बजे
7. ई–निविदा के माध्यम से ई–निविदा डालने की प्रारम्भ तिथि :– 27.01.2026, प्रातः 10:00 बजे
8. ई–निविदा के माध्यम से ई–निविदा डालने की अन्तिम तिथि एवं समय :– 16.02.2026, सांयः 04:00 बजे तक
9. ई–निविदा के माध्यम से प्राप्त निविदा निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 16.02.2026, सांयः 04:30 बजे
10. टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा।
11. ई–निविदा ऑनलाईन बेवसाइट *http://etender.up.nic.in* पर उपलब्ध होगी एवं इसी साइट पर डाली जाएगी।
12. निविदा आमंत्रणकर्ता को आई0टी0बी0 के क्लॉज–10 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।

(राजेश कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
परिमण्डल–बरेली।

UP – 243936 दिनांक: 14/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

न्यूज ब्रीफ

सपा सरकार बनने पर महिलाओं को हर साल मिलेंगे 40 हजार रुपये

अमृत विचार, लखनऊ: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश

में विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही बुलडोजर का पता नहीं चलेगा। यूपी की जनता भाजपा को डिटेंशन सेंटर में भेज देगी। 2027 में सपा सरकार बनने पर किसानों, नौजवानों, गरीबों, महिलाओं के हित में काम होगा। शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार कर विकास होगा। गरीबों का मुफ्त इलाज होगा। महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये दिया जायेगा। सपा जो वादा करती है, उसे पूरा करती है। सपा प्रमुख पार्टी मुख्यालय पर गुरुवार को विभिन्न जिलों से आये नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा जब कमजोर होती है तो और सांप्रदायिक हो जाती है। भाजपा नेता 'आरोप जीवी' हैं। इन लोगों का काम सिर्फ सपा पर आरोप लगाना है। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा की सरकार में महिलाओं को पेंशन दी गई थी। छात्राओं को कन्या विद्या धन दिया गया था। बहन बेटियों की सुरक्षा के लिए 1090 वूमेन पावर लाइन शुरू की गई थी। 102 और 108 एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई थी।

सघन टीबी रोगी खोज अभियान फरवरी से

अमृत विचार, लखनऊ: फरवरी से प्रदेशभर में 100 दिवसीय विशेष सघन टीबी रोगी खोज अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने के लिए सांसदों से लेकर पार्षदों तक को जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य महानिदेशक ने इस संबंध में सभी अपर निदेशकों और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। स्वास्थ्य सचिव डॉ. पिंकी जोवल ने गुरुवार को बताया कि प्रदेश में सघन टीबी खोज अभियान वर्ष 2024 से चलाया जा रहा है, वर्ष 2015 की तुलना में प्रति एक लाख आबादी पर टीबी मरीजों की संख्या में 17 प्रतिशत और टीबी से होने वाली मृत्यु दर में भी 17 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इसी सफलता को आगे बढ़ाने के लिए फरवरी से नया विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है। स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. आरपी सिंह सुमन ने कहा कि सभी सीएमओ को निर्देश दिए गए हैं कि वे आगामी दो माह में सांसदों के साथ जिला स्तरीय समीक्षा बैठकें करें और उन्हें नि:क्षय शिविरों सहित जनजागरूकता कार्यक्रमों में शामिल करें।

नई नीति में डिस्टिलरी प्लांट को बढ़ावा

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में औद्योगिक निवेश को नई गति देने और राजस्व संसाधनों को मजबूत करने की दिशा में प्रदेश सरकार एक और अहम कदम उठाने जा रही है। आबकारी विभाग द्वारा नई आबकारी नीति 2026-27 को लेकर व्यापक मंथन किया जा रहा है। प्रस्तावित नीति के तहत प्रदेश में डिस्टिलरी प्लांट्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ स्पिरिट, अल्कोहल एवं इससे जुड़े उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने की तैयारी की जा रही है। प्रदेश सरकार ने पहले ही आबकारी विभाग को राजस्व बढ़ाने और उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के निर्देश दिए थे। इन्हीं निर्देशों के अनुपालन में नई नीति का प्रारूप तैयार किया जा रहा है। सरकार का मानना है कि मजबूत आबकारी नीति से जहां एक ओर राजस्व में वृद्धि होगी, वहीं दूसरी ओर औद्योगिक निवेश और रोजगार सृजन को भी बल मिलेगा। नई आबकारी नीति में लाइसेंस प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

योगी ने सीटी बजाकर गुरु गोरखनाथ को किया प्रणाम

बाबा का खप्पर भरने श्रद्धा की अंजुरी में खिचड़ी लेकर नेपाल-बिहार से लेकर देशभर से पहुंचे लाखों श्रद्धालु

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार: मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर आस्था, परंपरा और लोकमंगल की विराट चेतना का साक्षी बना। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को ब्रह्म मुहूर्त में गर्भगृह में भूमि पर बैठकर, सीटी बजाकर गुरु गोरखनाथ को प्रणाम किया। विधिविधान से श्रीनाथ जी का पूजन कर गोरक्षपीठ की ओर से खिचड़ी का भोग अर्पित किया। योगी द्वारा भोग अर्पण के बाद मंदिर के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। बाबा का खप्पर भरने श्रद्धा की अंजुरी में खिचड़ी लेकर लाखों श्रद्धालु उमड़े। पूरे दिन कतारें लगी रही।

गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ की प्रतिमा के समक्ष खिचड़ी का भोग अर्पित करते मुख्यमंत्री योगी।

सीटी बजाकर गुरु गोरखनाथ को प्रणाम करते मुख्यमंत्री योगी।

योगी ने शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ को नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार पहले आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाई। इसके बाद उन्होंने मंदिर में विराजमान अन्य देव विग्रहों का पूजन किया तथा योगिराज बाबा गंभीरनाथ, दादागुरु महंत दिग्विजयनाथ, गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ और अन्य नाथ योगियों की प्रतिमाओं के समक्ष शीश नवाकर भोग अर्पित किया।

योगी द्वारा भोग अर्पण के बाद मंदिर के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इसके साथ ही बाबा का खप्पर भरने की त्रेतायुगीन परंपरा का अनुपालन करते हुए श्रद्धालु श्रद्धा की अंजुरी में खिचड़ी लेकर नतमस्तक होते रहे। उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों और पड़ोसी देश नेपाल से आए लाखों श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर महायोगी गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाई। नेपाल राजपरिवार की ओर से भेजी गई खिचड़ी भी श्रद्धापूर्वक अर्पित की गई। मकर संक्रांति पर मंदिर परिसर में खिचड़ी सहभोज का आयोजन हुआ, जहां जाति, वर्ग और हैसियत का भेद मिटाकर सभी ने प्रसाद ग्रहण किया।

पूरे दिन नहीं टूटी कतारें जयकारों से गूंजा परिसर

खिचड़ी चढ़ाने का सिलसिला पूरे दिन अहर्निश चलता रहा। भोर तीन बजे ही मंदिर परिसर से बाहर तक लंबी कतारें लग गई थीं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर मंदिर एवं जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं पूरे दिन व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रहे।

योगी ने पूछा क्या चाहिए मासूम बोला 'चिप्स'

गोरखनाथ मंदिर से जुड़े एक वायरल वीडियो में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक नन्हे बच्चे को प्यार से बुलाकर पूछते हैं कि क्या चाहिए। वह योगी के कान में मासूमियत से कहता है, 'चिप्स'। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुस्कुरा उठते हैं। योगी तुरंत अधिकारियों से बच्चे के लिए चिप्स मंगवाने को कहते हैं।

भाजपा की बैठक में 2027 चुनाव के लक्ष्य तय

पार्टी की विचारधारा हर वर्ग तक पहुंचाने में विभागों-प्रकोष्ठों की निर्णायक भूमिका: पंकज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी के राज्य मुख्यालय पर गुरुवार को पार्टी के मोर्चों, प्रकोष्ठों और विभागों के अध्यक्षों, महामंत्रियों व संयोजकों की बैठक में पंचायत चुनाव से लेकर विधानसभा चुनाव-2027 के लक्ष्य तय किए गए।

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि विभागों और प्रकोष्ठों में कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की भूमिका संगठन में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। संगठन में कोई भी दायित्व छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि हर जिम्मेदारी समान रूप से महत्वपूर्ण है। कार्यकर्ता अपने परिश्रम, समर्पण और संगठनात्मक कौशल के बल पर पार्टी और समाज में विशिष्ट पहचान बनाता है। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाने में विभागों और प्रकोष्ठों की निर्णायक भूमिका होती है, जिससे संगठन निरंतर मजबूत होता है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प के साथ देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं, प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कानून-व्यवस्था, सुशासन, बुनियादी ढांचे और गरीब कल्याण में नए मानक स्थापित हुए हैं।

पंकज चौधरी ने 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारी पर जोर देते हुए कहा कि पार्टी को 2017 से भी बड़ी और ऐतिहासिक विजय के लक्ष्य के साथ अभी से जुटना होगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई सकारात्मक एजेंडा नहीं है और भाजपा का जागरूक कार्यकर्ता झूठ व दुष्प्रचार का तथ्य और सच्चाई से जवाब देगा।

प्रदेश भाजपा मुख्यालय में मोर्चा और प्रकोष्ठों की बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, साथ में अन्य।

संगठन का संदेश जन-जन पहुंचाएं कार्यकर्ता : धर्मपाल

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता-आधारित और विचारधारा-प्रधान संगठन है। मोर्चा, विभाग और प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता पार्टी और समाज के बीच सेतु का कार्य करते हैं। सरकार की योजनाओं और संगठन का संदेश जन-जन तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है। इससे संगठन और समाज के बीच विश्वास और अधिक मजबूत होगा। बैठक का संचालन विभाग-प्रकोष्ठों के प्रभारी ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने किया।

5.51 करोड़ रुद्राक्ष से बना दिव्य शिवलिंग रहा आकर्षण का केंद्र

प्रयागराज माघ मेला: मौनी महाराज के शिविर में महाअनुष्ठान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

अमृत विचार: माघ मेला 2026 में संगम तट पर मौनी महाराज के शिविर में स्थापित भव्य आध्यात्मिक परिसर श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बन गया है। यहां 5 करोड़ 51 लाख रुद्राक्षों से निर्मित 11 फीट ऊंचा भव्य शिवलिंग आकर्षण का केंद्र है, जिसे देखने और पूजन के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

इस महाअनुष्ठान के अंतर्गत काशी और मथुरा में प्रस्तावित भव्य मंदिर निर्माण की कामना के साथ 12 करोड़ 51 लाख पंचाक्षर मंत्रों तथा ऋग्वेद के मंत्रों का जाप किया जाएगा। साधना और प्रकाश के इस महायज्ञ में प्रतिदिन 33 हजार दीप प्रज्ज्वलित किए जा रहे हैं, जबकि पूरे आयोजन में 11.25 लाख दीपों के प्रज्ज्वलन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही प्रतिदिन 151 थालों से महाआरती आयोजित हो रही है।

वहीं 'मंकी मैन' नाम से चर्चित दो युवक थार गाड़ी पर चढ़कर माघ मेले में पहुंचे, जिसे देखकर संगम क्षेत्र में मौजूद श्रद्धालु ठिठक गए। देखते ही देखते 'मंकी मैन' की यह एंट्री चर्चा का विषय बन गई और लोग मोबाइल कैमरों में इस दृश्य को कैद करने लगे।

प्रयागराज में मकर संक्रांति पर पूजन-अर्चन के साथ संगम स्नान करते साधु-संत।

कठिन दंडवत परिक्रमा से भक्ति की पराकाष्ठा

मकर संक्रांति के पावन पर्व पर अमेठी के सगरा पीठाधीश्वर स्वामी अभय चैतन्य ब्रह्मचारी 'मौनी महाराज' ने अपनी साधना की चरम अवस्था का प्रदर्शन किया। अमेठी के सगरा पीठाधीश्वर मौनी महाराज ने अपने शिविर से संगम घाट तक करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी दंडवत परिक्रमा करते हुए तय की। यह उनकी 1664वीं चक्रवर्ती परिक्रमा बताई जा रही है। परिक्रमा के पश्चात उन्होंने संगम में स्नान किया और जल में खड़े होकर शिवलिंग का अभिषेक किया। स्नान और अभिषेक के बाद मौनी महाराज ने राष्ट्र रक्षा, विश्व शांति और लोक कल्याण की कामना के साथ हवन और आरती संपन्न कराई। इस अद्भुत दृश्य को देखने के लिए संगम क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही।

फार्मर रजिस्ट्री अभियान में बस्ती गाजियाबाद और रामपुर अव्वल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: फार्मर रजिस्ट्री में बस्ती जिला प्रदेश में पहले स्थान पर है, जहां 81.49 प्रतिशत किसानों का पंजीकरण पूरा हो गया है। इसके बाद गाजियाबाद (80.34%) और रामपुर (80.32%) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। इन तीनों जिलों में 80 प्रतिशत से अधिक रजिस्ट्रेशन पूरा होना प्रशासनिक सक्रियता और निगरानी का परिणाम माना जा रहा है। प्रदेश में फार्मर रजिस्ट्री (किसान पंजीकरण) को लेकर चल रहा अभियान निर्णायक चरण में पहुंच गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेशभर में पंजीकरण की रफ्तार तेज कर दी गई है। राज्य में कुल 2,88,70,495 किसानों के पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित है, जिसके सापेक्ष अब तक 60 प्रतिशत से अधिक (1,75,30,760 किसान) की फार्मर रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है।

ये जिले भी टॉप-10 में शामिल : फार्मर रजिस्ट्री में

- सीतापुर, प्रतापगढ़, बिजनौर जौनपुर जिले टॉप-10 में शामिल

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अन्य जिलों में सीतापुर (79.73%), फिरोजाबाद (79.59%), प्रतापगढ़ (75.65%), बिजनौर (74.98%), जौनपुर (72.84%), पीलीभीत (72.04%) और औरैया (71.45%) शामिल हैं। इन जिलों में भी अभियान को और तेज कर शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए गए हैं।

पीएम किसान सत्यापन अभियान को भी बड़ी सफलता : इसी क्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत चलाए गए विशेष सत्यापन अभियान को भी उत्तर प्रदेश में उल्लेखनीय सफलता मिली है। अब तक प्रदेश में 2,48,30,499 पीएम किसान लाभार्थियों का सत्यापन किया जा चुका है। अम्बेडकर नगर, प्रतापगढ़, फर्रुखाबाद, बागपत, महराजगंज, मिर्जापुर, हरदोई, अयोध्या, बलिया, भदोही और सिद्धार्थनगर सहित कई जिलों को जिला स्तरीय वेरिफिकेशन सर्टिफिकेट प्रदान किए गए हैं।

90 दिनों में शत प्रतिशत का लक्ष्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आगामी 90 दिनों में प्रदेशभर में शत-प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के सभी लाभार्थियों की फार्मर आईडी 15 अप्रैल 2026 तक अनिवार्य रूप से बनाई जाए। इसके लिए जिलाधिकारियों को प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा करने और आवश्यक कार्ययोजना बनाकर अभियान को गति देने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने दोहराया है कि शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रत्येक किसान का फार्मर आईडी होना अनिवार्य है।

बसपा सरकार ने घोषणाओं को जमीन पर उतारा था

बसपा प्रमुख मायावती ने अपने जन्मदिन पर प्रेस कांफ्रेंस कर गिनाईं उपलब्धियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बसपा प्रमुख मायावती ने गुरुवार को अपना जन्मदिन पूरे देश में 'जनकल्याणकारी दिवस' के रूप में मनाए जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि बीएसपी की चार बार की सरकार ने उत्तर प्रदेश में केवल घोषणाएं नहीं कीं, बल्कि जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीन पर उतारकर दिखाया, जिससे सर्वसमाज खासकर दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और गरीब वर्ग की स्थिति में वास्तविक सुधार हुआ।

माल एवन्यू स्थित पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉफ्रेंस को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि बीएसपी सरकार द्वारा शुरू की गई कई योजनाओं की नकल आज केंद्र व राज्य सरकारें नाम और स्वरूप बदलकर कर रही हैं, लेकिन नीयत सही न होने के कारण आमजन को पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है।

बसपा प्रमुख मायावती को उनके जन्मदिन पर पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई देते पार्टी नेता आकाश आनंद, साथ में सतीशचंद्र मिश्रा।

मायावती दीर्घायु हों : योगी

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बसपा प्रमुख मायावती को जन्मदिन का बधाई दी और उनकी लंबी आयु की कामना की। सोशल मीडिया एक्स पर गुरुवार को उन्होंने लिखा कि बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष, उप्र. की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को जन्मदिन की हार्दिक बधाई, प्रभु श्री राम से आपके लिए दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना है।

प्रेस कांफ्रेंस में धुआं गंभीर मामला : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ: सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बसपा सुप्रीमो मायावती को उनके 70 वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी हैं। सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से जारी अपने संदेश में उनके स्वस्थ, स्वतंत्र और सक्रिय जीवन की कामना की। सपा प्रमुख ने मायावती की जन्मदिन प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हुए धुएं के घटनाक्रम को गंभीर मामला बताया है। उन्होंने इस पूरे प्रकरण की हर पहलू से जांच कराने की मांग की है। सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में अचानक धुएं की घटना होना चिंताजनक है और इसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

फैसला | टैगिंग को लेकर सरकार ने लगाया प्रतिबंध, यूरिया पर अनुदान पाने वाली कंपनियों को आदेश जारी

यूरिया कंपनी अब नहीं बेच पाएंगी अन्य उर्वरक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में अनुदान पाकर यूरिया बेचने वाली कंपनियां अन्य गैर अनुदानित उर्वरकों की बिक्री नहीं करेंगी। सरकार ने यूरिया के साथ जबरन टैगिंग को लेकर विक्रय प्राधिकार-पत्र में अंकित अन्य गैर अनुदानित उर्वरकों की बिक्री और आपूर्ति पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया है। कृषि निदेशालय ने सभी जिलों को यह आदेश जारी कर दिया है।

दरअसल, विक्रय प्राधिकार-पत्र में अनुमति के अनुसार नामित कंपनियां यूरिया व डीएपी

का उत्पादन और उनकी बिक्री करती हैं। ये किसानों को अनुदान काटकर उर्वरक बेचती हैं और अनुदान की राशि सीधे सरकार से लेती हैं। इसके अलावा कंपनियां विक्रय प्राधिकार-पत्र के अनुमति में अंकित अन्य गैर अनुदानित उर्वरक जैसे जिंक, सल्फर, सिंगल सुपरफॉस्फेट, पोटाश आदि का उत्पादन करती हैं और इन्हें अनुदानित यूरिया व डीएपी के साथ किसानों को टैगिंग यानी जबरन बेचकर मुनाफा कमाती हैं। इससे किसानों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। सबसे ज्यादा टैगिंग यूरिया में की जाती है। हर जिले में तमाम शिकायतें मिलने पर छापेमारी के दौरान टैगिंग के मामले पकड़े गए हैं। इधर, रबी फसल में यूरिया की मांग पर टैगिंग की शिकायतें बढ़ी हैं। इसका संज्ञान लेकर सरकार ने अनुदान पर यूरिया उपलब्ध कराने वाली कंपनियों के अन्य गैर अनुदानित उर्वरकों की बिक्री और आपूर्ति पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। चर्चा यह भी है कि इसी तरह डीएपी बेचने वाली कंपनियों की अन्य उर्वरक और उत्पाद की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित कर दी जाएगी। जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने बताया कि जिले में संबंधित अधिकारी और फर्मों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

स्टॉल पर कंपनियां बेचेंगी जायद के बीज

अमृत विचार, लखनऊ: जायद फसल की तैयारी कृषि विभाग ने अभी से शुरू कर दी है। खेती को बढ़ावा देने के लिए कंपनियां प्रतिभाग करेंगी, जो स्टॉल लगाकर किसानों को राष्ट्रीय बीज निगम के दरों पर बीज बचेंगी। कृषि विभाग त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम एवं संकर बीजों के उपयोग को बढ़ावा देने की योजना के अंतर्गत स्टॉल लगवाकर किसानों को बिक्री करेगा। इसके लिए कंपनियां नामित की जाएंगी, जो संकर मक्का एवं बाजरा के बीजों का प्रदर्शन कर बिक्री करेंगी। संकर मक्का एचटी-17169 संसूचित विक्रय दर 46 हजार रुपये क्विंटल और संकर बाजरा एचटी-4252 संसूचित विक्रय दर 53100 रुपये निर्धारित है। कंपनियों का चयन टेंडर के माध्यम से किया जाएगा। कृषि निदेशालय ने सभी जिलों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़, लखनऊ के दो गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: आजमगढ़ के साइबर थाने की टीम ने अंतर्राष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का खुलासा किया है। टीम ने टेलीग्राम के जरिए चीनी साइबर अपराधियों के लिए काम कर रहे दो आरोपियों को लखनऊ से बुधवार रात को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 6.32 लाख रुपये नकद, 11 मोबाइल फोन, 12 एटीएम कार्ड, चेकबुक, कैश काउंटिंग मशीन, एक विदेशी सिम कार्ड और एक स्कॉर्पियो वाहन बरामद किया गया है। इससे पहले इसी गिरोह के चार

- आजमगढ़ जिले की साइबर थाने की पुलिस टीम ने किया खुलासा

आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में लखनऊ के जानकीपुरम का अभिषेक गुप्ता और इंदिरानगर संजय गांधीपुरम का शाश्वत अवस्थी निवासी इंदिरा नगर, लखनऊ शामिल है।

18 सितंबर 2025 को थाना रौनापार क्षेत्र निवासी भूपेन्द्रनाथ यादव ने साइबर थाना आजमगढ़ में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके पुत्र को टेलीग्राम ग्रुप के माध्यम से वूकॉमर्स नामक कंपनी के लिए ऑनलाइन काम का झांसा दिया गया। अधिक मुनाफे का लालच देकर विभिन्न बैंक खातों में 12.64 लाख रुपये जमा कराए गए और साइबर ठगी की गई। शिकायत पर साइबर थाना में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना में सामने आया कि अभियुक्त टेलीग्राम आईडी के जरिए चीनी साइबर अपराधियों के संपर्क में रहते थे। ठगी की रकम भारतीय बैंक खातों में ट्रांसफर कराई जाती थी, जिसे बाद में एटीएम और चेक के जरिए नकद निकालकर यूएसडीटी क्रिप्टो करेंसी में बदलकर चीनी हैंडलरों को भेज दिया जाता था।

हम सभी ईश्वर से दया की प्रार्थना करते हैं और वही प्रार्थना हमें दया करना भी सिखाती है।
–विलियम शेक्सपियर, अंग्रेजी साहित्यकार

उल्लेखनीय उपलब्धि

नीति आयोग के लगभग 70 संकेतकों के आधार पर तैयार एक्सपोर्ट प्रीपेयर्डनेस इंडेक्स यानी निर्यात तैयारी सूचकांक में उत्तर प्रदेश का चौथा स्थान ऐतिहासिक उपलब्धि है। परंपरागत रूप से तटीय और औद्योगिक रूप से विकसित राज्यों जैसे महाराष्ट्र, तमिलनाडु और गुजरात की निर्यात क्षमता अधिक होना स्वाभाविक है, लेकिन उत्तर प्रदेश का दो वर्षों में सातवें से चौथे पायदान तक पहुंचना दर्शाता है कि राज्य के निर्यात-समर्थ अवसंरचना और नीतिगत सुधार पर केंद्रित प्रयास सफल रहे हैं। उत्तराखंड ने भी इस सूचकांक में छोटे राज्यों की श्रेणी में पहला स्थान प्राप्त किया है, यह दर्शाता है कि सीमित भौगोलिक और संसाधन बाधाओं के बावजूद नीति-प्रेरित सुधार और बेहतर व्यापार वातावरण से कैसे सफलता पाई जा सकती है। हिमालयी राज्य ने निर्यात के लिए अनुकूल नीतियों तथा स्थानीय स्किलिंग पर ध्यान देकर यह सफलता हासिल की है। यह बेहद महत्वपूर्ण है कि उत्तर प्रदेश लैंडलॉक्ड राज्य होते हुए भी चौथे स्थान पर पहुंचा है।

पारंपरिक तटीय राज्यों की तुलना में यहां निर्यात-लॉजिस्टिक्स खर्च अधिक होने की समस्या है, लेकिन बेहतर रोड-कनेक्टिविटी, ड्राई पोर्ट और कंटेनर बेस्ड लॉजिस्टिक्स हब तथा लॉजिस्टिक्स सुधारों ने निर्यातकों को महत्वपूर्ण समर्थन दिया। बेशक यह सफलता उक्त प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के विजनरी नेतृत्व, नीति-निर्माण और सुशासन की क्षमता का परिणाम है। निर्यात सूचकांक में बेहतर रैंकिंग ने यह साफ किया है कि प्रदेश ने नीतिगत सुधारों, अवसंरचनात्मक निवेश तथा व्यापार-मैत्री वातावरण के निर्माण में उठाए महत्वपूर्ण कदम कारगर रहे और अब उत्तर प्रदेश देश के निर्यात मानचित्र पर 'ग्लोबल हब' के रूप में उभरने जा रहा है। प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट-वन उत्पाद, कॉमन फैसिलिटी सेंटर्स, माल भाड़ा व्यय प्रतिपूर्ति, गुणवत्ता प्रमाणीकरण सहायता तथा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर ऑनबोर्डिंग ने उत्पादकों और निर्यातकों को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लायक बनाया, तो उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो जैसी पहल ने स्थानीय उत्पादकों को सीधे विदेशी खरीदारों से जोड़ने का अवसर दिया। पारंपरिक हस्तशिल्प, फार्मा, खाद्य प्रसंस्करण तथा कृषि वस्तुओं के निर्यात आदेशों में अपेक्षित वृद्धि दर्ज की गई। इन प्रयासों ने न केवल उत्पादों के निर्यात में मदद की, बल्कि प्रदेश के ब्रांड वैल्यू को भी वैश्विक स्तर पर मजबूती देने के साथ ही सूचकांक में सूचकांक के बिजनेस इकोसिस्टम, निर्यात अवसंरचना जैसे अवयवों में बेहतर स्कोर दिलाया। निर्यात राज्यों की अर्थव्यवस्था के लिए आर्थिक विकास का प्रमुख इंजन होता है। इससे विदेशी मुद्रा का संचय होने के अलावा व्यापार घाटा भी कम होता है और बाहरी निवेश आकर्षित होता है। हालांकि यह सूचकांक संबंधी उपलब्धि एकाकी प्रमाण नहीं है, पर यह संकेत अवश्य देता है कि नीति, अवसंरचना, तथा व्यापार सुविधाओं में सुधर स्पष्ट है और निर्यात वातावरण अधिक प्रतिस्पर्धी होता जा रहा है, जिसके चलते निर्यात प्रदर्शन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए लॉजिस्टिक्स, सर्विस एक्सपोर्ट्स, टेक्नोलॉजी-आधारित उत्पादन तथा वैश्विक बाजारों में विविधीकरण पर निरंतर ध्यान आवश्यक है। उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड के बेहतर प्रदर्शन से इन राज्यों में औद्योगिक निवेश एवं रोजगार अवसरों के बढ़ने की संभावना बनी है, जिससे राजस्व में वृद्धि होगी तो सामाजिक एवं बुनियादी सुविधाओं पर अधिक व्यय संभव होगा।

प्रसंगवश

दूषित जल स्रोतों से कैसे पहुंचेगा घरों में स्वच्छ जल

इंदौर के एक मुहल्ले भागीरथपुर में लगातार हो रही मौतों की संख्या बढ़कर 23 हो गई, तो उधर गुजरात की राजधानी गांधी नगर के कुछ इलाकों और आदिवाड़ा क्षेत्रों में दूषित पानी पीने से कई सौ लोगों को पीलिया और टाइफाइड होने के बाद कोहराम है। अधिकांश बीमार बच्चे हैं और अस्पताल में हैं। इसी दौरान अब देशभर से घर में आ रहे नल के जल के असुरक्षित होने के समाचारों का अंबार है। दुर्भाग्य है कि केंद्र सरकार की 2015 में शुरू की गई अटल मिशन या अमृत-1 योजना में पाइप डालने और टंकी खड़े करने पर सन 2021 तक 72,656 करोड़ रुपये खर्च हुए और उसके बाद अमृत-2 में भी भारी भरकम व्यय हो रहा है, लेकिन तैयार संरचनाओं के रखरखाव, गुणवत्ता निर्धारण पर सभी जगह बेपरवाही देखी गई। केंद्र सरकार के बजट से योजनाएं तो तैयार हो गईं, लेकिन स्थानीय निकाय उनके निर्धारित मानक पर काम नहीं कर पा रहे। देश की राजधानी दिल्ली में ही अमृत-1.0 के तहत जल आपूर्ति, सीवरेज और शहरी बुनियादी ढांचे पर कुल 266 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए। इनमें 215 करोड़ रुपये जल आपूर्ति पर खर्च हुए। इसके बावजूद दिल्ली की कोई 10 प्रतिशत आबादी के घर तक नल नहीं पहुंच पाए। दिल्ली जल बोर्ड के दिसंबर 2025 के सैंपल टेस्ट में 33 नमूने फेल हुए, जिसमें भलस्वा, जनकपुरी, अशोक नगर के साथ गांधी नगर जैसे क्षेत्रों में गंदा पानी पाया गया। यमुना प्रदूषण, क्षतिग्रस्त पाइपलाइन और अनुपचारित सीवेज मिश्रण से टीडीएस, कैल्शियम व सल्फेट स्तर मानक से अधिक है। समझना होगा कि दिल्ली में जल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा भू-जल है। भलस्वा, गाजीपुर और ओखला के साथ ही बवाना में इंजीनियर सैनिटरी लैंडफिल के पास का भूजल दूषित बना हुआ है। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) की 76 वीं रिपोर्ट बताती है कि देश में 82 करोड़ लोगों को उनकी जरूरत के मुताबिक पानी मिल नहीं पा रहा है। देश के महज 21.4 फीसदी लोगों को ही घर तक सुरक्षित जल उपलब्ध है। सबसे दुखद है कि नदी-तालाब जैसे भूतल जल का 70 प्रतिशत बुरी तरह प्रदूषित है। सरकार भी स्वीकार रही है कि 78 फीसदी ग्रामीण और 59 प्रतिशत शहरी घरों तक स्वच्छ जल उपलब्ध नहीं हैं। सारे देश के शहरी इलाकों में नल से आ रहे पानी के दूषित होने के लगभग एक जैसे कारण हैं। पहले से दूषित स्रोत से घर तक पानी के पहुंचने के रास्ते में सबसे बड़े पड़ाव 'बड़ी पानी की टंकी' या फिर 'जलाशय' खुद बीमार रहते हैं।

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

पर्यावरण मंत्रालय और केंद्रीय एजेंसी 'एकीकृत प्रबंधन सूचना प्रणाली' (आईएमआईएस) द्वारा सन 2018 में पानी की गुणवत्ता पर करवाए गए सर्वे के मुताबिक राजस्थान में सबसे ज्यादा 19,657 बस्तियां और यहां रहने वाले 77.70 लाख लोग दूषित जल पीने से प्रभावित हैं। आईएमआईएस के मुताबिक पूरे देश में 70,736 बस्तियां फ्लोराइड, आर्सेनिक, लौह तत्व और नाइट्रेट सहित अन्य लवण एवं भारी धातुओं के मिश्रण वाले दूषित जल से प्रभावित हैं। इस पानी की उपलब्धता के दायरे में 47.41 करोड़ आबादी आ गई है। यह कड़वा सच है कि भारत इस समय तेजी से शहरीकरण की तरफ भाग रहा हैं और अधिकांश अनियोजित शहरीकरण। शहरी नियोजन का प्राथमिक सिद्धांत कहता है कि पीने के पानी और सीवर की लाइनें कभी भी एक-दूसरे के इतने करीब नहीं होनी चाहिए कि एक का रिसाव दूसरे को 'जहर' बना दे। बहुत से शहरों में स्मार्ट सिटी के नाम पर भी कई करोड़ खर्च हो चुके हैं। हाल की घटनाओं ने सारे देश को चेतावनी दे दी है कि जब तक 'जमीन के ऊपर' की सफाई 'जमीन के नीचे' की सुरक्षा के साथ कदम से कदम मिलाकर नहीं चलेगी, तब तक 'स्वच्छता या स्मार्ट' के ये पदक अधूरे ही रहेंगे।

भारत के लिए चिंता का विषय ईरान का संकट

विवेक सक्सेना
अयोध्या

दिसंबर 2025 के अंत में ईरान में आर्थिक संकट के खिलाफ शुरू हुआ व्यापक विरोध-प्रदर्शन न सिर्फ राजनीतिक परिवर्तन की मांग में तब्दील हो गया है, बल्कि इसने इस इस्लामिक गणराज्य के समक्ष हाल के वर्षों की सबसे गंभीर आंतरिक चुनौती खड़ी कर दी है। हालात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी (एचआरएएनए) के अनुसार हिंसक झड़पों में अब तक 2,572 लोगों की मौत हो जाने और 10 हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लेने का दावा किया जा रहा है।

सुरक्षा की स्थिति इतनी बिगड़ गई है कि भारत ने ईरान में रह रहे अपने सभी नागरिकों से बुधवार को देश छोड़ने के लिए कह दिया है। विदेश मंत्रालय ने पांच जनवरी को जारी पिछले परामर्श में अपने नागरिकों से ईरान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने का आग्रह किया था। साथ ही ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों (पीआईओ) से सावधानी बरतने और प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में जाने से बचने को कहा था। वहीं ईरान के प्रधान न्यायाधीश ने सरकार विरोधी राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों के खिलाफ त्वरित सुनवाई और फांसी की सजा देने की बात कही है। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई खुद प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश दे चुके हैं। ईरान में हो रहे प्रदर्शनों से पश्चिम एशिया में भी व्यापक तनाव पैदा हो गया है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों पर क्रूर कार्रवाई के खिलाफ तेहरान को चेतावनी दी है।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि "मदद पहुंचने वाली है।" महंगाई, मुद्रा अवमूल्यन और आर्थिक कुप्रबंधन के खिलाफ दिसंबर 2025 में तेहरान में शुरू हुआ यह जनाक्रोश ईरान के सभी 31 प्रांतों में 300 से अधिक स्थानों पर फैलकर एक राजनीतिक संकट में बदल गया, जिसमें प्रदर्शनकारी खुलकर सत्ता परिवर्तन की मांग कर रहे हैं।

ईरान का मौजूदा संकट यही दर्शाता है कि आर्थिक कुप्रबंधन और राजनीतिक कठोरता के दीर्घकालिक रणनीतिक परिणाम होते हैं। प्रदर्शनकारियों द्वारा लगाया जा रहा नारा 'न गाजा, न लेबनान, ईरान के लिए मेरी जान' यह इस बात का साफ संकेत देता है कि यहूदी विरोध की नीति यहूदी विरोधी को ही खत्म कर देती है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकियन ने संयम बरतने और हिंसा से बचने की अपील की है, वहीं न्यायपालिका, सुरक्षा तंत्र और सर्वोच्च नेतृत्व का रुख कहीं अधिक सख्त है। यह संकट से निपटने में शीर्ष नेतृत्व के स्तर पर असहमति को भी दर्शाता है। यूरोपीय देशों, आस्ट्रेलिया और कनाडा ने भी बल प्रयोग, मनमानी गिरफ्तारियों और इंटरनेट बंदी की निंदा की है। इसके जवाब में तेहरान ने अमेरिका और इजरायल पर विरोध भड़काने का आरोप लगाया है और समूचे घटनाक्रम को विदेशी साजिश बताया है।

इस पूरे परिदृश्य ने भारत की चिंताएं बढ़ा दी हैं। भारत के लिए भी यह संकट केवल एक दूरस्थ आंतरिक उथल-पुथल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया में रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। ईरान में अस्थिरता से भारत के रणनीतिक और कुछ हद तक आर्थिक हित भी प्रभावित हो सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि ईरान भारतीय बासमती चावल का सबसे बड़ा खरीदार है और वर्तमान अशांति से इसके निर्यात पर भी कुछ असर पड़ रहा है। इसके साथ ही ऐसी ही एक चिंता ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ से जुड़ी है। इससे भी बड़ी चिंता चाबहार बंदरगाह परियोजना को लेकर है, जिसमें भारत ने करीब 50 करोड़ डॉलर का निवेश किया है। यह बंदरगाह भारत के लिए पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान, मध्य एशिया, रूस और यूरोप तक पहुंच प्रदान करता है। यह 'कनेक्ट सेंट्रल एशिया' नीति का अहम स्तंभ और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे यानी आइएनएसटीसी का प्रमुख हिस्सा है, जिससे परिवहन समय और लागत में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है। ईरान में लंबे समय तक चलने वाली अस्थिरता इस परियोजना की समयसीमा, निरंतरता और रणनीतिक मूल्य को प्रभावित कर सकती है। चाबहार को पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह में चीन की मौजूदगी के संतुलन के रूप में भी देखा जाता रहा है। यदि ईरान में अस्थिरता लंबे समय तक बनी रहती है, तो बीजिंग को वहां अपने प्रभाव विस्तार का अवसर मिल सकता है।

भारत के ऊर्जा हित भी इस परिदृश्य से जुड़े हैं। प्रतिबंधों के कारण भले ही हाल के वर्षों में ईरान से ऊर्जा आयात सीमित रहा हो, लेकिन क्षेत्रीय ऊर्जा समीकरणों में ईरान की भूमिका अहम बनी हुई है। राजनीतिक अस्थिरता भविष्य के ऊर्जा सहयोग को और जटिल बना सकती है। इन परिस्थितियों में भारत की कूटनीतिक रणनीति संतुलित और व्यावहारिक रही है। जनवरी के मध्य में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची की संभावित भारत यात्रा इसी दृष्टिकोण को दर्शाती है, जिसमें चाबहार, क्षेत्रीय संपर्क, व्यापार और पश्चिम एशिया के व्यापक मुद्दों पर चर्चा की संभावना है। इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है 'ग्लोबल साउथ' की एक प्रमुख आवाज होने के नाते भी इस मामले में उसकी भूमिका अहम हो जाती है। इसमें भारत के लिए चुनौती यह है कि वह अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करे और वह भी ईरान के आंतरिक संघर्षों या महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता में उलझे बिना।

> इस पूरे परिदृश्य ने भारत की चिंताएं बढ़ा दी हैं। भारत के लिए भी यह संकट केवल एक दूरस्थ आंतरिक उथल-पुथल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया में रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है।

आमने

हमने ब्राह्मण समाज को हमेशा सम्मान और प्रतिनिधित्व दिया है। ब्राह्मण समाज को किसी के बहकावे में नहीं आना चाहिए और न ही किसी तरह के प्रलोभन में फंसना चाहिए। मौजूदा राजनीतिक माहौल में सतर्क रहने की जरूरत है और अपने हितों की रक्षा के लिए सही राजनीतिक विकल्प चुनना चाहिए।

– **मायावती**, बसपा प्रमुख

सामने

भाजपा ने हमेशा हर वर्ग को साथ लेकर चलने का काम किया है। हमें यह साबित करने के लिए बसपा या किसी और पार्टी के प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है कि हम ब्राह्मण समाज का सम्मान करते हैं। भाजपा की सरकारों में ब्राह्मण समाज को न केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिला है, बल्कि प्रशासनिक और संगठनात्मक स्तर पर भी उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं।

– **पंकज चौधरी**, अध्यक्ष भाजपा उप्र

बाघों के संरक्षण की सफलता या संघर्ष की शुरुआत

डॉ .जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

भारत में बाघों की स्थिति आज एक गहरे और असहज विरोधाभास से गुजर रही है। एक ओर हम गर्व के साथ यह कहते नहीं थकते कि दुनिया में सबसे अधिक बाघ भारत में हैं, वहीं दूसरी ओर जमीन पर घट रही घटनाएं इस दावे की खोखली सच्चाई को उजागर कर रही हैं। हाल ही में गुजरात में 36 बाघों की खाल का बरामद होना और पिछले वर्ष देशभर में 166 बाघों का मृत पाया जाना, जिसमें से 55 तो टाइगर राज्य का दर्जा प्राप्त मध्य प्रदेश से ही हैं। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि चेतावनी हैं, एक ऐसी चेतावनी, जिसे अगर अब भी नजरअंदाज किया गया, तो आने वाले वर्षों में बाघ संरक्षण की पूरी कहानी ही सवालों के घेरे में आ जाएगी।

आज जब दुनिया के कई देशों से बाघ लगभग विलुप्त हो चुके हैं, तब भारत यह दावा करता है कि उसके पास विश्व की सबसे बड़ी बाघ आबादी है, लेकिन इसी सफलता के बीच एक डरावना प्रश्न खड़ा हो गया है, क्या यह सचमुच संरक्षण की जीत है या गहरे संघर्ष की शुरुआत? पिछले वर्ष देश में 166 बाघों की मौत इस प्रश्न को और तीखा बना देती है। गुजरात में 36 बाघों की खाल का मिलना केवल एक राज्य या एक गिरोह का मामला नहीं है। यह अंतर्राष्ट्रीय वन्यजीव तस्करी नेटवर्क, कमजोर निगरानी व्यवस्था और संरक्षण तंत्र की गंभीर चूक की ओर इशारा करता है। बाघ की खाल, हड्डियां और अन्य अंग आज भी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में महंगे दामों पर बिकते हैं। खालों की बरामदगी यह भी बताती है कि संरक्षण केवल जंगलों तक सीमित नहीं रह सकता। यह एक कानून-व्यवस्था, सीमा सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का मुद्दा भी है। जब तक तस्करी के पूरे नेटवर्क को जड़ से नहीं उखाड़ा जाएगा, तब तक केवल निचले स्तर के अपराधियों को पकड़ने से कोई ठोस परिणाम नहीं निकलेगा। बाघ के अंगों की तस्करी आज भी एक बड़ा संगठित अपराध है, जिसे अक्सर उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता, जितनी जरूरत है। सवाल यह है कि यह सब हमारी आंखों के सामने कैसे चलता रहा?

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि भारत में बाघों की संख्या बढ़ी है। आरंभिक वर्षों में जहां बाघों की संख्या सिमटकर कुछ हजारों तक आ गई थी, वहीं आज यह संख्या चार हजार के आसपास बताई जाती है। इस उपलब्धि को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सराहा गया। संरक्षित वन क्षेत्र बढ़े, टाइगर रिजर्व बनाए गए, शिकार पर कड़े कानून लागू हुए और बाघ संरक्षण को राष्ट्रीय गौरव का विषय बनाया गया, लेकिन इसी के समानांतर जो सच्चाई उभर रही है, वह बेहद चिंताजनक है- बाघों की मौतें, मानव-वन्यजीव संघर्ष, आक्रामकता के बढ़ते मामले और जंगलों से बाहर भटकते बाघ। पिछले साल 166 बाघों की मौत कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है, जो राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के द्वारा जारी किया गया है। यह संख्या कई सवाल खड़े करती है। क्या ये मौतें प्राकृतिक थीं? क्या बीमारी, आपसी संघर्ष और वृद्धावस्था इसके कारण थे? या फिर यह आंकड़ा उस व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है, जो संरक्षण के नाम पर केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित रह गई है?

वास्तविकता यह है कि इन मौतों में शिकार, जहर, ट्रेन और सड़क दुर्घटनाएं, अवैध विद्युत तार, मानव-बाघ संघर्ष और कुप्रबंधन जैसे कारण शामिल हैं। यह विडंबना ही है कि एक ओर हम बाघ को बचाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, वहीं दूसरी ओर स्थानीय समुदायों को संरक्षण का भागीदार नहीं बना पाते। जब तक गांव, वनवासी और किसान यह महसूस नहीं करेंगे कि बाघ उनके लिए बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की सुरक्षा है, तब तक यह संघर्ष चलता रहेगा। बाघों की बढ़ती आक्रामकता पर अक्सर सनसनीखेज बहस होती है, लेकिन बहुत कम लोग यह सवाल उठाते हैं कि क्या आक्रामकता वास्तव में बाघ में बढ़ रही है या हम उसके प्राकृतिक व्यवहार को असामान्य परिस्थितियों में देख रहे हैं? भूखा बाघ, घायल बाघ या अपने क्षेत्र से विस्थापित बाघ स्वाभाविक रूप से जोखिम भरा हो सकता है। यह उसकी प्रकृति नहीं, बल्कि उसकी मजबूरी है।

संरक्षण की सफलता का सही पैमाना केवल बाघों की संख्या नहीं हो सकती। यदि संख्या बढ़ने के साथ मौतें भी बढ़ें, संघर्ष भी बढ़े और जंगल भी सिकुड़ें, तो यह सफलता अधूरी है। पिछले साल 166 बाघों की मौत हमें चेतावनी देती है कि हम एक खतरनाक मोड़ पर खड़े हैं। यदि समय रहते नीतियों में बदलाव नहीं किया गया, तो यह संघर्ष और गहराएगा। समाधान आसान नहीं हैं, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, बाघों के प्राकृतिक गलियारों को सुरक्षित करना होगा ताकि वे एक जंगल से दूसरे जंगल तक सुरक्षित आवागमन कर सकें। सड़क और रेल परियोजनाओं में वन्यजीव अनुकूल ढांचों को अनिवार्य बनाना होगा। स्थानीय समुदायों को संरक्षण का साझेदार बनाना होगा।

संरक्षण को केवल वन विभाग की जिम्मेदारी मानने के बजाय, इसे सामाजिक आंदोलन बनाना होगा। स्कूलों से लेकर पंचायतों तक यह समझ विकसित करनी होगी कि बाघ बचेगा तो जंगल बचेगा और जंगल बचेगा तो जीवन बचेगा। बाघ आज भी हमारे जंगलों का राजा है, लेकिन राजा तभी सुरक्षित रहता है जब उसका राज्य सुरक्षित हो। यदि जंगल सुरक्षित नहीं होंगे, तो बाघ भी नहीं बचेगा। अब समय आ गया है कि हम संरक्षण को दिखावे से निकालकर संवेदनशील, वैज्ञानिक और मानवीय दृष्टिकोण के साथ लागू करें। तभी यह कहा जा सकेगा कि बाघों का संरक्षण वास्तव में सफलता की कहानी है, न कि संघर्ष की शुरुआत।

> आज जब दुनिया के कई देशों से बाघ लगभग विलुप्त हो चुके हैं, तब भारत यह दावा करता है कि उसके पास विश्व की सबसे बड़ी बाघ आबादी है, लेकिन इसी सफलता के बीच एक डरावना प्रश्न खड़ा हो गया है, क्या यह सचमुच संरक्षण की जीत है या गहरे संघर्ष की शुरुआत?

सोशल फोरम

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जवाबदेही भी आवश्यक

आखिर कौन हैं सीमा आनंद, जो मुख्यतः सेक्स, कामुकता और कामसूत्र आदि गंभीर विषयों पर खुलेतौर पर बात करती हैं। सीमा लंदन में रहती हैं, वे एक लेखिका, माइथोलॉजिस्ट , सेक्स एजुकेटर हैं। वे सेक्स को अश्लील नहीं मानती, बल्कि इसे प्राकृतिक और ऊर्जा के रूप में समझने की बात करती हैं।

निशा सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

वे सोशल मीडिया में आजकल इसलिए चर्चा में हैं, क्योंकि हाल ही में एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में उनके बयानों पर काफी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। उन्होंने बताया कि 15 साल के लड़के ने उन्हें आकर्षक बताया, जो चर्चा का विषय बना हुआ है, साथ ही उन्होंने कामसूत्र पर भी खुलकर चर्चा की। कुछ लोग उनकी बातों का समर्थन कर रहे हैं, वहीं कुछ लोग आलोचना। यह कहना कि वे सौ फीसदी सही हैं या गलत हैं ठीक नहीं होगा, क्योंकि यह ज्यादातर व्यक्तिगत दृष्टिकोण और संस्कृति पर निर्भर करता है। वे सेक्स संबंधों पर खुलकर बात करने को बढ़ावा देती है ताकि लोग डर व शर्म महसूस न करें। यह एक सकारात्मक मानसिकता के लिए सही हो सकता है, लेकिन भारत जैसे देश में जहां सेक्स और कामुकता आज भी पर्दे में है। वहां ऐसी प्रतिक्रियाएं और आलोचना आना स्वाभाविक है।

माना कि सेक्स एजुकेशन जरूरी है, लेकिन जब उदाहरण नाबालिग से जुड़ता है, तो सावधानी बरतनी चाहिए। सीमा जैसे प्रभावशाली लोगों को समझना चाहिए कि उनके शब्दों का असर कहां तक जाएगा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जवाबदेही भी आवश्यक है। पश्चिमी समाज और भारतीय समाज की संवेदनाएं अलग-अलग हैं, इसलिए भारत में इस तरह के विचार रखते समय सांस्कृतिक, नैतिक और सामाजिक प्रभाव को नजरंदाज नहीं किया जाना चाहिए। सेक्स एजुकेशन जागरूकता के लिए हो, न कि सनसनी फैलाने के लिए होनी चाहिए। आधुनिकता के नाम पर हर बात सही नहीं हो जाती। संवाद के साथ मर्यादा का भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

साइबर फ्रॉड : जब खतरा बन जाए तकनीक

तकनीक ने हमारी जिंदगी को नई गति दी है। ऑनलाइन बैंकिंग, ई-कॉमर्स, डिजिटल भुगतान और सरकारी सेवाएं अब एक क्लिक पर उपलब्ध हैं, लेकिन इसी डिजिटल क्रांति की छाया में एक बड़ा जोखिम भी मजबूत हुआ है। साइबर फ्रॉड, जहां अपराधी तकनीक का इस्तेमाल कर भारत के नागरिकों को नकदी, डेटा और भरोसे से वंचित कर रहे हैं। 2024-25 के ताजा आंकड़े इस खतरे की गंभीरता को स्पष्ट करते हैं। 2024 में देशभर में लगभग 36.37 लाख साइबर फ्रॉड की घटनाएं दर्ज की गईं और लोगों ने लगभग 22,845.73 करोड़ का नुकसान रिपोर्ट किया, जो 2023 की तुलना में 206 प्रतिशत की वृद्धि है। यह जानकारी गृह मंत्रालय ने संसद में दी, जिसमें बताया गया कि एनसीआरपी और सीएफआरएमस जैसे पोर्टल्स पर बड़े पैमाने पर शिकायतें दर्ज हुईं। इन प्रणालीगत डेटा के अनुसार वित्तीय धोखाधड़ी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और अब यह केवल शहरों तक सीमित नहीं रह गया है। साइबर फ्रॉड के स्वरूप भी पहले से अधिक जटिल हो गए हैं।

डॉ सुनिधि मिश्रा
स्वतंत्र लेखिका

राज्यवार आंकड़े बताते हैं कि साइबर फ्रॉड की गतिविधियां देश के लगभग हर हिस्से में फैली हैं, लेकिन कुछ राज्यों में घटनाओं की संख्या विशेष रूप से उच्च है। भारत में 2024 में महाराष्ट्र ने लगभग 3,03,000 शिकायतों के साथ सबसे ज्यादा साइबर फ्रॉड मामले रिपोर्ट किए, जबकि उत्तर प्रदेश में लगभग 3,01,000, कर्नाटक में लगभग 1,69,000, गुजरात में लगभग 1,68,000 और दिल्ली में लगभग 1,53,000 मामले दर्ज किए गए। इन आंकड़ों से पता चलता है कि बड़े आबादी वाले राज्य और आर्थिक केंद्र साइबर अपराध के अधिक प्रभावित क्षेत्र हैं। इन राष्ट्रीय स्तर के आंकड़ों के साथ ही 2025 में भी साइबर फ्रॉड की घटनाएं हुईं। उदाहरण के लिए तेलंगाना पुलिस ने 547 करोड़ के बड़े अंतर्राष्ट्रीय साइबर फ्रॉड रैकेट का पर्दाफाश किया, जिसमें बहु-राज्यीय खाते उपयोग किए गए थे और आरोपियों ने फर्जी नौकरी के ऑफर तथा क्रिप्टो सहित अन्य डिजिटल उपकरणों का उपयोग किया था। 2025 के दौरान हरियाणा पुलिस ने साइबर अपराधों के खिलाफ प्रभावी रोकथाम और बचाव के कार्यक्रम के तहत लगभग 36 प्रतिशत ठगे गए धन को रोक दिया, जिससे लगभग 350 करोड़ बचाए गए। पुलिस ने 1,41,685 शिकायतें प्राप्त कीं और 8000 से अधिक साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया। यह डेटा दिखाता है कि तकनीक-समर्थित और समन्वित प्रयासों से नुकसान को कम किया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार साइबर अपराध में वृद्धि के पीछे कई कारक हैं। डिजिटल पेमेन्ट्स की बढ़ती लोकप्रियता, सोशल इंजीनियरिंग तकनीक का विकास, फर्जी वेबसाइट और ऐप्स का प्रसार और अपराधियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का निर्माण। उदाहरण के लिए साइबर फ्रॉड से जुड़े नेटवर्कों में अक्सर क्रिप्टो करेंसी का उपयोग और वैश्विक सिमबॉक्स तकनीक शामिल होती है, जिससे ट्रांजैक्शन्स को छुपाया जाता है। साइबर फ्रॉड का आर्थिक असर भी बढ़ता जा रहा है, लेकिन साइबर फ्रॉड केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं है, यह भरोसा और मानसिक स्थिति पर भी असर डालता है। ऐसे मामलों में लोग अक्सर शर्म, डर या असहाय महसूस करते हैं, जिसके कारण वे देरी से शिकायत दर्ज कराते हैं या पुलिस से संपर्क नहीं करते। इससे अपराधियों को अधिक अवसर मिलता है। इस खतरे से निपटने के लिए सरकार ने कई पहल की हैं। राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल और सीएफ़आरएमस जैसे प्लेटफॉर्म नागरिकों को सीधे शिकायत दर्ज करने की सुविधा देते हैं। पुलिस बलों ने साइबर सेल, विशेष इकाइयों और प्रौद्योगिकी-आधारित मॉड्यूल को लांच किया है, जिससे फ्रॉड को रोकने और मामलों की जांच में मदद मिलती है। फिर भी, केवल कानूनी उपाय ही पर्याप्त नहीं हैं। साइबर फ्रॉड केवल एक तकनीकी समस्या नहीं है। यह जागरूकता, सामूहिक सुरक्षा और सतर्कता की जरूरत है ताकि डिजिटल भविष्य आशा का कारण रहे, डर का नहीं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

यूरेका

खोज

पंखे की खोज

दुनिया का पहला बिजली पंखा अमेरिकी इंजीनियर और आविष्कारक शूयलर स्काट व्हीलर ने 1886 में बनाया था। 1882 में व्हीलर को बिजली की क्षमता का अहसास हुआ। उनके द्वारा विकसित पहले बिजली के पंखे में केवल दो ब्लेड थे, इसमें एक बेहद खतरनाक खुली मोटर का उपयोग किया गया था। ये पंखा तब डायरेक्ट करंट (डीसी) से चलता था। इसे पीतल का बनाया गया था। इसे तब "बज फैन" के नाम से जाना जाता था। संयुक्त राज्य अमेरिका पेटेंट कार्यालय ने 1885-86 को आधिकारिक तौर पर उनके आविष्कार को मंजूरी दी थी।

स्काट व्हीलर का ये पंखा बहुत तेजी से लोकप्रिय हुआ था। जल्द ही अमेरिकी इलेक्ट्रिक मोटर कंपनी क्रॉकर एंड कर्टिस इसे बेचने लगी थी। इसी तकनीक के आधार पर फिर सीलिंग फैन और कई तरह के फैन बनाए गए थे। वहीं काफी हद तक एयर कंडीशनर का आविष्कार भी इसी पंखे को आधार बनाकर किया गया था। बता दें कि 1890 के दशक में डीसी बिजली सप्लाई की जगह एसी बिजली की सप्लाई घरों में पहुंचने लगी थी। तब ये बिजली के पंखे और कॉमन हो गए थे। 1800 के दशक के अंत से पहले बहुत अधिक गर्म होना एक रोजमर्रा की समस्या थी।

वैज्ञानिक परिचय

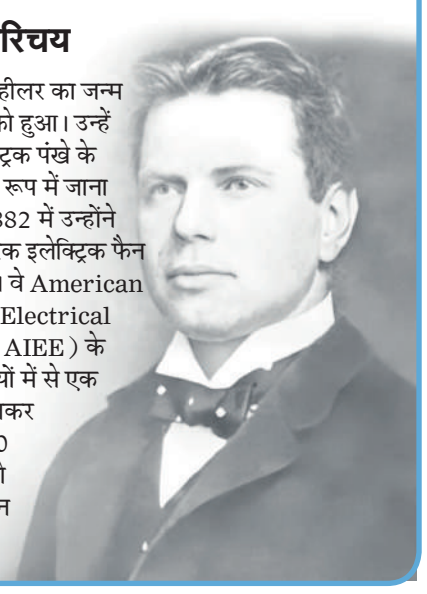

शूयलर स्कॉट व्हीलर का जन्म 17 मई 1860 को हुआ। उन्हें आधुनिक इलेक्ट्रिक पंखे के आविष्कारक के रूप में जाना जाता है। वर्ष 1882 में उन्होंने पहला व्यावहारिक इलेक्ट्रिक फैन विकसित किया। वे American Institute of Electrical Engineers (AIEE) के संस्थापक सदस्यों में से एक थे, जो आगे चलकर IEEE बना। 20 अप्रैल 1923 को व्हीलर का निधन हो गया।

पृथ्वी अपनी रक्षा कैसे करती है और कैसे जीवन के बने रहने के लिए उपर्युक्त अध्ययन बहुत जरूरी हैं, यह हमें मालूम होता है इन अध्ययनों के डाटा का विश्लेषण करने से. आमजन को विज्ञान की इन गूढ़ बातों से मतलब नहीं कि आकाशगंगा में हमारी पृथ्वी को क्या झेलना पड़ता है और कैसे यह अपनी रक्षा करती है। पृथ्वी पर दूरसंचार रेडियो तरंगों से होता है और इसमें पृथ्वी के निकट अंतरिक्ष में घूमने वाले उन्नत उपग्रह लगातार ऐसी घटनाओं पर नजर रखते हैं, जिनके अत्यधिक गतिविधि से यह प्रभावित होकर जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकता है। पृथ्वी के सेहत पर नजर रखने के जो भी उपकरण और सेटेलाइट टेक्नोलॉजी निर्मित की जाती है, उस पर अत्यधिक निवेश की जरूरत होती है। इसके लिए उन्नत देशों ने अनेक अंतरिक्ष निगरानी संगठन बनाए हुए हुए हैं। डाटा भी शेयर होता है।

सूर्यास्त के बाद धरती से निकलता है रहस्यमय विकिरण

रशियन एकेडमी ऑफ़ साइंसेज के हायर स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स एंड स्पेस रिसर्च के रिसर्चर्स ने अरासे सैटेलाइट से सात साल तक डेटा का एनालिसिस किया और पहली बार पृथ्वी के नए रेडियो एमिशन हेक्टोमीटर कॉन्टिनम के बारे में डिटेल में बताया, जिसे 2017 में खोजा गया था। अरासे, जिसे पहले एक्सप्लोरेशन ऑफ़ एनर्जाइज़ेशन एंड रेडिएशन इन जियोस्पेस के नाम से जाना जाता था, वैन एलन बेल्ट्स की स्टडी करने वाला एक साइंटिफिक सैटेलाइट है। इसे जेएएक्सए या जाक्सा के इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस एंड एस्ट्रोनॉटिकल साइंस ने डेवलप किया था। पता चला कि यह रेडिएशन सूरज डूबने के कुछ घंटे बाद होता है और सूरज उगने के एक से तीन घंटे बाद गायब हो जाता है। ज्यादातर यह गर्मियों के महीनों में रिकॉर्ड किया गया था, बसंत और पतझड़ में कम। हालांकि, 2022 के बीच तक, जब सूरज बढ़ी हुई एक्टिविटी के फेज में गया, तो रेडिएशन पूरी तरह से गायब हो गया, लेकिन साइंटिस्ट्स का कहना है कि सिग्नल वापस आ सकता है। यह स्टडी जर्नल ऑफ जियोफिजिकल रिसर्चः स्पेस फिजिक्स में पब्लिश हुई है। पृथ्वी लगातार रेडियो तरंगें निकाल रही है, जो नैचुरल इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिग्नल हैं जो पृथ्वी के पास के स्पेस से निकलते हैं। उनके एनालिसिस से यह समझने में मदद मिलती है कि सूरज मैग्नेटोस्फीयर पर कैसे असर डालता है - पृथ्वी के चारों ओर का वह एरिया जहां मैग्नेटिक फील्ड इसे बाहरी असर से बचाता है। इस रीजन या क्षेत्र में अलग-अलग तरह के रेडियो एमिशन बनते हैं, और उनमें से एक है हेक्टोमीटर कॉन्टिनम। यह 600 से 1700 किलोहट्ज़ की रेंज में कमजोर नैचुरल रेडिएशन है, जो आम रेडियो स्टेशनों की ब्रॉडकास्टिंग फ्रीक्वेंसी से काफी कम है। रेडिएशन के सोर्स ग्रह के काफी करीब हैं - लगभग एक या दो पृथ्वी रेडियस की ऊंचाई पर, जहां मैग्नेटिक फील्ड अभी भी चार्ज्ड पार्टिकल्स की मूवमेंट को कंट्रोल करता है। पृथ्वी पर, ऐसी तरंगों का पता नहीं लगाया जा सकता क्योंकि आयनोस्फीयर की घनी परतें उन्हें पूरी तरह से सोख लेती हैं, इसलिए माइनिंग और मेटलर्जी कॉम्प्लेक्स को सिर्फ़ स्पेसक्राफ्ट की मदद से ही देखा जा सकता है।

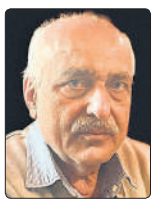

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

इस बारे में, हेक्टोमीटर कॉन्टिनम की खोज काफी हाल ही में, 2017 में, जापानी सैटेलाइट अरासे की वजह से हुई थी। उस समय से, सिग्नल कभी-कभी रिकॉर्ड किया गया है, और इसके व्यवहार की कोई पूरी तस्वीर नहीं थी। माइनिंग और मेटलर्जी कॉम्प्लेक्स की प्रॉपर्टीज को बताने और इसके शुरू होने के मैकेनिज्म को समझाने के लिए, रशियन एकेडमी ऑफ साइंसेज के स्पेस रिसर्च इंस्टीट्यूट और हायर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के फिजिक्स फैकल्टी के रिसर्चर्स ने सैटेलाइट से सारा उपलब्ध डेटा इकट्ठा किया और ट्रैक किया कि यह रेडिएशन समय के साथ कैसे बदलता है। ऐसा करने के लिए, उन्होंने सात साल, 2017-2023 के लिए, माइनिंग और मेटलर्जी कंपनियों के रजिस्ट्रेशन के लगभग एक हजार एपिसोड का एनालिसिस किया। नतीजों से पता चला कि सिग्नल का दिखना नियर-अर्थ प्लाज्मा में होने वाले प्रोसेस से जुड़ा है - यह एक ऐसा क्षेत्र है जो चार्ज्ड पार्टिकल्स से भरा होता है जो पृथ्वी के मैग्नेटिक फील्ड और सोलर विंड के असर में चलते हैं। लेखकों के अनुसार, हेक्टोमीटर कंटिन्यूअम डबल प्लाज्मा रेजोनेंस के कारण होता है, यह एक ऐसी घटना है जिसमें प्लाज्मा में दो तरह के ऑसिलेशन एक साथ होते हैंः प्लाज्मा का नेचुरल ऑसिलेशन और पृथ्वी की मैग्नेटिक फील्ड लाइनों के चारों ओर इलेक्ट्रॉनों का घूमना। यह को-इंसिडेंस अस्थिरता पैदा करता है, जिसके कारण प्लाज्मा रेडियो वेव्स निकालता है। इसके लिए खास हालात की जरूरत होती है, जैसे एक खास प्लाज्मा डेंसिटी और ज्यादा एनर्जी वाले गर्म इलेक्ट्रॉन की मौजूदगी। पता चला कि रेडिएशन सिर्फ़ रात में होता है और सूरज उगने के एक से तीन घंटे बाद गायब हो जाता है।

साइंटिस्ट इसे इस बात से समझाते हैं कि सूरज का सुबह का रेडिएशन प्लाज्मा की डेंसिटी बढ़ाता है और रेडियो वेव बनने के लिए ज़रूरी हालात को खत्म कर देता है। सूरज डूबने के बाद, सिग्नल भी तुरंत नहीं दिखता, बल्कि कुछ घंटों बाद दिखता है, जब आयनोस्फीयर को ठंडा होने औरमाइनिंग और मेटलर्जी कॉम्प्लेक्स के एक्साइटेशन के लिए जरूरी पैरामीटर को ठीक करने का समय मिल जाता है। रोजाना के साइकिल के अलावा, रेडिएशन में मौसमी खासियतें भी होती हैंः यह गर्मियों में ज्यादा रिकॉर्ड होता था, पतझड़ और बसंत में कम। 2022 के बीच से, सिग्नल गायब हो गया है। साइंटिस्ट इसका कारण सूरज का ज्यादा एक्टिव फेज में बदलना मानते हैंः इन महीनों में, इसकी सतह पर ज़्यादा धब्बे थे, 10.7 सेंटीमीटर की वेवलेंथ पर रेडियो एमिशन बढ़ा और अल्ट्रावॉयलेट लेवल बढ़ा। इस वजह से, प्लाज्मा का स्ट्रक्चर बदल गया, और कंटीन्यूअम बनने के हालात गायब हो गए। जाक्सा, या जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी, जापान की सरकारी एजेंसी है जो रिसर्च, टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट और सैटेलाइट को ऑर्बिट में लॉन्च करने के लिए ज़िम्मेदार है।

सन 2003 में बनी जाक्सा को जापान के स्पेस प्रोग्राम को आसान बनाने के लिए तीन अलग-अलग ऑर्गनाइज़ेशन को मिलाकर बनाया गया था। यह कई बड़े प्रोजेक्ट्स में शामिल रही है, जिसमें इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए मॉड्यूल बनाना और चांद और एस्टेरॉयड की स्टडी के लिए मिशन चलाना शामिल है। ज़्यादा जानकारी के लिए, आप जाक्सा की ऑफिशियल वेबसाइट पर जा सकते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

ठंड में मुंह से क्यों निकलती है भाप

सर्दियों में जैसे ही तापमान गिरता है, लोगों के मुंह से धुएं जैसी भाप निकलती दिखाई देने लगती है। बचपन में हममें से कई लोग यह देखने की होड़ लगाते थे कि कौन ज्यादा 'धुआं' निकाल सकता है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यह भाप आखिर आती कहां से है और गर्मियों में यह बिल्कुल क्यों नहीं दिखती? आइए आज आपको बताते हैं कि आखिर यह प्रोसेस क्यों होता है?

हमारे शरीर का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना होता है और हमारे फेफड़ों (लंग्स) में जो हवा होती है, वह नमी यानी वॉटर वेपर से भरी होती है। यह हवा हमारे शरीर के तापमान के बराबर गर्म होती है। गर्म हवा ठंडी हवा की तुलना में ज्यादा नमी अपने अंदर रोक सकती है। यही कारण है कि जब सर्दियों में हम सांस बाहर छोड़ते हैं, तो बाहर की ठंडी हवा उस गर्म और नम सांस का तापमान बहुत तेजी से गिरा देती है। जैसे ही यह सांस ओसांक (Dew Point) तक पहुंचती है, उसमें मौजूद वॉटर वेपर गैस से तरल अवस्था में बदल जाता है। इस प्रक्रिया को कंडेन्सेशन (Condensation) कहते हैं। इस दौरान बेहद छोटे-छोटे पानी के कण बनते हैं, जो हमें धुएं या कोहरे (फॉग) की तरह दिखाई देते हैं। असल में यह धुआं नहीं, बल्कि पानी की सूक्ष्म बूंदें होती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, जब तापमान शून्य डिग्री या उससे नीचे चला जाता है, तो यही भाप जमकर बर्फ के कणों में भी बदल सकती है।

गर्मियों में क्यों नहीं दिखती भाप ?

गर्मियों में वातावरण का तापमान अधिक होता है। ऐसी स्थिति में जब हम सांस छोड़ते हैं, तो बाहर की हवा पहले से ही गर्म होती है और अधिक नमी धारण कर सकती है। इसलिए सांस में मौजूद वॉटर वेपर गैस की अवस्था में ही रहता है और कंडेन्सेशन नहीं होता। इसी वजह से गर्मियों में मुंह से भाप दिखाई नहीं देती।

रोचक किस्सा

समुद्र की नीली रंगत का रहस्य

भारत के महान वैज्ञानिक सर चंद्रशेखर वेंकट रमन (सी. वी. रमन) से जुड़ा एक रोचक और प्रेरक किस्सा उनकी खोजी प्रवृत्ति को बखूबी दर्शाता है। यह किस्सा उस खोज की शुरुआत है, जिसने आगे चलकर उन्हें नोबेल पुरस्कार तक पहुंचाया।

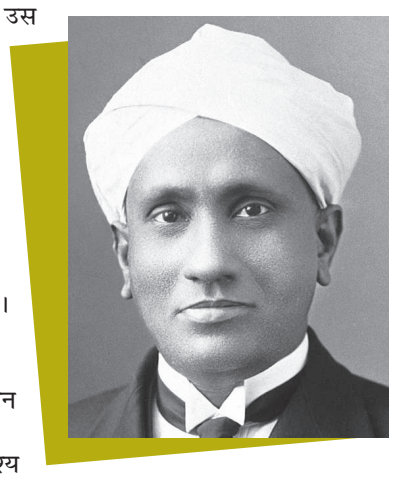

1904 में लॉर्ड रेले को फिजिक्स का नोबेल मिला था। उन्होंने बताया था कि आसमान नीला क्यों दिखता है और समुद्र का नीला रंग आसमान के प्रतिबिंब के कारण है। सन् 1921 में सी. वी. रमन ब्रिटेन समुद्री मार्ग से जा रहे थे। जहाज जब गहरे समुद्र में आगे बढ़ रहा था, तो उन्होंने देखा कि समुद्र का पानी गहरा नीला दिखाई दे रहा है, लेकिन रमन को रेले का तर्क संतोषजनक नहीं लगा। उनका वैज्ञानिक मन इस साधारण से दृश्य में भी प्रश्न खोजने लगा कि यदि समुद्र का रंग केवल आकाश का प्रतिबिंब है, तो बादलों के दिनों में भी वह नीला क्यों दिखता है?

यही सवाल उनके मन में बस गया। भारत लौटने के बाद उन्होंने साधारण उपकरणों से प्रकाश और तरल पदार्थों पर प्रयोग शुरू किए। उनके पास अत्याधुनिक प्रयोगशाला नहीं थी, फिर भी उन्होंने कांच की बोतलों, सूरज की रोशनी और साधारण स्पेक्ट्रोस्कोप की मदद से गहन अध्ययन किया। इन प्रयोगों से उन्होंने सिद्ध किया कि जब प्रकाश किसी पारदर्शी पदार्थ से गुजरता है, तो उसका कुछ हिस्सा विखरित होकर अपना तरंगदैर्घ्य बदल लेता है।

यही खोज आगे चलकर 'रमन प्रभाव' के नाम से प्रसिद्ध हुई। इस प्रभाव ने यह स्पष्ट कर दिया कि समुद्र का नीला रंग आकाश का प्रतिबिंब नहीं, बल्कि प्रकाश के प्रकीर्णन का परिणाम है। इस खोज के लिए सी. वी. रमन को 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला। यह किसी भारतीय वैज्ञानिक को मिला पहला नोबेल पुरस्कार था। यह किस्सा हमें सिखाता है कि वैज्ञानिक दृष्टि केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं होती। एक जिज्ञासु नजर और सवाल पूछने की आदत भी महान खोजों की नींव रखती है।

वैज्ञानिकों के आकर्षण का केंद्र होगा धूमकेतु-3 आई एटलस

इस पूरे वर्ष बहुचर्चित धूमकेतु-3 आई एटलस वैज्ञानिकों के आकर्षण के केंद्र में रहेगा। दूसरी दुनिया से आए इस धूमकेतु की कौमा जैसी पूंछ का रंग अब हरा हो चला है। चौड़ाई में आकार 6 किमी तक है। यह एक असामान्य सक्रिय धूमकेतु है, जिसकी सतह पर संभवत: बर्फ के ज्वालामुखी विस्फोट हो रहे हैं। यह जानकारी नासा की हबल अंतरिक्ष दूरबीन के जरिए सामने आई है।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

अंतरिक्ष में धूमकेतुओं का अपना अलग रोमांच है और वह धूमकेतु तब और भी रोमांच पैदा कर देता है, जब वह हमारे सौर मंडल का न होकर किसी दूसरी दुनिया से आया हो। यही वह मौका है, जो किसी दूसरे सौर मंडल के रहस्यों को उजागर कर सकता है। जिस कारण नासा और ईसा जैसी प्रमुख अंतरिक्ष एजेंसियां गंभीरता से इसके ऑब्जर्वेशन में जुटी हुई हैं। अभी तक हुए अध्ययन के बाद इस धूमकेतु के बारे में कुछ नई जानकारियां सामने आ सकी हैं, जिससे पता चलता है कि इसका धूल भरा कौमा यानी पूंछ अब लाल रंग से हरे रंग में तब्दील हो चुकी है। चौड़ाई में इसका आकार 440 मीटर से 6 किमी के बीच होने का अनुमान वैज्ञानिकों ने जताया है।

बहरहाल इसके आकार की सही जानकारी मिलनी अभी बाकी है। इसके रंग बदलने का कारण द्विपरमाण्विक कार्बन का उत्सर्जन माना जा रहा है। इस धूमकेतु की सतह में हलचल यानी सक्रियता अधिक हो रही हैं, जिस कारण इसे असामान्य माना जा रहा है। इसकी सतह पर बर्फ के ज्वालामुखी विस्फोट हो रहे हैं, इसके संकेत वैज्ञानिकों को मिले हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह धूमकेतु इस वर्ष जून तक जमीनी दूरबीनों से देखा जा सकेगा।

इसके बाद साल के अंत में पुनः पृथ्वी पर मौजूद दूरबीनों से देखा जा सकता है। इस बीच अंतरिक्ष दूरबीन जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप और हबल से इस पर नजर रखी जाएगी। इसके अलावा बृहस्पति ग्रह पर मौजूद दूरबीन जूसी भी इसकी निगरानी करेगा और इसकी तस्वीरें हम तक भेजेगा। वर्तमान में यह धुंधला ही नजर आ रहा है। जिस कारण साधारण दूरबीनों से देख पाना आसान नहीं है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस धूमकेतु के अध्ययन के लिए पूरा साल है, जो किसी दूसरी दुनिया के सौर मंडल की जानकारी दे जाएगा।

धूमकेतुओं से पता चलता है सौर मंडल की वास्तविकता

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे के अनुसार धूमकेतुओं से सौर मंडल के बारे में विस्तृत जानकारी मिलती है। यह किसी भी सौर मंडल के निर्माण के अवशेष होते हैं। जिस कारण सौर मंडल की आयु और वहां मौजूद पिंडों का पता लगाया जा सकता है, जिससे धूमकेतु-3 आई एटलस का महत्व बढ़ जाता है, जो किसी दूसरे सौर मंडल के बारे में जानकारी दे सकता है।

जंगल की दुनिया

पर्पल फ्रॉग (बैंगनी मेढक) धरती का रहस्यमय जीव

पर्पल फ्रॉग, जिसे हिंदी में बैंगनी मेढक कहा जाता है, प्रकृति के सबसे अद्भुत और रहस्यमय जीवों में से एक है। इसका वैज्ञानिक नाम नासिकाबत्रेकस सह्याद्रेंसिस (Nasikabatrachus sahyadrensis) है। यह दुर्लभ प्रजाति केवल भारत के पश्चिमी घाट क्षेत्र में पाई जाती है, जो अपनी जैव-विविधता के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है।

बैंगनी मेढक का शरीर अन्य मेढकों से बिल्कुल अलग होता है। इसका रंग गहरा बैंगनी, शरीर गोल-मटोल और थूथन सूअर की नाक जैसा दिखाई देता है। इसकी आंखें छोटी होती हैं और मुंह संकरा, जिससे यह जमीन के नीचे रहने के लिए पूरी तरह अनुकूलित है। यह मेढक अपने जीवन का अधिकांश समय भूमिगत बिताता है और आमतौर पर इंसानों की नजरों से दूर रहता है।

पर्पल फ्रॉग की सबसे अनोखी विशेषता इसका जीवन-चक्र है। यह साल में केवल मानसून के कुछ ही दिनों के लिए जमीन के ऊपर आता है। इसी दौरान यह प्रजनन करता है। नर मेढक की आवाज तेज और अनोखी होती है, जो जमीन के नीचे से भी सुनाई देती है। इसके टैडपोल चट्टानों से चिपककर बहते पानी में विकसित होते हैं, जो इसे अन्य प्रजातियों से अलग बनाता है। इसका मुख्य भोजन दीमक और छोटे कीड़े होते हैं, जिन्हें यह अपनी लंबी, चिपचिपी जीभ से पकड़ता है। जंगलों में रहने वाली इडुकी इन्हें कई पीढ़ियों से जानते और समझते हैं। माना जाता है कि इन जीवों का प्राचीन वंश लगभग 12 करोड़ वर्षों से स्वतंत्र रूप से विकसित हो रहा है, और इन्होंने नए महाद्वीपों के निर्माण, महान डायनासोर के विनाश, हिमयुग और मनुष्यों के प्रमुख प्रजाति बनने जैसी घटनाओं को जीवित रहते हुए देखा है। वैज्ञानिकों के लिए यह गोंडवानालैंड नामक महाद्वीप के अस्तित्व का एक महत्वपूर्ण जैविक प्रमाण हैं।

आज पर्पल फ्रॉग संकटग्रस्त (Endangered) प्रजातियों की सूची में शामिल है। जंगलों की कटाई, सड़क निर्माण और मानवीय गतिविधियों के कारण इसका प्राकृतिक आवास तेजी से नष्ट हो रहा है। ऐसे में इस अनोखे जीव का संरक्षण न केवल पर्यावरण संतुलन के लिए आवश्यक है, बल्कि हमारी प्राकृतिक धरोहर को बचाने की जिम्मेदारी भी है।

आरएम ड्रिप लगाएगा नया विनिर्माण संयंत्र

नई दिल्ली। आरएम ड्रिप एंड स्प्रिंकलर सिस्टम्स के निदेशक मंडल ने महाराष्ट्र के नासिक में 12,000 टन प्रति वर्ष की स्थापित क्षमता वाली नई विनिर्माण इकाई स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि नई इकाई की स्थापना प्रस्तावित पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ब्रह्मानंद पाइप्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से सिन्नर में होगी। इससे कंपनी की उत्पादन क्षमता में 50% की वृद्धि होगी।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 16 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1860, फ़ॉर्चून कि. 2330, रविन्द्रा 2450, फॉर्चुन 13 किग्रा 2050, जय जवान 2050, सचिन 2045, सूरज 2065, अवसर 1885, उजाला 1975, गृहणी 13 किग्रा 1910, क्लासिक (किग्रा) 2235, मोर 2260, चक्र टिन 2330, ब्लू 2140, आशीर्वाद मस्टर्ड 2325, स्वास्तिक 2520

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4050, लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400, चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4300

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3000, मसूरी- 800, बासमती- 5000, परमल- 1100

दाल दलहन : काला चना- 2000, साबुत चना दाल- 1200, मूंग साबुत- 4200, राजमा- 8100-11100, दाल उड़द- 5000, साबुत मसूर दाल- 2000, मसूर दाल- 2000, उड़द साबुत- 3700, काबुली चना- 7400, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 1100

भारत, अमेरिका व्यापार समझौते के करीब

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल बोले- दोनों देशों के वार्ताकार सभी लंबित मुद्दों पर कर रहे चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं और दोनों पक्षों के तैयार होने पर इसकी घोषणा कर दी जाएगी। अग्रवाल ने कहा कि दोनों देशों के वार्ताकार दल व्यापार समझौते के लगभग सभी लंबित मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं। यह पूरा होने के करीब है, लेकिन हम कोई समय-सीमा नहीं दे सकते हैं। यह तब होगा जब दोनों पक्ष तैयार होंगे और यह महसूस करेंगे कि घोषणा का सही समय है।

अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि भारत और अमेरिका के बीच बातचीत कभी नहीं टूटी थी और दोनों पक्ष लगातार एक-दूसरे से जुड़े रहे हैं। सितंबर में भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में 50% तक का भारी शुल्क लगाने के बाद व्यापार समझौते पर बातचीत कुछ समय के लिए सुस्त पड़ गई थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दिसंबर के अंतिम सप्ताह में

- बोले- भारत-अमेरिका में बातचीत कभी नहीं टूटी और दोनों पक्ष लगातार एक-दूसरे से जुड़े रहे

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीयर के साथ ऑनलाइन बैठक की थी। यह बैठक 10-11 दिसंबर को अमेरिका के उप व्यापार प्रतिनिधि रिक स्विट्ज़र के नेतृत्व में आए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के दौरे के बाद हुई। भारत में अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर ने 12 जनवरी को कहा था कि दोनों पक्ष सक्रिय रूप से व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में लगे हैं।

गोर ने कहा था, असली मित्रों के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन आखिर में हमेशा उन्हें सुलझा लेते हैं। साथ ही अग्रवाल ने अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार की सकारात्मक वृद्धि पर संतोष जताया। व्यापार समझौता संपन्न न हो पाने की किसी संभावना पर उन्होंने कहा कि हम सभी व्यापार वार्ताओं में सकारात्मक और आशावादी दृष्टिकोण रखते हैं।

दोनों पक्ष जुड़े हुए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि इसे अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है। दोनों देशों ने पिछले साल की शुरुआत में द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू की थी। इस दौरान कई दौर की वार्ताएं भी हुईं। हालांकि कृषि एवं डेयरी क्षेत्र से संबंधित मुद्दों को लेकर गतिरोध की स्थिति रही।

भारत, यूरोपीय संघ एफटीए पर बातचीत पूरी करने के नजदीक

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत पूरी करने के बहुत करीब हैं। कुछ बचे मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत जारी है ताकि इस महीने के आखिर में शीर्ष नेतृत्व की यात्रा के समय समझौता, घोषणा के लिए तैयार हो सके। वाणिज्य सचिव, राजेश अग्रवाल ने कहा कि संवेदनशील कृषि से जुड़े मुद्दों को भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के दायरे से बाहर रखा गया है। हमने 24 में से 20 अध्याय पूरी तरह से बंद कर दिए हैं। कुछ मुद्दे ऐसे हैं जिन पर बातचीत चल रही है। हम डिजिटल रूप से जुड़े हुए हैं और हम यह कोशिश कर रहे हैं कि हमारे नेताओं की बैठक से पहले इस काम को कैसा पूरा किया जा सकता है। जिन मुद्दों को सुलझाने की जरूरत है उनमें यूरोपीय संघ का कार्बन कर भी शामिल है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष, उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष, एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और 25-27 जनवरी तक भारत की सरकारी यात्रा पर रहेंगे। वे 77वें गणतंत्र दिवस में मुख्य अतिथि हैं। इस यात्रा के समय, यह नेतृत्व 27 जनवरी को 16वें इंडिया-यूरोपीय संघ सम्मेलन की सह-अध्यक्षता भी करेंगे। सम्मेलन के दौरान समझौते के लिए बातचीत खत्म होने की घोषणा की जा सकती है और इस पर दस्तखत बाद में तय तारीख पर हो सकती है। अग्रवाल ने कहा कि यह बातचीत खत्म होने की घोषणा करने का एक अच्छा मौका होगा। हम इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। बातचीत को गति देने के लिए, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल 8-9 जनवरी को यूरोपीय संघ व्यापार आयुक्त, मारोस सेफ्कोविक के साथ बैठक के लिए ब्रसेल्स गए थे। वित्तवर्ष 2024-25 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 136.53 अरब डॉलर था (75.85 अरब डॉलर का निर्यात और 60.68 अरब अरब डॉलर का आयात), जिससे यह सामानों का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार बन गया। यूरोपीय संघ बाजार का भारत के कुल निर्यात में लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं भारत को यूरोपीय संघ का निर्यात उसके कुल विदेशी निर्यात का नौ प्रतिशत है।

बेरोजगारी दर 4.8% शहरी क्षेत्रों में बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

- पीएलएफएस के मुताबिक, ग्रामीण क्षेत्रों में 3.9% पर स्थिर, शहरी क्षेत्रों में 6.5 से बढ़कर 6.7% हुई

देश में 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों के बीच बेरोजगारी दर दिसंबर में मामूली रूप से बढ़कर 4.8% पर पहुंच गई, जबकि नवंबर में यह 4.7% थी। केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय से जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 3.9 प्रतिशत पर स्थिर रही जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 6.5 प्रतिशत से बढ़कर 6.7 प्रतिशत हो गई।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण पुरुषों में बेरोजगारी दर 4.1% पर स्थिर रही, जबकि शहरी महिलाओं में यह 9.3% से घटकर 9.1% पर आ गई। दिसंबर में देश के कुल श्रमबल में हल्की बढ़त देखी गई और कुल कार्यशील जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) 53.2 से बढ़कर 53.4% हो गया। ग्रामीण पुरुषों का डब्ल्यूपीआर 75.4 से बढ़कर 76% रहा, जबकि शहरी पुरुषों में यह 70.9 से 70.4% पर आ गया। ग्रामीण महिलाओं का डब्ल्यूपीआर 38.4 से बढ़कर 38.6% हो गया जबकि शहरी महिलाओं का कार्यशील जनसंख्या अनुपात 23% पर स्थिर रहा।

आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) 55.8 से बढ़कर 56.1% हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 58.6 से बढ़कर 59% और शहरी क्षेत्रों में 50.4 से घटकर 50.2% रही। महिलाओं की एलएफपीआर कुल 35.1 से बढ़कर 35.3% रही। इसमें ग्रामीण महिलाएं 39.7 से बढ़कर 40.1% पर पहुंच गईं जबकि शहरी महिलाएं 25.5 से घटकर 25.3% पर आ गईं। इन आंकड़ों का आधार 3,73,990 लोगों के बीच किए गए सर्वेक्षण से मिली सूचना है। पीएलएफएस की नई गणना-पद्धति जनवरी, 2025 से लागू की गई है, जिससे श्रमबल संकेतकों का व्यापक और अधिक सटीक आकलन संभव हो पाया है।

निर्यात 1.87% बढ़ा, व्यापार घाटे में मामूली वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच देश का निर्यात दिसंबर 2025 में 1.87% बढ़कर 38.5 अरब डॉलर हो गया लेकिन आयात में तेज वृद्धि से व्यापार घाटा मामूली रूप से बढ़कर 25 अरब डॉलर हो गया। गुरुवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में देश का आयात 8.7 प्रतिशत बढ़कर 63.55 अरब डॉलर रहा। इसके साथ ही आयात और निर्यात का अंतर यानी व्यापार घाटा मामूली रूप से बढ़कर 25.04 अरब डॉलर हो गया। यह नवंबर 2025 में 24.53 अरब डॉलर जबकि दिसंबर 2024 में 22 अरब डॉलर था। साथ ही चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि में देश

- कुल वस्तु निर्यात 2.44% बढ़कर 330.29 अरब डॉलर और कुल आयात 5.9% बढ़कर 578.61 अरब डॉलर रहा

का कुल वस्तु निर्यात 2.44 प्रतिशत बढ़कर 330.29 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान कुल आयात 5.9 प्रतिशत बढ़कर 578.61 अरब डॉलर हो गया।

इस तरह वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में कुल व्यापार घाटा 248.32 अरब डॉलर दर्ज किया गया। व्यापार आंकड़ों पर वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत का निर्यात सकारात्मक रुझान दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा रुझानों को देखते हुए हमें उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में कुल निर्यात (वस्तु और सेवाएं) 850 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर सकता है। पिछले महीने निर्यात में तेजी की अगुवाई इंजीनियरिंग उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स, समुद्री उत्पाद और दवा जैसे क्षेत्रों ने की। इसके साथ अमेरिका, चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को भारत का निर्यात स्थिर गति से बढ़ रहा है।

एमएसएमई के लिए सरकारी योजनाओं को एक साथ जोड़ें

नई दिल्ली, एजेंसी

नीति आयोग ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की दक्षता बढ़ाने को गुरुवार को सरकार की विभिन्न योजनाओं को एक साथ जोड़ने की सिफारिश की। आयोग ने रिपोर्ट में कहा कि एमएसएमई क्षेत्र के लिए केंद्रीकृत ऑनलाइन पोर्टल बनाया जाए और विकास योजनाओं एवं कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का बेहतर समन्वय भी स्थापित किया जाए।

रिपोर्ट में एमएसएमई इकाइयों का बाजार के साथ सहयोग मजबूत करने के लिए विशेष मार्केटिंग प्रकोष्ठ बनाने का सुझाव भी दिया गया है। इस प्रकोष्ठ की घरेलू विपणन इकाई व्यापार मेलों, प्रदर्शनी और

- नीति आयोग ने केंद्रीकृत ऑनलाइन पोर्टल बनाने और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रखी बात

खरीदार-विक्रेता बैठकों में उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाएगी, जबकि विदेशी विपणन इकाई वैश्विक बाजार तक पहुंच और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में समर्थन देगी। साथ ही नीति आयोग ने ग्रामीण और कृषि-आधारित छोटे उद्योगों को उन्नत प्रशिक्षण और नवाचार तक पहुंच दिलाने के लिए मौजूदा योजनाओं को विशेष श्रेणी में शामिल करने की सिफारिश की है।

आयोग ने ग्रामीण और कृषि आधारित छोटे उद्योगों के लिए संचालित एस्पायर योजना को एमएसएमई नवाचार योजना में शामिल करने का सुझाव देते हुए कहा कि इससे इन उद्यमों को उन्नत प्रशिक्षण, नवाचार और समर्थन मिल सकेगा।

रिपोर्ट में सुझाए गए दो-स्तरीय तरीके

नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी की रिपोर्ट में सरकारी योजनाओं को मिलाने के लिए सूचना का समन्वय और प्रक्रिया का समन्वय के दो-स्तरीय तरीके सुझाए गए हैं। इससे केंद्र और राज्य सरकारों के डेटा को जोड़कर योजनाओं में बेहतर तालमेल, निर्णय क्षमता और सेवाओं की पहुंच बढ़ाई जा सकेगी। आयोग ने इस समय संचालित 18 सरकारी योजनाओं का मूल्यांकन करने के बाद कहा कि योजनाओं का अलग-अलग और कभी-कभी पारस्परिक संघर्ष वाला संचालन लाभार्थियों तक पहुंच और असर को सीमित कर देता है। इन योजनाओं का समान और संयोजित क्रियान्वयन एमएसएमई क्षेत्र में संसाधनों का उपयोग, आसान पहुंच और व्यापक विकास को सुनिश्चित करेगा।

राष्ट्रीय

ईसी मतदाता सूची से हटाए वोटरों के नाम करें प्रकाशित : सुप्रीम कोर्ट

आपत्ति दर्ज करने की समय सीमा दो सप्ताह बढ़ाने पर विचार करने को कहा

- संशोधन के बाद जारी मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं 24 लाख लोगों के नाम

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग (ईसी) को केरल में मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) के बाद प्रकाशित मतदाता सूची के मसौदे से हटाए नामों को सार्वजनिक करने का गुरुवार को निर्देश दिया, ताकि प्रभावित मतदाता आपत्ति दर्ज करा सकें। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने आयोग से नामों को हटाने के खिलाफ आपत्ति दर्ज करने की समय सीमा को दो सप्ताह तक बढ़ाने पर विचार करने को भी कहा।

आयोग के वकील ने दलील दी कि समय सीमा बढ़ाने के मुद्दे पर विचार किया जाएगा। पीठ, केरल में एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं के समूह की सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ताओं में केरल की इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के वरिष्ठ राजनेता पीके कुन्हालीकुट्टी, माकपा के एमवी गोविंदन मास्टर और सनी जोसेफ के साथ भाकपा राज्य परिषद के सदस्य शामिल हैं। याचिकाओं में कहा गया कि वर्तमान में जिस प्रकार से एसआईआर प्रक्रिया जारी रही है, उसमें तकनीकी त्रुटियों और मजबूत निवारण तंत्र के अभाव से आबादी के बड़े हिस्से के मताधिकार से वंचित होने का खतरा है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने बताया कि संशोधन के बाद जारी मतदाता सूची के मसौदे के अनुसार, 24 लाख नाम हटाए गए हैं। पीठ को सूचित किया गया कि पिछली सुनवाई के दौरान आयोग ने जनगणना प्रपत्र जमा करने की मूल समय सीमा चार दिसंबर से बढ़ाकर 11 दिसंबर कर दी थी। बाद में न्यायालय की टिप्पणियों के आधार पर समय सीमा को बढ़ाकर 18 दिसंबर कर दिया गया। पीठ ने इन दलीलों पर ध्यान देते हुए कहा कि मसौदा मतदाता सूची से बाहर किए गए व्यक्तियों के नाम, अगर पहले से प्रदर्शित नहीं किए गए हैं, तो ग्राम पंचायत कार्यालयों या गांवों में स्थित किसी कार्यालय में प्रदर्शित किए जाने चाहिए।

जन नायकन के निर्माता सीबीएफसी मंजूरी को हाईकोर्ट जाएं

विजय-अभिनीत फिल्म जन नायकन की रिलीज टलती जा रही है, क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को प्रमाण-पत्र जारी करने का निर्देश देने संबंधी फिल्म निर्माता की याचिका गुरुवार को खारिज कर दी तथा उन्हें 20 जनवरी को फिर से मद्रास हाईकोर्ट के समक्ष जाने को कहा। केवीएन प्रोडक्शंस एलएलपी ने मद्रास हाईकोर्ट के उस अंतरिम आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें तमिल फिल्म जन नायकन को प्रमाण-पत्र जारी करने के एकल-न्यायाधीश के निर्देश पर रोक लगा दी गई थी। फिल्म नौ जनवरी को पोंगल पर रिलीज होनी थी। यह फिल्म विजय के राजनीति में पूर्ण रूप से प्रवेश करने से पहले उनकी आखिरी फिल्म मानी जा रही है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट में मामले के निपटारे की गति पर सवाल उठाते हुए फिल्म निर्माताओं को राहत के लिए हाईकोर्ट की खंडपीठ जाने के लिए कहा। निर्माताओं के वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने शीर्ष अदालत से कहा कि विवाद के निपटारे में अगर देरी होती है तो इससे गंभीर क्षति होगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि मद्रास हाईकोर्ट 20 जनवरी को याचिका पर फैसला करे।

कोमा में गए बेटे को इच्छामृत्यु की अर्जी पर फैसला सुरक्षित

उच्चतम न्यायालय ने 31-वर्षीय व्यक्ति के पिता की उस याचिका पर गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें 12 साल से अधिक समय से कोमा में गए बेटे के कृत्रिम जीवन रक्षक उपकरण को हटाकर उसे परोक्ष इच्छामृत्यु देने का अनुरोध किया गया है। याचिका के मुताबिक, हरीश राणा 2013 में इमारत की चौथी मंजिल से गिर गए थे और उनके सिर में गंभीर चोट आईं थी। वह 12 वर्षों से कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली के सहारे हैं। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र से पेश हुईं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी और याचिकाकर्ता (पिता) अशोक राणा की अधिवक्ता रश्मी नंदकुमार की दलीलें सुनीं।

तमिलनाडु के विवि के खिलाफ हाईकोर्ट के आदेश पर रोक

उच्चतम न्यायालय ने मद्रास हाईकोर्ट के उस निर्देश पर रोक लगा दी, जिसमें तंजावुर स्थित सरकारी जमीन से षणमुगा आर्ट्स, साइंस, टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च एकेडमी (एसएएसटीआरए) को बेदखल करने का आदेश दिया गया था। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और विजय बिश्नोई की पीठ ने राज्य सरकार से तीन वरिष्ठ राज्य अधिकारियों की उच्चस्तरीय समिति गठित करने को कहा। पीठ ने निर्देश दिया कि समिति विवि के अभ्यावेदन पर विचार करे और चार सप्ताह में निर्णय लेने से पहले संस्थान को सुनवाई का अवसर प्रदान करे।

वकालत मानदंड पर उच्च न्यायालयों, एनएलयू से प्रतिक्रिया मांगी

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को प्रवेश स्तर की न्यायिक सेवा परीक्षा में शामिल होने के लिए न्यूनतम तीन वर्ष के वकालत पेशा मानदंड पर सभी उच्च न्यायालयों, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों और अन्य विधि विद्यालयों से राय मांगी। उच्चतम न्यायालय ने गत वर्ष 20 मई को नए विधि स्नातकों को प्रवेश स्तर की न्यायिक सेवा परीक्षा में बैठने से रोक दिया था और इसके लिए न्यूनतम तीन साल की वकालत करने का मानदंड तय किया था। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और विजय बिश्नोई की पीठ गुरुवार को भूमिका ट्रस्ट द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) की श्रेणी से संबंधित विधि स्नातकों को न्यूनतम तीन वर्ष की वकालत करने की आवश्यकता से छूट देने का अनुरोध किया गया था।

भाजपा ने कोर्ट की टिप्पणी को ममता पर गंभीर आरोप बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने कोलकाता स्थित आई-पैक परिसर में ईडी की छापेमारी को कथित तौर पर बाधित करने के खिलाफ दाखिल याचिका पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर गंभीर आरोप करार दिया। केंद्र में सत्तारूढ़ और बंगाल की विपक्षी पार्टी भाजपा ने आरोप लगाया कि टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने कोयला तस्करी और धनशोधन के आरोपियों को बचाने के लिए राज्य की मशीनरी का इस्तेमाल किया।

भाजपा ने कहा कि ममता बनर्जी आज जनता और अदालत दोनों में बेनकाब और पराजित हो चुकी हैं। अब उनके मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कोई आधार नहीं है। भाजपा का यह बयान शीर्ष अदालत द्वारा ईडी की छापेमारी में बाधा डालने के आरोप को बेहद गंभीर बताये जाने के बाद आया। भाजपा के पश्चिम बंगाल मामलों के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने कहा, यह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर एक गंभीर आरोप है।

आई-पैक छापा मामला

- भाजपा ने कहा- टीएमसी अध्यक्ष ने कोयला तस्करी के आरोपियों को बचाने के लिए राज्य की मशीनरी का किया इस्तेमाल

न्यायालय ने ''कड़ी'' टिप्पणी करते हुए कहा कि याचिका में राज्य एजेंसियों द्वारा ईडी की जांच में कथित हस्तक्षेप के गंभीर मुद्दे उठाए गए हैं। मालवीय ने एक्स पर कहा कि न्यायालय ने चेतावनी दी है कि गंभीर आर्थिक अपराधों की जांच कर रही केंद्रीय एजेंसियों के काम में बाधा डालने से अराजकता फैल सकती है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पार्टी मुख्यालय में उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों और ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर रोक को ममता बनर्जी के लिए करारा तमाचा करार दिया। उन्होंने कहा कि इससे यह स्पष्ट है कि टीएमसी के शासन में पश्चिम बंगाल में जंगल राज है। उच्चतम न्यायालय ने यह संदेश दिया कि भारत और पश्चिम बंगाल में केवल कानून का शासन ही कायम रहेगा। भाजपा की एक अन्य राष्ट्रीय प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों को बनर्जी और उनकी सरकार के लिए बड़ा झटका करार दिया। इल्मी ने कहा कि ममता बनर्जी आज जनता और कानून दोनों की अदालत में पूरी तरह से बेनकाब और पराजित हो चुकी हैं। अब उनके मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कोई औचित्य नहीं है।

तृणमूल कांग्रेस ने राजनीतिक बदले की बात कही भाजपा का ममता पर जांच रोकने का आरोप

कोलकाता। टीएमसी और भाजपा ने राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक के परिसर पर ईडी की छापेमारी को लेकर गुरुवार को एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए। पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी ने चुनाव से पहले राजनीतिक तलाशी का आरोप लगाया, जबकि भाजपा ने मुख्यमंत्री बनर्जी पर केंद्रीय एजेंसियों के कामकाज में बार-बार बाधा डालने का आरोप लगाया। तृणमूल प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि ईडी की कार्रवाई राजनीतिक रूप से प्रेरित थी और बंगाल में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर की गई थी। घोष ने सवाल उठाया कि चुनाव से ठीक पहले ईडी क्यों जाग उठी। यह मामला 2020 में दर्ज हुआ था। पांच-छह साल बीत चुके हैं। इतने सालों तक वे क्या कर रहे थे। भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बनर्जी पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज में बाधा डालने के अस्वीकार्य और अक्षम्य प्रयास करने का आरोप लगाया। शेखावत ने आरोप लगाया कि ईडी की छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री स्वयं कोलकाता स्थित आई-पैक कार्यालय पहुंचीं और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उनसे पहले ही पहुंच चुके थे। भाजपा नेता ने दावा किया कि यह जांच के दौरान जानबूझकर बाधा डालने का मामला था।

ईडी छापों पर घमासान

और साक्ष्य, दस्तावेज पेश करने दिल्ली हाईकोर्ट पहुंची पीड़िता

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के उन्नाव दुष्कर्म मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ कुलदीप सेंगर की ओर से दायर अपील में और तथ्य रिकॉर्ड पर लाने के लिए पीड़िता ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया। भाजपा से निष्कासित सेंगर की अपील के सिलसिले में दायर अर्जी में पीड़िता ने कहा कि वह अदालत के समक्ष ऐसे तथ्य और दस्तावेज पेश करना चाहती है जो हालिया घटनाक्रमों के साथ उसे और परिवार के खतरे को दर्शाते हैं।

अर्जी में यह भी अनुरोध किया गया है कि उन्नाव स्थित उसके स्कूल के दो अधिकारियों के बयान दर्ज किए जाएं, ताकि उसकी (पीड़िता की) जन्मतिथि सत्यापित हो सके। पीड़िता ने आरोप लगाया कि सेंगर ने जांच को प्रभावित किया और मुकदमे में उसकी उम्र से संबंधित

उन्नाव दुष्कर्म

फर्जी और झूठे दस्तावेजों का इस्तेमाल किया, जिन्हें अपील में भी आधार बनाया गया है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने पाया कि अपील सुनवाई के अंतिम चरण में है और पीड़िता की अर्जी पर विचार के लिए 25 फरवरी की तारीख तय की। पीठ ने पीड़िता के वकील को 31 जनवरी तक अर्जी के साथ संबंधित दस्तावेज दाखिल करने को कहा और सेंगर तथा सीबीआई को याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

तमिलनाडु में जल्लीकट्टू शुरू, 32 लोग घायल

मदुरै (तमिलनाडु)। मदुरै के अवनियापुरम में सांडों को काबू करने की प्रतियोगिता जल्लीकट्टू के दौरान गुरुवार को 32 लोग घायल हो गए। पोंगल 2026 फसल कटाई उत्सव सत्र में होने वाली सांड काबू करने की तीन प्रमुख पारंपरिक प्रतियोगिताओं में से पहली प्रतियोगिता यहां अवनियापुरम में गुरुवार को शुरू हुई, जिसमें सांड काबू करने वाले 550 लोग अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं। मदुरै में आयोजित तीन दिवसीय जल्लीकट्टू उत्सव में भाग लेने के लिए 1,100 सांडों और सांड काबू करने वालों का ऑनलाइन पंजीकरण हुआ है। पांचवें दौर के अंत तक कुल 464 सांड छोड़े गए, जिनमें 275 सांड काबू में नहीं आए और 189 सांड पर काबू पा लिया गया। इस दौरान घायल हुए 32 लोगों में एक दर्शक, सांड काबू करने वाले 17 लोग और 14 सांड मालिक हैं। इनमें से पांच लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। नीदरलैंड और जापान सहित कुछ अन्य देशों के लोग भी यह प्रतियोगिता देखने पहुंचे।

सिख परंपराओं पर टिप्पणी के लिए अकाल तख्त के समक्ष पेश हुए मुख्यमंत्री मान

अमृतसर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान सिख परंपराओं और सिद्धांतों के बारे में कथित टिप्पणियों को लेकर तलब किए जाने के बाद गुरुवार को तख्त सचिवालय के समक्ष पेश हुए। उन्होंने गुरुवार को अकाल तख्त सचिवालय में पेश होने से पहले स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका। मान ने बताया कि उन्होंने स्पष्टीकरण अकाल तख्त के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज्ज को सौंप दिया है। जवाब की विस्तृत जांच की जाएगी, जिसके बाद निर्देश दिए जाएंगे। मान ने कहा कि वह एक धर्मनिष्ठ सिख के रूप में स्पष्टीकरण देने को अकाल तख्त सचिवालय के समक्ष उपस्थित हुए और वह किसी भी निर्देश का पालन करेंगे। जत्थेदार गरगज्ज ने 5 जनवरी को गुरु की गोलक (गुरुद्वारे की दानपेटी) पर टिप्पणी और सिख गुरुओं व आतंकी जरनैल सिंह भिंडरांवाले की तस्वीरों के संबंध में लिप्त पाए जाने के आरोप में तलब किया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

थाईलैंड में अब हाईवे पर गिरी क्रेन, दो की मौत, पांच घायल

बैंकॉक। मध्य थाइलैंड के एक व्यस्त राजमार्ग पर एक निर्माण क्रेन के हिस्से गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और पांच गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया कि बैंकॉक से 17 मील दूर समुत सखोन प्रांत में किंग रामा द्वितीय राजमार्ग पर एक एलिवेटेड टोल रोड परियोजना पर काम कर रही एक निर्माण क्रेन के कुछ हिस्से सड़क पर गिर गए, जिससे वहां से गुजर रही दो कारें टकरा गईं। राजा राम द्वितीय राजमार्ग पर निर्माण सामग्री के सड़क पर गिरने की घटनाएं पहले भी हुई हैं, जिससे लोग हताहत हुए हैं। इससे पहले 14 जनवरी को थाई प्रांत नाखोन रत्चासिमा में पटरियों पर गिरी एक निर्माण क्रेन से यात्री ट्रेन टकराने से 32 लोगों की मौत हो गई थी और 64 घायल हो गए थे। तीन लोग लापता हैं।

न्यू जर्सी: अपने दो बेटों की हत्या की आरोपी भारतीय महिला गिरफ्तार

न्यूयॉर्क। न्यू जर्सी में भारतीय मूल की 35 वर्षीय महिला को अपने दो नाबालिग बेटों की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सोमरसेट काउंटी के अभियोजक जॉन मैकडोनाल्ड ने बताया कि 13 जनवरी को शाम लगभग 6 .45 बजे एक व्यक्ति ने आपातकालीन नंबर 911 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। इस व्यक्ति को बच्चों का पिता माना जा रहा है। उसने बताया कि काम से घर लौटने पर उसने अपने पांच और सात वर्षीय दो बेटों को बेहोश पाया। उसने कहा, मेरी पत्नी ने उनके साथ कुछ किया है। मौके पर पहुंचने पर पुलिस अधिकारियों ने घर के एक कमरे में दोनों बच्चे मृत अवस्था में मिले। नटराजन को हत्या और गैरकानूनी उद्देश्य के लिए हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

अमेरिका ने कैरेबियन सागर में एक और तेल टैंकर को जब्त किया

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने कैरेबियन सागर में एक और तेल टैंकर को जब्त कर लिया है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इस टैंकर का संबंध वेनेजुएला से है। माना जा रहा है कि यह लातिन अमेरिकी देश के तेल भंडार पर नियंत्रण हासिल करने के लिए अमेरिका द्वारा की जा रही कोशिशों का हिस्सा है। अमेरिका की गृह मंत्री क्रिस्टी नोएम ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया, मोटर टैंकर वेरोनिका पहले वेनेजुएला के जलक्षेत्र से गुजर चुका था, और वह कैरेबियन में प्रतिबंधित जहाजों के लिए राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा निर्धारित क्षेत्र का उल्लंघन कर रहा था।

पर्यटन और अस्थाई वीजा पर रोक नहीं लगाएगा अमेरिका

- उच्चजोखिम वाले 75 देशों पर सिर्फ प्रवासी वीजा पर रहेगी पाबंदी

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की ओर से बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत उच्च-जोखिम वाले 75 देशों के लोगों के लिए प्रवासी वीजा पर लगाई गई ताजा रोक पर्यटक या वर्क वीजा पर लागू नहीं होगी और इसका असर उन लोगों पर पड़ेगा जो अमेरिका में स्थाई रूप से रहना चाहते हैं।

अमेरिका ने पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, ईरान, इराक और रूस सहित 75 देशों के नागरिकों के लिए प्रवासी वीजा जारी करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने की बुधवार को घोषणा की थी। उसने कहा कि इन देशों से आने वाले प्रवासी अमेरिकी लोगों की कल्याणकारी योजनाओं का अस्वीकार्य दरों पर लाभ लेते हैं। प्रवासियों पर ट्रंप प्रशासन की सख्ती के तहत उठाया गया यह ताजा कदम उन विदेशियों के प्रवेश पर अंकुश लगाने के लिए है जिनके अमेरिका में रहते हुए सार्वजनिक लाभों पर निर्भर रहने की आशंका है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रवासियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना चाहिए और अमेरिकियों पर बोझ नहीं बनना चाहिए। विदेश मंत्रालय सभी नीतियों, विनियमों की पूर्ण समीक्षा कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उच्च-जोखिम वाले इन देशों से आने वाले प्रवासी अमेरिका में कल्याणकारी योजनाओं का उपयोग न करें।

ट्रंप की मनमानी से बदले हालात

नाटो सदस्य देशों में दरार

डेनमार्क के स्वामित्व वाले ग्रीनलैंड पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कब्जा करने की घोषणा ने नाटो के भीतर गंभीर तनाव पैदा कर दिया है। नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन यानी नाटो एक सैन्य गठबंधन है जिसकी स्थापना 1949 में हुई थी। इसमें 32 सदस्य देश शामिल हैं जो एक-दूसरे की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। नाटो में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी जैसे शक्तिशाली देश शामिल हैं। अमेरिका इसका सबसे बड़ा वित्तीय और सैन्य योगदानकर्ता है। इस संगठन का मुख्य सिद्धांत सामूहिक रक्षा है। यानी यदि किसी एक सदस्य देश पर हमला होता है तो उसे पूरे समूह पर हमला माना जाता है और सभी सदस्य देश मिलकर उसका मुकाबला करते हैं। अब नाटो देशों की एकता खतरे में पड़ गई है। ट्रंप ने ग्रीनलैंड को अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए अत्यावश्यक बताया है।

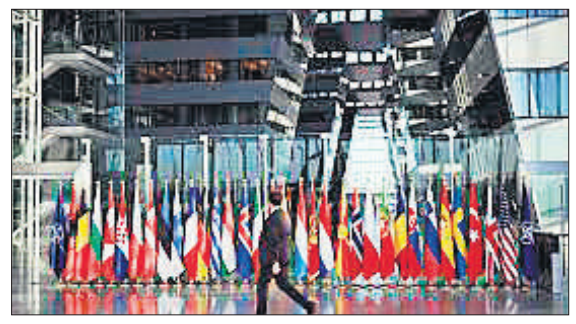

ट्रंप की घोषणा पर प्रतिक्रिया

- नाटो सदस्य डेनमार्क ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका जबरन ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की कोशिश करता है तो यह नाटो का अंत हो सकता है।
- जर्मनी, फ्रांस, स्वीडन और नॉर्वे जैसे नाटो सदस्यों ने डेनमार्क के समर्थन में ग्रीनलैंड में अपने सैनिक और सैन्य अभ्यास भेजने का फैसला किया है।
- नाटो के इतिहास में यह पहली बार होने जा रहा है जब उसके सदस्य देशों ने ही एक-दूसरे के खिलाफ खड़े होने की तैयारी शुरू कर दी है।
- ट्रंप का तर्क है कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण से नाटो और शक्तिशाली बनेगा, लेकिन इसे मित्र देश की संप्रभुता पर हमला माना जा रहा है।

नाटो देशों का आपसी सहयोग

- बजट और संसाधन साझा करना प्रमुख है, नाटो सदस्यों ने 2026 के लिए 2 .42 बिलियन यूरो के साझा सैन्य बजट और 528 .2 मिलियन यूरो के नागरिक बजट पर सहमति जताई है।
- आधुनिक खतरों से निपटने के लिए एक डेटा-केंद्रित संगठन बनने की रणनीति अपनाई है। 2026 में साइबर लचीलापन बढ़ाने और साझा डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर पर साथ काम कर रहे हैं।
- सामूहिक रक्षा और अनुच्छेद 5 नाटो सदस्य देशों के बीच सहयोग का सबसे बड़ा आधार है, जिसके तहत किसी एक सदस्य पर हमला सभी सदस्यों पर हमला माना जाता है।
- नाटो देशों ने रूस से यूक्रेन की रक्षा के लिए अभूतपूर्व सहयोग दिखाया है। वर्ष 2026 के लिए यूक्रेन को 45 से 60 बिलियन डॉलर तक की सैन्य सहायता देने का संकल्प लिया है।

क्या हैं आशंकाएं

- यूरोपीय देश स्वतंत्र सैन्य शक्ति और रक्षा प्रणाली बनाने पर जोर देंगे। नाटो के बजाय यूरोपीय सेना का विचार जन्म ले रहा है।
- अमेरिका का यूरोप व अटलांटिक क्षेत्र पर नियंत्रण कम होगा, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में चीन-रूस अपनी भूमिका बढ़ा सकते हैं।
- नाटो कमजोर होने से देश द्विपक्षीय या छोटे क्षेत्रीय गुटों की ओर बढ़ सकते हैं। वैश्विक सुरक्षा ढांचा जटिल व अस्थिर हो जाएगा।
- कई यूरोपीय देश परमाणु हथियार विकसित करने पर विचार कर सकते हैं, जो वैश्विक अप्रसार प्रयासों के लिए बड़ा झटका होगा।

रूस-चीन के लिए अवसर

- नाटो की एकता कम होने से रूस को पूर्वी यूरोप में प्रभाव बढ़ाने का मौका मिलेगा, यूक्रेन और बाल्टिक देशों के लिए सुरक्षा जोखिम बढ़ जाएगा।
- चीन आर्थिक और कूटनीतिक रूप से यूरोपीय देशों को आकर्षित करने की कोशिश करेगा, ताकि अमेरिका को अलग-थलग किया जा सके।
- ट्रंप का दावा है कि अगर अमेरिका ने ग्रीनलैंड नहीं लिया तो रूस या चीन उस पर कब्जा कर लेंगे। डेनमार्क और ग्रीनलैंड ने इसे खारिज कर दिया है।

ट्रंप का रुख बदला, अब बोले- ईरान में प्रदर्शनकारियों की हत्याएं रुकीं

एक दिन पहले ही प्रदर्शनकारियों को दिलाया था मदद भेजने का भरोसा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख में बुधवार को तब अचानक बदलाव नजर आया जब उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वसनीय सूत्रों ने बताया है कि ईरान में फांसी की सजा की योजना को रोक दिया गया है। इसके उलट तेहरान ने प्रदर्शनकारियों पर अपनी कार्रवाई में त्वरित सुनवाई और फांसी देने के संकेत दिए हैं। ज्यादा जानकारी दिए बगैर अमेरिकी राष्ट्रपति का यह दावा ऐसे समय में सामने आया है जब एक दिन पहले ही उन्होंने प्रदर्शनकारियों को भरोसा दिलाया था कि मदद आ रही है और उनका प्रशासन इस्लामिक गणराज्य की घातक कार्रवाई के जवाब में उचित कार्रवाई करेगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 24 घंटे के भीतर कई ऐसे बयान दिए हैं जिनसे यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि ईरान के खिलाफ अमेरिका यदि कोई कार्रवाई करेगा तो वह क्या होगी। बुधवार को उनकी टिप्पणियों से संकेत मिला कि वे कार्रवाई को टाल देंगे। 'व्हाइट हाउस' में शासकीय आदेशों और कानूनों पर हस्ताक्षर करते हुए ट्रंप ने कहा, हमें बताया गया है कि ईरान में हत्याएं रुक रही हैं। वे अब ऐसा कुछ नहीं करने जा रहे हैं। फांसी की कोई योजना नहीं है, न ही किसी को फांसी दी जाएगी। मुझे यह विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है। ट्रंप ने यह नहीं बताया कि उन्हें यह जानकारी कहां से मिली, लेकिन उन्होंने इसे दूसरी तरफ के बहुत महत्वपूर्ण सूत्रों से मिली जानकारी बताया।

बुधवार को ईरान की राजधानी तेहरान में सड़कों पर मौजूद प्रदर्शनकारी।

सप्ताह भर तक कार्रवाई ईरान में धीमे हुए प्रदर्शन

दुबई। ईरान की इस्लामिक सत्ता को चुनौती देने वाले देशव्यापी विरोध प्रदर्शन बृहस्पतिवार को धीरे-धीरे शांत होते नजर आए। एक सप्ताह पहले ही अधिकारियों ने देश को दुनिया से अलग-थलग कर दमनकारी कार्रवाई को तेज किया था। इस कार्रवाई में लगभग 2,615 लोग मारे गए। ईरान की राजधानी तेहरान में प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पिछले एक-दो दिन से सुबह के समय रात के दौरान जलाई गई आग के कोई निशान या सड़कों पर किसी प्रकार का कोई मलबा नहीं दिखा। कई रातों से जारी गोलीबारी की तेज आवाज अब मंद पड़ गई है। इस बीच, ईरान के सरकारी मीडिया ने एक के बाद एक की जा रही गिरफ्तारियों की घोषणा की।

सवालों के दिए गोलमोल जवाब, कहा- नजर रखेंगे और देखेंगे

ट्रंप ने कहा कि यह जानकारी सच है या नहीं, इसकी पड़ताल वह बाद में करेंगे। यह भी खुलासा नहीं किया कि इसकी पड़ताल वह कैसे करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह सच है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह ईरानी सरकार के खिलाफ कोई कार्रवाई करेंगे तो उन्होंने कहा, कौन जानता है। ट्रंप ने कहा, हम इस पर नजर रखेंगे और देखेंगे कि प्रक्रिया क्या है। मंगलवार को राष्ट्रपति ने पत्रकारों से कहा था कि उन्होंने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से अगले कदमों के बारे में परामर्श किया। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और 'व्हाइट हाउस' की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रमुख अधिकारियों ने ट्रंप के लिए राजनयिक दृष्टिकोण से लेकर सैन्य हमलों तक के विकल्पों पर विचार-विमर्श को लेकर पिछले शुक्रवार को बैठक शुरू की थी।

रूस ने जासूसी कर रहे ब्रिटिश राजनयिक को निष्कासित किया

- ब्रिटिश खुफिया एजेंसी से संबंध स्थापित होने के बाद उठाया कदम

मॉस्को। रूस ने जासूसी के आरोपों की वजह से मॉस्को स्थित ब्रिटिश दूतावास में कार्यरत एक राजनयिक को बृहस्पतिवार को निष्कासित कर दिया। रूस की ओर से यह कदम रूसी खुफिया एजेंसी एफएसबी की ओर से दूतावास में कार्यरत इस अधिकारी का संबंध ब्रिटिश खुफिया एजेंसी से स्थापित करने के बाद उठाया गया।

संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने कहा कि मॉस्को स्थित ब्रिटिश दूतावास में सचिव के पद पर कार्यरत गैरेथ सैमुअल डेविस ब्रिटेन की गुप्त सेवाओं के लिए काम कर रहे हैं। रूस के विदेश मंत्रालय ने ब्रिटिश दूतावास की प्रभारी डेने ढोलकिया को औपचारिक विरोध दर्ज कराने और संदिग्ध जासूस को दो सप्ताह के भीतर देश छोड़ने के आदेश से अवगत कराने के लिए तलब किया था।

रूस के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, मॉस्को रूसी धरती पर ब्रिटिश विशेष सेवाओं के अघोषित एजेंटों की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेगा। कहा गया है कि रूसी सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में 'कतई बर्दाश्त नहीं' की नीति अपनाती है।

ग्रोक पर रोक, अब नहीं बनाएगा अश्लील तस्वीरें

नई दिल्ली,एजेंसी

- एक्स ने प्रौद्योगिकी उपाय लागू किए, सभी यूजर्स आएंगे दायरे में

अश्लील डीपफेक तस्वीरों को लेकर भारी विरोध के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' ने अपने एआई चैटबॉट ग्रोक को अवैध रूप से आपत्तिजनक कपड़ों में लोगों की तस्वीरें बनाने से रोकने के लिए प्रौद्योगिकी उपाय लागू किए हैं। 'एक्स' ने कहा है कि यह प्रतिबंध पेड सब्सक्राइबर (सशुल्क ग्राहक) समेत सभी यूजर्स पर लागू होता है। इसके अलावा 'एक्स' पर ग्रोक खाते के जरिए तस्वीर बनाने और उन्हें एडिट करने की सुविधा अब सिर्फ पेड सब्सक्राइबर्स के लिए ही उपलब्ध होगी।

कंपनी का कहना है कि इससे सुरक्षा तंत्र और मजबूत होगा और यह सुनिश्चित होगा कि जो लोग ग्रोक खाते का दुरुपयोग करके कानून या उसकी नीतियों का उल्लंघन करते हैं, उनकी जवाबदेही तय हो। 'एक्स' ने कहा कि अब हम उन सभी क्षेत्रों में ग्रोक खाते और ग्रोक इन एक्स में बिकनी, अंतःवस्त्र और ऐसे और परिधानों में लोगों की तस्वीरें बनाने की क्षमता को भौगोलिक रूप से अवरुद्ध कर रहे हैं, जहां यह अवैध है। ग्रोक खाते को बिकनी जैसे आपत्तिजनक कपड़ों में वास्तविक लोगों की तस्वीरों को संपादित करने से रोकने के लिए उसने प्रौद्योगिकी उपाय लागू किए हैं।

सभी के लिए सुरक्षित मंच बनाने का वादा

'एक्स' ने स्पष्ट किया कि इससे उसके मौजूदा सुरक्षा नियमों में कोई बदलाव नहीं आएगा जिसके तहत 'एक्स' पर पोस्ट किए गए सभी 'एआई प्रॉम्प्ट' और 'जेनरेटेड कंटेंट' को उसके निर्धारित नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। कंटेंट चाहे जिस तरह तैयार किया जाए, यूजर सशुल्क ग्राहक हो या मुफ्त सेवा लेने वाला, हमारा सुरक्षा दल अवैध सामग्री को हटाने के लिए त्वरित कार्रवाई करने, जरूरत पड़ने पर खातों को स्थाई रूप से निलंबित करने और स्थानीय सरकारों तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। वह सभी के लिए सुरक्षित मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। बाल यौन शोषण, बिना सहमति के नग्नता एवं अवांछित यौन सामग्री को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अंतरिक्ष यात्री के बीमार पड़ने से अधूरा खत्म हुआ मिशन

केप केनवरल, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से एक बीमार अंतरिक्ष यात्री बृहस्पतिवार को तीन और साथियों के साथ पृथ्वी पर लौट आया। अंतरिक्ष स्टेशन का इन लोगों का मिशन एक महीने से अधिक समय पहले ही खत्म हो गया। स्वास्थ्य कारणों को लेकर अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष स्टेशन से वापस धरती पर लाने का नासा का यह पहला अभियान था।

इन अंतरिक्ष यात्रियों के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर निकलने के 11 घंटे बाद स्पेसएक्स ने कैप्सूल को सैन डिएगो के पास प्रशांत महासागर में आधी रात को सफलतापूर्वक उतारा। अगस्त में शुरू हुए इस मिशन का यह अप्रत्याशित अंत था, जिसके बाद आईएसएस में केवल एक अमेरिकी और दो रूसी ही शेष रह गए हैं। नासा और स्पेसएक्स ने कहा कि वे चार सदस्यीय नए दल को

- अपनी तरह के पहले मामले में नासा की टीम ने पृथ्वी पर की आपात वापसी

अंतरिक्ष में भेजने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। नासा की जेना कार्डमैन और माइक फिंके के साथ जापान के किमिया युई और रूस के ओलेग प्लाटोनोव भी वापस आए। अधिकारियों ने गोपनीयता का हवाला देते हुए बीमार अंतरिक्ष यात्री की पहचान या घटना के बारे में विस्तार से बताने से इन्कार कर दिया। कक्षा में अंतरिक्ष यात्री की हालत स्थिर थी लेकिन नासा उन्हें स्वास्थ्य जांच के लिए पृथ्वी पर वापस लाना चाहता था।

डेनमार्क के विदेशमंत्री ने कहा- ग्रीनलैंड के मुद्दे पर हम अमेरिका से असहमत

वाशिंगटन। डेनमार्क के विदेश मंत्री ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ बातचीत के बाद भी ग्रीनलैंड को लेकर बुनियादी असहमति बनी हुई है। हालांकि दोनों पक्ष मतभेदों को दूर करने के तरीकों पर चर्चाकरने के लिए एक कार्यसमूह बनाने पर सहमत हो गए हैं।

ट्रंप लगातार डेनमार्क के आर्कटिक क्षेत्र ग्रीनलैंड को कब्ज़े में लेने की बात कह रहे हैं। डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने वेंस और रुबियो के साथ चर्चा के बाद कहा, ग्रीनलैंड के आसपास की मौजूदा स्थिति पर हमारा दृष्टिकोण अमेरिका के सार्वजनिक बयानों से भिन्न है, लेकिन दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में हम चिंताओं को साझा करते हैं। मौलिक मतभेदों के बावजूद डेनमार्क और ग्रीनलैंड अमेरिका से संवाद जारी रखेंगे। रासमुसेन ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने एक उच्च स्तरीय कार्य समूह बनाने का फैसला किया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या हम आगे बढ़ने का एक साझा रास्ता खोज सकते हैं।

वेनेजुएला पर और हमले से ट्रंप को रोकने को लाया गया विधेयक गिरा

वाशिंगटन, एजेंसी

- पक्ष-विपक्ष में पड़े 50-50 मत, वेंस को डालना पड़ा निर्णायक वोट

वेनेजुएला पर और हमले करने की अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की क्षमता को सीमित करने वाले युद्ध अपराध से संबंधित एक प्रस्ताव को रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने बुधवार को सीनेट में खारिज करने के पक्ष में मतदान किया, जबकि पार्टी के दो सांसदों ने इस विधेयक के समर्थन से अपना रुख पलट लिया।

ट्रंप ने उन पांच रिपब्लिकन सीनेटरों पर भारी दबाव डाला था जिन्होंने पिछले सप्ताह डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों के साथ मिलकर प्रस्ताव को आगे बढ़ाया और अंततः वह विधेयक को पारित होने से रोकने में सफल रहे। इन पांच रिपब्लिकन सीनेटरों में से दो मिसौरी के सीनेटर जोश हॉली और इंडियाना के सीनेटर टॉड यंग ने दबाव में आकर अपना पक्ष बदल लिया। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को सीनेट में विधेयक को खारिज करने के रिपब्लिकन प्रस्ताव पर 50 के मुकाबले 50 के वोट पर निर्णायक वोट करना पड़ा।

इस हाईप्रोफाइल चुनाव के परिणाम ने यह प्रदर्शित किया कि ट्रंप अब भी रिपब्लिकन पार्टी के अधिकतर हिस्से पर अपना दबदबा बनाए हुए हैं, लेकिन बेहद कम अंतर से हुए मतदान ने राष्ट्रपति की आक्रामक विदेश नीति की महत्वाकांक्षाओं को लेकर कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद परिसर) में बढ़ती चिंता को भी उजागर किया। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को अचानक रात में गिरफ्तार किए जाने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों ने इस बहस को आगे बढ़ाया।

ट्रंप ने मंगलवार को मिशिगन में अपने संबोधन में कहा, हमारे सामने यह अब तक के सबसे सफल हमलों में से एक है और वे इसके खिलाफ जाने का रास्ता ढूंढ लेते हैं। यह वाकई चौंकाने वाला है। यह शर्मनाक है। उन्होंने इस विधेयक को आगे बढ़ाने वाले कई रिपब्लिकन सांसदों को भी निशाना बनाया।

यूक्रेन में ऊर्जा क्षेत्र में आपातकाल लागू

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोडिमिर जेलेंस्की ने रूसी हमलों और खराब मौसम की वजह से देश के ऊर्जा क्षेत्र सेक्टर में आपातकाल लागू करने की घोषणा की है।

जेलेंस्की ने बुधवार को टेलीग्राम पर कहा कि इस कदम का मकसद बैकअप पावर इक्विपमेंट को बिजली नेटवर्क से जोड़ने से जुड़ी औपचारिक प्रक्रियाओं को आसान बनाना है। उन्होंने कहा कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बिजली आयात बढ़ाने का निर्देश दिया है। इसके अलावा सरकार बहुत ज्यादा ठंड में निषेधाज्ञा नियमों की समीक्षा करेगी और शिक्षा प्रक्रिया के तरीकों पर विचार करेगी। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन की राजधानी कीव, ओडेसा और मध्य यूक्रेन के निप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में ऊर्जा की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 16 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी 20 .21 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

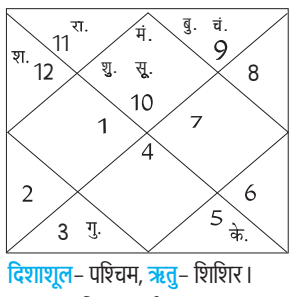

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मूल पूर्ण रात्रि तक।

मेष — आज विदेश में रहने वाले परिजनों की चिंता हो सकती है। शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। प्रेम संबंधों में परस्पर विश्वास में कमी होने की आशंका है, लेकिन साथ में समय बिताने से मन हल्का होगा।

वृष — आज उच्च शिक्षा में बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। अटका हुआ धन वापस मिलने में कठिनाई होगी। मेहनत का उत्तम परिणाम नहीं मिलेगा। स्वयं की गलतियों पर पर्दा न डालें। आपका मन किसी कारण अप्रसन्न हो सकता है।

मिथुन — आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो सकती है। जॉब में आपका प्रभाव बढ़ेगा। बुद्धिमान लोगों का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। पारिवारिक संबंधों की कटुता दूर होगी। पार्टनरशिप में किए गए व्यवसाय से आपको लाभ होगा।

कर्क — आज मांगलिक कार्यक्रमों की योजना बना सकते हैं। परिवार के लोगों का विरोध करने से बचें। नए रोजगार की प्राप्ति हो सकती है। अधूरे कार्यों को पूर्ण करने का दबाव रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा में अच्छे परिणाम मिलेंगे। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह — आज अपने निर्णयों को बार-बार न बदलें। संतान की गतिविधियों पर नजर बनाए रखें। मन में नए काम को लेकर थोड़ी शंका रहेगी। आपको अपने स्वाभिमान की चिंता हो सकती है। घरेलू कार्यों में फंसे रहेंगे। शुभ कार्यों में धन खर्च होगा।

कन्या — आज योजनाबद्ध तरीके से काम करना लाभकारी होगा। दिखावे पर अधिक खर्च करना उचित नहीं है। कानूनी विवादों को लेकर सावधानी रखें। परिवार में किसी बात को लेकर कलह हो सकती है। अपने चरित्र को अच्छा रखें।

तुला — आज छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है। मनोरंजन के साधनों पर धन खर्च करेंगे। नई जॉब मिलने के योग बन रहे हैं। रूढ़िवादी विचारों से बचें। नए व्यंजनों का सेवन कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का वातावरण रहेगा।

वृश्चिक — आज धन के मामले में भाग्यशाली रहेंगे। बच्चों की सेहत की चिंता हो सकती है। जिम्मेदारियों के बीच स्वयं के लिए समय अवश्य निकालें। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। बोलचाल के दौरान सभ्य भाषाशैली का प्रयोग करें।

धनु — आज अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। व्यवसाय में बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने में लगे रहेंगे। विद्वान लोगों के साथ आपके संपर्क मजबूत होंगे। परिवार को लेकर आप कुछ योजना बना सकते हैं। घर में मेहमानों का आना-जाना लगा रहेगा।

मकर — आज व्यवसाय में प्रलोभनों से बचें। भूतकाल की बातों को लेकर थोड़ा चिंतित रहेंगे। अपने विचारों को सकारात्मक बनाए रखें। बुरी संगत के कारण आपको नुकसान हो सकता है। अधीनस्थ कर्मचारियों से अपने संबंध अच्छे रखें।

कुंभ — आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। सुख के साधनों पर आप धन खर्च करेंगे। युवा प्रेम संबंधों को लेकर अत्यंत भावुक हो सकते हैं। कारोबार में वृद्धि होने की संभावना है। परिजनों के प्रति थोड़ा चिंतित रहेंगे।

मीन — आज सरकारी जॉब कर रहे लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। आपके मस्तिष्क में नए रचनात्मक विचार उत्पन्न होंगे। मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान मिलेगा। विदेश से नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं। परिवार में किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा होगी।

सुडोकू-33

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		2		7	5			4
			1			8		
9			3	8		5		6
		6		2			3	
	4		8		1		7	
	5			9		1		
6		1		5	8			9
		7			4			
4			7	3		2		

सुडोकू - 32 का हल

8	7	4	9	5	1	6	3	2
6	5	2	4	3	8	9	1	7
3	9	1	6	7	2	8	4	5
5	1	7	8	4	9	2	6	3
9	8	3	5	2	6	4	7	1
4	2	6	3	1	7	5	8	9
7	4	8	1	9	5	3	2	6
2	6	5	7	8	3	1	9	4
1	3	9	2	6	4	7	5	8

मेरी कप्तानी के अंदाज में एक चीज जो मैं कभी नहीं बदलना चाहती, वह है मैदान पर आक्रामकता। क्योंकि मुझे लगता है कि यह मेरे अंदर से सबसे अच्छा निकलता है। मैदान के बाहर मुझे गुस्सा नहीं आता।
–हरमनप्रीत कौर, मुंबई इंडियंस की कप्तान

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार, 16 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

कर्नाटक को हराकर विदर्भ विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में

बेंगलुरु। दर्शन नालकंडे (पांच विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद अमन मोखाड़े (138) की शतकीय तथा रविकुमार समर्थ (नाबाद 76) रनों अर्धशतकीय पारी की बदौलत विदर्भ ने गुरुवार को कर्नाटक को 22 गेंदें शेष रहत छह विकेट से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है। 281 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी विदर्भ की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ही ओवर में अर्थव तायडे (छह) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद अमन मोखाड़े और ध्रुव शौरी की जोड़ी ने दूसरे विकेट के लिए 98 रन जोड़े। 24वें ओवर में अभिलाष शेट्टी ने ध्रुव शौरी (47) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद रविकुमार समर्थ के साथ अमन मोखाड़े ने तीसरे विकेट के लिए 147 रन जोड़े। इस दौरान मोखाड़े ने अपना शतक भी पूरा किया। 42वें ओवर में तीसरे विकेट के रूप अमन मोखाड़े को विद्याधर ने आउट किया।

स्टार्क और वोल्वार्ट प्लेयर ऑफ द मंथ बने

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज़ मिशेल स्टार्क और दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने पुरुषों और महिलाओं के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ़ द मंथ का अवॉर्ड जीता है, शानदार प्रदर्शन की एक सीरीज़ के बाद जिसमें उन्होंने कड़ी टक्कर को पीछे छोड़ा। स्टार्क, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया की 4-1 से एशेज जीत में प्लेयर ऑफ द सीरीज़ चुना गया था, ने दिसंबर में 21.25 की औसत से 16 विकेट लिए, साथ ही महीने के दौरान तीन टेस्ट में 139 रन भी बनाए। सबसे शानदार प्रदर्शन ब्रिस्बेन में दूसरे टेस्ट में प्लेयर ऑफ़ द मैच का था, जहां उन्होंने आठ विकेट लिए और महत्वपूर्ण 77 रन बनाए।

एमेलिया वाल्वरडे महिला टीम से जुड़ेंगी

कोलकाता। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सूत्रों के अनुसार कोस्टा रिका की पूर्व विश्व कप कोच एमेलिया वाल्वरडे आगामी एएफसी महिला एशियाई कप के लिए भारतीय महिला फुटबॉल टीम में मेंटोर के तौर पर जुड़ने वाली हैं। एआईएफएफ 39 वर्षीय वाल्वरडे के साथ अनुबंध को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। वह 2015 और 2023 फीफा महिला विश्व कप में कोस्टा रिका की मुख्य कोच थीं।

न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत गया, इस पर हैरानी हुई : गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि उन्हें इस बात पर काफी हैरानी हुई कि राजकोट में दूसरे एकदिवसीय में न्यूजीलैंड ने भारत को इतनी आसानी से कैसे हरा दिया। इसके साथ ही रविवार को तीसरे और आखिरी मैच में मेजबान टीम को अपने संयोजन के साथ प्रयोग करने की आजादी नहीं होगी। डेरिल मिचेल की नाबाद 131 रन की पारी से न्यूजीलैंड ने राजकोट में दूसरे एकदिवसीय में 285 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट की जीत के साथ श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी। श्रृंखला का निर्णायक मैच इंदौर में खेला जाएगा।

गावस्कर ने कहा मुझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत गया क्योंकि उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिच की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा। उन्होंने कहा सिर्फ स्पिनरों ने ही नहीं बल्कि उनके (न्यूजीलैंड के) सभी गेंदबाजों ने पिच की धीमी गति का अच्छी तरह से इस्तेमाल किया। ऐसा लगा कि भारत न्यूजीलैंड को लगभग 260 या 270 रन पर रोक पाएगा। मुझे लगा था कि यह भारत के लिए एक आसान जीत होगी। गावस्कर ने मिचेल की भी सराहना की जिन्होंने विल यंग (87) के साथ 162 रन की साझेदारी करके मेहमान टीम की जीत सुनिश्चित की। गावस्कर ने कहा कि श्रृंखला के निर्णायक मैच में भारत पर दबाव होगा और टीम के पास यशस्वी जायसवाल जैसे किसी खिलाड़ी को आजमाने की गुंजाइश नहीं है जिन्हें राजकोट में श्रृंखला जीतने की स्थिति में इंदौर में मौका दिया जा सकता था।

उन्होंने कहा अगर वे (भारत) यह मैच जीत जाते तो उन्हें थोड़ा प्रयोग करने की आजादी होती। शायद उन खिलाड़ियों को मौका देते जो अब तक नहीं खेले हैं। जायसवाल जैसे किसी खिलाड़ी को भी थोड़ा मौका मिल सकता था। गावस्कर ने कहा यह सब संभव हो सकता था लेकिन अब वे कोई जोखिम नहीं ले सकते। उन्हें अपनी सर्वश्रेष्ठ एकादश के साथ खेलना होगा। न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी साइमन डूल ने मिचेल की पारी और उन्होंने जिस तरह से कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा की भारतीय स्पिन जोड़ी का सामना किया उसकी तारीफ की। कुलदीप ने अपने 10 ओवर में 82 रन दिए और सिर्फ एक विकेट ले पाए तो वहीं जडेजा ने आठ ओवर में बिना कोई विकेट लिए 44 रन दिए। डूल ने कहा मिचेल के भारत के खिलाफ बहुत अच्छे आंकड़े हैं... हम इसे बार-बार देखते हैं, रिवर्स स्वीप, अपने पैरों का इस्तेमाल करना। कुलदीप के खिलाफ बहुत जल्द वह आगे बढ़कर खेले और पहले ही ओवर में उन पर दबाव डाला। उस पल से कुलदीप ने अपनी लय खो दी जो अक्सर नहीं होता है।

धूल भरी पिचों पर तैयारी करने से मुझे रणनीति बनाने में मदद मिली : मिचेल

राजकोट। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने कहा कि लिंकन में न्यूजीलैंड क्रिकेट की खास तौर पर तैयार की गई धूल भरी पिच में तैयारी करने से उन्हें उपमहाद्वीप की स्पिन की अनुकूल पिचों पर खेलने में महारत हासिल करने में मदद मिली। एकदिवसीय बल्लेबाजों की आईसीसी रैंकिंग में बल्लेबाज विराट कोहली से सिर्फ एक रेटिंग अंक पीछे चल रहे मिचेल ने भारत के खिलाफ उसकी सरजमीं पर शानदार बल्लेबाजी करते हुए पिछले चार मैच में 130, 134, 84 और नाबाद 131 रन बनाए हैं। चौंतीस साल के मिचेल ने बुधवार को यहां 117 गेंद में नाबाद 131 रन बनाकर न्यूजीलैंड की सात विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई जिससे टीम ने तीन मैच की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

अंडर-19 विश्व कप में हेनिल पटेल ने भारत को दिलाई विजयी शुरुआत

बारिश से प्रभावित मैच में अमेरिका को छह विकेट से हराया

हेनिल पटेल।

बुलावायो (जिम्बाब्वे), एजेंसी

हेनिल पटेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए जिससे भारत ने बृहस्पतिवार को यहां बारिश से प्रभावित आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के अपने पहले मैच में अमेरिका को डकवर्थ लुईस पद्धति से छह विकेट से हरा दिया। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेनिल ने सात ओवर में एक मेडन के साथ 16 रन देकर पांच विकेट झटके। भारत ने बादलों भरे मौसम में पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और फिर हेनिल की शानदार गेंदबाजी से मध्यक्रम को तहस-नहस करते हुए अमेरिका को 35.2 ओवर में महज 107 रन पर ढेर कर दिया।

बारिश की बाधा के बाद लक्ष्य 37 ओवर में 96 रन कर दिया गया। जब बारिश आई तब भारतीय टीम ने चार ओवर में एक विकेट पर 21 रन बना लिए थे। इसके बाद अभिज्ञान कुंडू (41 गेंद में नाबाद 42 रन) ने 118 गेंद रहते टीम को डकवर्थ लुईस पद्धति से जीत दिलाई। बारिश के कारण खेल देर से शुरू हुआ। 14 साल के बल्लेबाजी वैभव सूर्यवंशी (02) सस्ते में आउट हो गए। उन्हें तीसरे ओवर में ऋत्विक अप्पिडी (पांच ओवर में 24 रन देकर दो विकेट) ने बोल्ड कर दिया।

- धुरंधर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी महज दो रन बनाकर हुए आउट

अप्पिडी की लेंथ गेंद पर सूर्यवंशी विकेट से आगे आए और गेंद बल्ले के अंदरूनी किनार से लगकर स्टंप्स पर जा लगी। कप्तान आयुष म्हात्रे दो चौके लगाकर आत्मविश्वास से भरे दिख रहे थे लेकिन तभी बारिश ने एक और रुकावट डाल दी। इस समय भारत को 46 ओवर में सिर्फ 87 रन चाहिए थे। लेकिन लंबे समय तक खेल रुकने के बाद जब फिर शुरू हुआ तो डकवर्थ लुईस पद्धति के अनुसार समीकरण बदल गया। खेल शुरू होने पर भारत ने म्हात्रे (19) और वेदांत त्रिवेदी (02) के विकेट जल्दी जल्दी गंवा दिए। फिर उप-कप्तान विहान मल्होत्रा 18 रन पर आउट हो गए।

इससे पहले हेनिल ने अपने पहले ही ओवर में अमरिंदर गिल को स्लिप में विहान मल्होत्रा के हाथों कैच करवाकर पहला विकेट लिया जिसके बाद तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन ने साहिल गर्ग (16) को थर्ड मैन पर हेनिल के हाथों कैच करवाकर अमेरिका का स्कोर नौ ओवर में दो विकेट पर 29 रन कर दिया। इसके बाद हेनिल ने लगातार दो विकेट लेकर पारी पर नियंत्रण कर लिया। उन्होंने कप्तान उत्कर्ष श्रीवास्तव को खाता भी नहीं खोलने दिया जो पांच गेंद खेलकर पवेलियन लौट गए। हेनिल ने इसी ओवर में विकेटकीपर अर्जुन महेश (16) को भी आउट कर दिया जिससे अमेरिका का स्कोर चार विकेट पर 35 रन हो गया। अमेरिका इन झटकों से उबर नहीं पाया। लेग स्पिनर खिलन पटेल ने आते ही विकेट झटक लिया, उन्होंने अमोघ अरेपल्ली को आउट किया जिससे अमेरिका ने 16वें ओवर में 39 रन पर अपना पांचवां विकेट गंवाया।नीतीश सुदिनी हालांकि कुछ देर टिककर खेले, उन्होंने 52 गेंद में 36 रन बनाए जिसमें चार चौके शामिल थे। उन्होंने अदनीत झाम (18) के साथ छठे विकेट के लिए 30 रन जोड़े जिससे अमेरिका का स्कोर 50 रन के पार पहुंचा। हेनिल ने फिर पुछल्ले बल्लेबाजों को समेटा। उन्होंने सबरीश प्रसाद (07) और ऋषभ शिंपी (00) को आउट करके अपने पांच विकेट पूरे किए। अमेरिका की टीम 35.2 ओवर में ऑल आउट हो गई। भारत ग्रुप बी में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड है।

शॉट लगातीं यूपी की बल्लेबाज हरलीन देओल। एजेंसी

यूपी वॉरियर्ज ने सत्र में पहली जीत दर्ज की

महिला प्रीमियर लीग

- मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराया, हरलीन देओल ने खेली शानदार पारी

नवी मुंबई, एजेंसी

यूपी वॉरियर्स ने हरलीन देओल (नाबाद 64 रन) के नाबाद अर्धशतक की मदद से बृहस्पतिवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को 11 गेंद रहते सात विकेट से हराकर इस सत्र में अपनी पहली जीत दर्ज की।

नटाली साइवर ब्रंट (65 रन, दो विकेट) ने अपने चिर परिचित अंदाज में खेलते हुए तेज अर्धशतक जड़ा जिसकी मदद से मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन बनाए। हरलीन बुधवार को अच्छी बल्लेबाजी के बावजूद रिटायर्ड आउट हो गई थीं, उन्होंने 39 गेंद की पारी में 12 चौके जड़े और क्लो ट्रायोन (नाबाद 27 रन) के साथ मिलकर टीम को 18.1 ओवर में तीन विकेट पर 162 रन तक पहुंचाया जिससे यूपी वॉरियर्स की टीम लगातार तीन हार के बाद चौथे मैच में पहली जीत दर्ज करने में कामयाब रही। वहीं मुंबई इंडियंस की चार मैच में यह दूसरी हार थी। हरलीन ने इच्छानुसार शॉट लगाए जिसमें शबनीम इस्माइल के एक ओवर में तीन चौके भी शामिल थे। इस भारतीय बल्लेबाज ने 15वें ओवर में ऑफ स्पिनर संस्कृति गुप्ता पर स्वीप शॉट से एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। हरलीन ने इसी ओवर में दो चौके और जड़े जिससे टीम को 24 गेंद में 29 रन की दरकार थी।

हरलीन ने ट्रायोन के साथ मिलकर बिना किसी परेशानी के जीत सुनिश्चित की। हालांकि यूपी वॉरियर्स के लिए शीर्ष क्रम में परेशानी जारी रही जिसमें कप्तान मेग लैनिंग (25 रन) और किरण नवगिरे (10 रन) तेज शुरूआत नहीं करा सकीं। इससे सात ओवर में यूपी वॉरियर्स का स्कोर दो विकेट पर 50 रन था। लेकिन लक्ष्य इतना बड़ा नहीं था जिससे हरलीन ने टिककर खेलते हुए टीम को पहली जीत का स्वाद चखाया।

लक्ष्य सेन क्वार्टर फाइनल में, श्रीकांत व प्रणय बाहर

लक्ष्य सेन। एजेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडिया ओपन

पूर्व चैंपियन लक्ष्य सेन ने अपने मजबूत डिफेंस और तेज खेल की बदौलत जापान के केंटा निशिमोटो को हराया, जबकि किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय का शानदार प्रदर्शन योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन 2026 के दूसरे राउंड में काफी नहीं रहा।

यह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा गुरुवार को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। सेन ने निशिमोटो को 21-19, 21-11 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि श्रीकांत फ्रांस के वर्ल्ड टूर फाइनल्स विजेता क्रिस्टो पोपोव से 21-14, 17-21, 21-17 से हार गए, और प्रणय सिंगापुर के आठवें वरीयता प्राप्त लोह कीन यू से 18-21, 21-19, 21-14 से हार गए। महिला सिंगल्स में भी भारत की चुनौती खत्म हो गई, जब चीनी पांचवीं वरीयता प्राप्त हान यू ने मालविका बंसोड़ को 21-18, 21-15 से हरा दिया। निशिमोटो के खिलाफ पहले गेम के शुरुआती चरणों में सेन के लिए भी राह मुश्किल थी, क्योंकि भारतीय खिलाड़ी अपनी लय और स्ट्रोक की लंबाई खोजने में संघर्ष कर रहा था। इंडियन ऑयल के कर्मचारी पहले गेम में जापानी खिलाड़ी से 11-16 और फिर 14-18 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को लंबी रैलियों में उलझाए रखा और रोकने के लिए कुछ शानदार डिफेंसिव स्ट्रोक लगाए।

चीन की ली यी जिंग और लुओ जू मिन के खिलाफ शॉट लगातीं भारत की गायत्री गोपीचंद (बाएं) और त्रीसा जॉली। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियन ओपन | रविवार से शुरू हो रहा वर्ष का पहला ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट, इतिहास में दर्ज हो सकता है दोनों का मुकाबला

कोको गॉफ और वीनस विलियम्स भिड़ सकतीं दूसरे दौर में

मेलबर्न, एजेंसी

कोको गॉफ और वीनस विलियम्स रविवार से शुरु हो रहे टेनिस ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में आमने-सामने हो सकती हैं और यह मुकाबला फिर इतिहास में दर्ज हो सकता है।

पंद्रह साल की गॉफ ने जब ग्रैंड स्लैम में पदार्पण किया था तो उन्होंने विंबलडन में सात बार की मेजर विजेता वीनस को हरा दिया था। गॉफ ने 2019 में ऑल इंग्लैंड क्लब में उस जीत के बाद वीनस को अपने करियर के लिए बड़ी प्रेरणा बनने के लिए धन्यवाद दिया था और कहा था अगर वह नहीं होतीं तो मैं यहां नहीं होती। इसके बाद गॉफ ने 2020 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में पहले दौर में जीत हासिल की। अब वह तीसरी वरीय हैं। वहीं 45 साल की वीनस को ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला और वह पांच साल बाद इसमें खेल रही हैं।

मेलबर्न पार्क में शुरू होने वाले ग्रैंडस्लैम का बृहस्पतिवार को ड्रॉ निकाला गया जिसमें गॉफ का मुकाबला 91वीं रैंकिंग की कामिला रखिमोवा से होगा जबकि 576 रैंकिंग की वीनस (1998 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में पदार्पण करने वाली और दो बार फाइनल में पहुंचने वाली) का मुकाबला पहले दौर में 68 रैंकिंग की ओल्गा डैनिलोविच से होगा। वीनस ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला बनने वाली हैं और वह जापान की किमिको डेट का रिकॉर्ड तोड़ देंगी जो 2015 में मेलबर्न पार्क में पहले दौर में हारने के समय 44 साल की थीं। गॉफ को फिर से वीनस से भिड़ने के लिए पहले दौर में जीत हासिल करनी होगी। पिछले दो हफ्तों में वीनस न्यूजीलैंड और होबार्ट में हुए टूर्नामेंट में खेलीं लेकिन दोनों में ही पहले दौर में हार गईं।

गॉफ और वीनस ड्रॉ के उसी हाफ में हैं जिसमें शीर्ष रैंकिंग वाली एरीना सबालेंका हैं, जो पिछले साल के फाइनल में मैडिसन कीज से हारने से पहले लगातार ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीत चुकी थीं। सबालेंका ने पिछले हफ्ते ब्रिस्बेन में खिताब जीतकर अपने सत्र की शुरुआत की थी और तीसरे दौर में उनका सामना 2021 अमेरिकी ओपन विजेता एमा राडुकानु से हो सकता है।? गत चैंपियन कीज को छठे नंबर की खिलाड़ी जेसिका पेगुला और चौथे नंबर की खिलाड़ी अमांडा एनिसिमोवा के साथ उसी क्वार्टर में रखा गया है।

वहीं दूसरी रैंकिंग की इगा स्वियातेक मेलबर्न पार्क में अपना पहला खिताब जीतकर करियर ग्रैंडस्लैम हासिल करना चाहती हैं। वह चौथे दौर में चार बार की मेजर विजेता नाओमी ओसाका से भिड़ सकती हैं। वहीं यानिक सिनर और नोवाक जोकोविच भी ड्रॉ के एक ही हाफ में हैं जिससे गत चैंपियन और 24 बार के मेजर विजेता के बीच संभावित सेमीफाइनल देखने को मिल सकता है। जोकोविच ने 10 ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीते हैं, लेकिन 2023 के बाद से मेलबर्न पार्क में सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए हैं।

स्लोएन स्टीफंस ने क्वालीफाई किया

मेलबर्न। स्लोएन स्टीफंस ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए क्वालीफाई कर लिया है जो एक साल पहले मेलबर्न पार्क में शीर्ष रैंक वाली एरिना सबालेंका से पहले दौर में हारने के बाद उनका पहला ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट है। अमेरिकी ओपन 2017 चैंपियन स्लोएन ने बाएं पैर की चोट से उबरने के बाद सत्र की पहली ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिता के क्वालीफाइंग दौर में 1,097वीं रैंकिंग के साथ प्रवेश किया था। उन्होंने मेलबर्न पार्क में क्वालीफाइंग में लगातार तीन जीत हासिल की और बृहस्पतिवार को तीसरे दौर में इटली की लूसिया ब्रोंजेटी को 6-1, 7-5 से हराकर मुख्य ड्रॉ में जगह पक्की की। इस 32 साल की अमेरिकी खिलाड़ी ने करियर की सर्वश्रेष्ठ तीसरी रैंकिंग हासिल की थी। इसे वह अपने करियर के लिए बड़ी उपलब्धि मानती हैं।

खिलाड़ियों के विद्रोह से बीपीएल अधर में, नजमुल पर हुई कार्रवाई

ढाका, एजेंसी

संकट से जूझ रहे बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) पर उसकी शीर्ष टी20 लीग के रुकने का खतरा मंडरा रहा था जब सीनियर राष्ट्रीय खिलाड़ियों ने निदेशक नजमुल इस्लाम को अपमानजनक टिप्पणियों के लिए बर्खास्त नहीं करने पर बोर्ड के खिलाफ विद्रोह कर दिया। बीसीबी ने हालांकि उन्हें अपनी वित्त समिति के प्रमुख के पद से हटा दिया।

बीसीबी के अहम पद से नजमुल को हटाए जाने के बावजूद बृहस्पतिवार को होने वाले बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के दो मैच स्थगित कर दिए गए और खिलाड़ियों के कड़े रुख के कारण टूर्नामेंट अनिश्चितताओं से घिर गया है। बीपीएल में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी बीसीबी निदेशक के पद से नजमुल को तुरंत हटाने की अपनी मांग पर एकजुट थे। खिलाड़ियों और जनता के दबाव में बीसीबी को कार्रवाई करनी पड़ी और नजमुल को बोर्ड की वित्त समिति के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया। नजमुल हालांकि बोर्ड के निदेशक बने हुए हैं और अनुशासनात्मक कारणों से उन्हें इस पद से हटाया जा सकता है। यह हंगामा तब शुरू हुआ जब नजमुल ने 'सुरक्षा चिंताओं' के कारण अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत जाने से बांग्लादेश के इनकार को दोहराते हुए देश के टूर्नामेंट से हटने पर खिलाड़ियों की पारिश्रमिक से जुड़ी चिंताओं को खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को मुआवजा नहीं दिया जाएगा क्योंकि उन्होंने अब तक मिले समर्थन को सही साबित नहीं किया है और एक भी आईसीसी प्रतियोगिता नहीं जीत पाए हैं। इस बयान से काफी हंगामा हुआ और सीडब्ल्यूएबी ने उन्हें तुरंत हटाने की मांग की। बीसीबी ने नजमुल को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया। बीसीबी ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड बोर्ड के एक सदस्य द्वारा हाल ही में की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों पर अपना खेद फिर दोहराता है। बीसीबी इन टिप्पणियों से हुई चिंता को स्वीकार करता है और क्रिकेटरों के प्रति सम्मान के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराता है।

> बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड यह सूचित करना चाहता है कि हाल के घटनाक्रमों की समीक्षा के बाद और संगठन के सर्वोत्तम हित में बीसीबी अध्यक्ष ने नजमुल इस्लाम को वित्त समिति के अध्यक्ष के रूप में उनकी जिम्मेदारियों से तत्काल प्रभाव से मुक्त करने का फैसला किया है। अगले आदेश तक बीसीबी अध्यक्ष वित्त समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष का पद संभालेंगे। बीसीबी दोहराता है कि क्रिकेटरों के हित उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। बोर्ड अपने अधिकार क्षेत्र के तहत खिलाड़ियों के सम्मान और गरिमा को बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।
> –बीसीबी